kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-14 | अंक-126 | शनिवार, 07 जून 2025 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

कांग्रेस का दूसरा देशद्रोह! पाकिस्तान ने अपनी स्थापना के तुरंत बाद कश्मीर के एक हिस्से पर भी कब्जा कर लिया। अपनी जाबांज सेना ने पाक को काफ़ी पीछे तक खदेड़ दिया था और बाकी हिस्से को छुड़ाने के लिए बेताब थी।

केशव प्रसाद मौय

भारतीय भाषा अनुभाग प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा : शाह 11

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने किए भगवान बदरीविशाल के दर्शन 12

सूचना

ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापन दाताओं, हॉकर बंधुओं को हार्दिक बधाई। अतः इस मौके पर *कैनविज टाइम्स* कार्यालय में 07 जून 2025 को अवकाश रहेगा, अतः अगला अंक 09 जून 2025 को प्रकाशित होगा।

-प्रधान संपादक

संक्षेप

राज्यपाल ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) की दी शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ईद-उल-अजहा (बकरीद) के पावन अवसर पर प्रदेश और देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-अजहा का त्योहार बलिदान, समर्पण, सेवा, त्याग और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। यह पर्व हम सभी को समाज में एकता, सद्भाव एवं परस्पर सहयोग की भावना को सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कामना की है कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि लेकर आए और देश और प्रदेश में अमन, चैन और सौहार्द का वातावरण सदा बना रहे।

तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए कमल हासन और डीएमके के तीन उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

नई दिल्ली। तमिलनाडु से राज्यसभा की छह सीटों के लिए 19 जून को होने वाले चुनाव के लिए मक्कल निधि मैयम (एमएनएम) के अध्यक्ष एवं अभिनेता कमल हासन और डीएमके के पी विल्सन सहित तीन उम्मीदवारों ने शुक्रवार को चेन्नई स्थित तमिलनाडु सचिवालय में नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने से पहले डीएमके सभी उम्मीदवारों ने मरीना में कलैगनार स्मारक का दौरा किया और मुथामिज अरिगनार डॉ. कलैगनार को श्रद्धांजलि अर्पित की। डीएमके ने सहयोगी मक्कल निधि मैयम को एक सीट दी है।

मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- गोहत्या पर दिल्ली में नहीं, सारे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीयमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि गोहत्या पर दिल्ली में ही नहीं, पूरे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए। गोहत्या महापाप है। यह इस्लामियत के भी विपरीत है। उन्होंने इस संबंध में बकरीद पर दिल्ली में लगाए गए गोहत्या पर प्रतिबंध की सराहना की है। पूर्व केंद्रीयमंत्री नकवी ने आज जारी वाडियो बयान में कहा कि दिल्ली सरकार ने बकरीद के मद्देनजर जो सख्त सलाह जारी की है, वह स्वागत योग्य कदम है। दिल्ली सरकार ने गाय, बछड़ा, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी पर पूरी तरह रोक लगाकर देश का मन जीत लिया है।

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के कटरा में विकास परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर सख्त शब्दों में चेतावनी दी

ऑपरेशन सिंदूर ने सिखाया पाकिस्तान को सबक

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के कटरा में विकास परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद पर सख्त शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के भविष्य के लिए विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता के विज़न को स्पष्ट किया। इस अवसर पर उन्होंने 46 हजार करोड़ से अधिक की महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने घाटी में तेज़ी से हो रहे बदलाव को 'भारत की नई शक्ति और संकल्प का प्रतीक' बताया।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने इसे पाकिस्तान की एक सोची-समझी साजिश करार दिया, जिसका उद्देश्य घाटी में अशांति फैलाना और मेहनतकश लोगों की आजीविका को बाधित करना था। उन्होंने कहा कि यह हमला न सिर्फ निर्दोष पर्यटकों पर था, बल्कि 'कश्मीरियत और इंसानियत' पर भी हमला था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद ने घाटी में स्कूल जलाए, अस्पतालों को निशाना बनाया और दो पीढ़ियों के सपनों को कुचला है, लेकिन अब जम्मू-कश्मीर का युवा आतंकवाद के विरुद्ध सीना तानकर खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने आतंक पर पाकिस्तान को मिले करारे जवाब का उल्लेख करते हुए कहा कि आज 6 जून है, ठीक एक महीने पहले भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान की धरती पर आतंक के अड्डों को ध्वस्त किया। अब जब पाकिस्तान को इस ऑपरेशन का नाम भी सुनाई देगा, तो उसे अपनी हार और शर्म याद आएगी। भारत अब चुप रहने वाला नहीं है। हमारे सैनिकों ने जो किया, वह भारत की बदलती रणनीति और इच्छाशक्ति का प्रमाण है। अब आतंकवाद का जवाब उसी भाषा में दिया जाएगा।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने चिनाब ब्रिज और अंजी पुल का उद्घाटन किया। चिनाब ब्रिज विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। इसकी ऊंचाई 359 मीटर और लंबाई 1,315 मीटर है। अंजी पुल भारत का पहला केबल-सपोर्टेड रेलवे पुल है। इसे अत्यंत चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुल भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, तकनीकी शक्ति और अदम्य साहस के प्रतीक हैं। ये सिर्फ पुल नहीं हैं, ये जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के बीच विश्वास और विकास की मजबूत डोर हैं। प्रधानमंत्री ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल परियोजना (यूएसबीआरएल) को राष्ट्र को समर्पित किया। यह 272 किमी लंबी परियोजना 36 सुरंगों और 943 पुलों से युक्त है और इसकी लागत 43,780 हजार करोड़ है। उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से ● शेष पेज 11 पर

राहत

❒ उन्होंने कहा, आज 6 जून है। संयोग से ठीक एक महीने पहले, आज की ही रात पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी

❒ प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू और श्रीनगर में अब आईआईटी, आईआईएम, एम्स और एनआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान मौजूद हैं

प्रधानमंत्री ने वंदेभारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने अंजी पुल का भी उद्घाटन किया। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री ने कटरा रेलवे स्टेशन से कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना से जुड़ी टीम के साथ बातचीत की। इस मौके पर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, ● शेष पेज 11 पर

सच हुआ दशकों का सपना

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों आज कटरा से श्रीनगर के लिए दो वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाए जाने के साथ ही दशकों का सपना सच हो गया है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक रेल कनेक्टिविटी हो हो गई है। अब यात्री ट्रेन से वादियों और पहाड़ों का दीदार करते हुए श्रीनगर तक पहुंचेंगे। ट्रेन में एग्जीक्यूटिव क्लास के यात्रियों को कश्मीरी बादाम, अंजीर और अन्य कश्मीरी व्यंजन भी परोसे जाएंगे। यात्रियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मी भी तैनात रहेंगे। कश्मीर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि जम्मू से श्रीनगर तक सीधा रेल सफर सितंबर महीने से शुरू हो जाएगा। जम्मू रेलवे स्टेशन पर नए प्लेटफॉर्म बनाने का काम पूरा होने के साथ ही सीधे जम्मू से श्रीनगर के लिए रेलगाड़ी चलेगी। कश्मीर जाने वाली वंदे भारत श्री माता वैष्णो देवी (कटड़ा) स्टेशन से रवाना होगी। उधमपुर-बनिहाल-श्रीनगर रेल खंड पर इन दोनों ट्रेनों का कमर्शियल संचालन सात जून से शुरू होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए दोनों ट्रेनों में एसी चेयर कार और एग्जीक्यूटिव क्लास के डिब्बे लगाए गए हैं। रेलवे ने सभी शुल्कों सहित श्रीनगर से कटड़ा के बीच चेयर कार का किराया 715 रुपये निर्धारित किया है, जबकि एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1320 रुपये निर्धारित किया गया है। दोनों नई वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन के बाद जम्मू-कश्मीर में कुल चार वंदे भारत ट्रेनें चलने लगेंगी। इससे पहले जम्मू-कश्मीर में दो वंदे भारत ट्रेनें नई दिल्ली से कटड़ा के बीच चल रही हैं। कश्मीर तक जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का कई स्टेशनों पर ठहराव होगा। इनमें दिल्ली, अंबाला छावनी, लुधियाना जंक्शन, पठानकोट छावनी, जम्मू तवी, श्री माता वैष्णो देवी (कटड़ा) यात्रियों के ट्रांसशिपमेंट के बाद, रियासी बनिहाल कांजीगुंड, अनंतनाग और श्रीनगर रेलवे स्टेशन शामिल हैं। जिला रिसासी के कौड़ी बक्कल क्षेत्र में चिनाब नदी पर बने विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे के आर्च पुल के पास तीन मंजिला संग्रहालय भी बनाया गया है।इसके दो मंजिल में रेलवे परियोजना की ● शेष पेज 11 पर

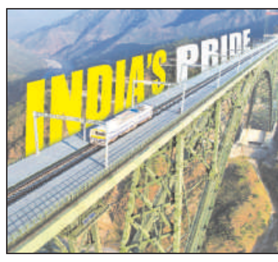

सपना

❒ वादियों और पहाड़ों का दीदार करते हुए यात्री पहुंचेंगे कश्मीर

❒ एग्जीक्यूटिव क्लास के यात्रियों को कश्मीरी बादाम, अंजीर और अन्य कश्मीरी व्यंजन भी परोसे जाएंगे

ब्रिक्स संसदीय फोरम में आतंकवाद के विरुद्ध

जीरो टॉलरेंस नीति के सहयोग पर सहमति

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। ब्राज़ील की राजधानी ब्रासीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में भारत सहित 10 देशों की संसदों ने हालिया पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति पर सहयोग का संकल्प लिया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया।

ब्रिक्स के 10 सदस्य देशों भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया ने इस वार्षिक बैठक में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान वैश्विक शांति, सुरक्षा, तकनीकी नवाचार, व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संसदीय सहयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। भारत ने आतंकवाद को वैश्विक खतरा बताते हुए आर्थिक मदद पर रोक, खुफिया सूचना के आदान-प्रदान और जांच सहयोग जैसे उपायों की वकालत की। भारत का पक्ष सभी देशों ने गंभीरता से स्वीकार किया और संयुक्त घोषणा में शामिल किया। सम्मेलन में यह सहमति बनी कि सभी ब्रिक्स देशों की संसद मिलकर आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट प्रयास करेंगी। विशेष रूप से पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते ● शेष पेज 11 पर

❒ भारत सहित 10 देशों की संसदों ने हालिया पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति पर सहयोग का संकल्प लिया

छत्रपति शिवाजी के अनुरूप सशक्त, समर्थ भारत बनाना ही हमारा लक्ष्य : सिंधिया

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहना है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'हिन्दवी स्वराज' की स्थापना कर एक सशक्त, समर्थ और आत्मनिर्भर भारत का जो सपना देखा था, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश उसी दिशा में दृढ़तापूर्वक अग्रसर है। एक पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में 'आपरेशन सिंदूर' पर सिंधिया ने कहा, ॡभारत ने दिखा दिया है कि उधर से गोली चलेगी तो इधर से गोला चलेगा। उन्होंने कहा कि आज लोगों को सेना और सरकार पर भरोसा है। यह भरोसा बताता है कि 'यही समय है, सही समय है' जब हर देशवासी विकसित भारत के सपने को अपने मन में जगाए और उस अनुरूप कार्य भी करे। केन्द्रीय संचार और पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज 'हिन्दवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी' नामक पुस्तक का लोकार्पण किया। पुस्तक सुरूचि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित की गई है और इसका सम्पादन प्रो. ओम प्रकाश सिंह और देवेन्द्र भारद्वाज ने किया है। लोकार्पण समारोह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय ● शेष पेज 11 पर

भक्तों को रामदरबार में जल्द मिलेंगे दर्शन: चंपत राय

एजेंसी

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव चंपत राय ने राम दरबार की स्थापना के बाद शुक्रवार को कारसेवकपुरम में प्रेसवार्ता कर कहा कि राम दरबार में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि यह 20 फीट ऊपर बनाया गया है, जिसमें 40 सीढ़ियां हैं। जिस पर चढ़ना होगा। ऐसे में बुजुर्ग श्रद्धालु सीढ़ी नहीं चढ़ सकते हैं। उन बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए लिफ्ट बनाई जा रही है, जिसका काम लार्सन टुब्रो कर रहा है। लिफ्ट बनने में लगेगा समय। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में 8 मंदिरों में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। 3 और 4 जून को 12-12 घंटे पूजन किया गया। राम मंदिर की यज्ञशाला में कुल 9 कुंड बनाए गए, जिसमें आहुतियां डाली गई। हर एक कुंड पर दो दो गृहस्थ कार्यकर्ताओं को यजमान बनाकर पूजन संपन्न कराया गया। सभी गृहस्थ यजमान अयोध्या नगर के थे। पूजन में दो-दो संत भी शामिल रहे।

टाटा लार्सन एंड टुब्रो, सोनपुरा और पत्थर की नक्काशी करने वाले कारीगर के साथ मूर्ति निर्माता को भी निमंत्रण दिया गया था। शिवलिंग समर्पित करने वाले और राम दरबार का निर्माण करने वाले कारीगर भी पूजन में शामिल हुए। राम दरबार का निर्माण सत्यनारायण पांडेय ने किया है। शेषावतार मंदिर का निर्माण जयपुर के कारीगर केशव द्वारा किया गया। उन्हें भी आमंत्रित किया गया था। मध्य प्रदेश के साधु नर्मदानंद महाराज पूजन में शामिल हुए। उनकी प्रेरणा से शिवलिंग आया था। राम मंदिर ट्रस्ट महासचिव चंपत राय ने कहा कि अभी राम भक्तों को परकोटा और राम दरबार में दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ेगा। परिस्थितियां अनुकूल नही हैं। बरसात बीतने के बाद जनता संभवतः दर्शन कर सकेगी। मंदिर परिसर में निर्माण कार्य, और मशीनों का मूवमेंट चल रहा है। प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम बाद यह कह सकते हैं कि निर्माण कार्य अब पूर्णता की तरफ है। मंदिर का आखिरी काम मंदिर के शिखर पर ध्वज का लगाया जाना है। मौसम अनुकूल होने पर मंदिर में ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया जायेगा। संभवतः अक्टूबर और नवंबर में मंदिर के शिखर पर ध्वज लगाया जा सकता है। तब तक मंदिर के छोटे-मोटे ● शेष पेज 11 पर

❒ मंदिर निर्माण कार्य में लगे लोगों को भी पूजन में शामिल किया गया।

मीठी नदी सफाई घोटाला मामले के एक्टर डिनो मोरिया सहित

कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी

मुंबई। मीठी नदी सफाई घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम शुक्रवार को सुबह से एक्टर डिनो मोरिया, मुख्य आरोपित केतन कदम और जयेश जोशी के आवास सहित कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी की टीम को इस छापेमारी के दौरान बहुत से महत्वपूर्ण सबूत मिलने के संकेत हैं, लेकिन ईडी ने इसकी अधिकृत जानकारी मीडिया को नहीं दी है।

सूत्रों के अनुसार आज सुबह करीब पांच बजे ईडी की टीम एक्टर डिनो मोरिया, उनके भाई और अन्य आरोपितों के आवास पर पहुंची और तब से लगातार छापेमारी कर रही थी। ईडी की टीम इस मामले में हुई वित्तीय अनियमितता के कागजात की भी छानबीन कर रही है। बताया जा रहा है कि तलाशी के दौरान महत्वपूर्ण सबूत ईडी के हाथ लगे हैं। पिछले महीने, मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने 65 करोड़ रुपये के घोटाले के सिलसिले में अभिनेता डिनो मोरिया और उनके भाई सैंटिनो से पूछताछ की थी। ईडी ने एक दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था और दो लोगों जयेश जोशी और केतन कदम को गिरफ्तार किया था। इस घोटाले के कारण 1200 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का आरोप लगाया गया है।

जांच से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि एसआईटी ने डिनो मोरिया, मुख्य आरोपित केतन कदम और जयेश जोशी के बीच वित्तीय लेनदेन सहित कई महत्वपूर्ण ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

आयुष विवि के 22 जून तक पूरा कर लें सभी कार्य : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के हाथों 30 जून को संभावित लोकार्पण को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार दोपहर बाद भटहट के पिपरी में बन रहे प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में हुई देरी को लेकर लोक निर्माण विभाग और कार्यदायी संस्था के प्रति गहरी नाराजगी जताई और कहा कि मैन पॉवर बढ़ाकर युद्ध स्तर पर काम कराया जाए। इसकी सतत मॉनिटरिंग एक टीम लगाकर की जाए। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने बचे हुए सभी काम हर हाल में 22 जून तक पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण की भौतिक प्रगति की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि करीब 96 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस संबंध में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से बातचीत करते हुए वह प्रशासनिक भवन पहुंचे। प्रशासनिक भवन में उन्होंने ओपीडी और औषधि भंडार के साथ पूरे भवन का सघन जायजा लिया। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग, लोक निर्माण विभाग, प्रशासन, ● शेष पेज 11 पर

❒ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से बातचीत करते हुए वह प्रशासनिक भवन पहुंचे।

❒ करीब 96 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है

जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं अधिकारी : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, घबराइए मत। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। गोरखनाथ मंदिर में शुक्रवार सुबह आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़ी समस्याओं के ● शेष पेज 11 पर

अरुणाचल में सेना ने दो संदिग्ध उग्रवादियों को किया ढेर

लोंगडिंग (अरुणाचल प्रदेश)। भारत-म्यांमार सीमा के पास हुए मुठभेड़ में भारतीय सेना को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन (के-वाईए) के दो संदिग्ध उग्रवादियों को मार गिराया है। शुक्रवार को सैन्य अधिकारियों ने बताया कि सेना की गश्ती टीम जब खुफिया सूचना के आधार पर लोंगडिंग जिले में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इसी दौरान घात लगाकर बैठे उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर हमला बोल दिया। जवाबी कार्रवाई में घंटों तक गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के दौरान दो उग्रवादी मारे गए, जबकि अन्य हमलावर घने जंगल का लाभ उठाकर पड़ोसी देश म्यांमार की ओर भाग गए। मारे गए उग्रवादियों की पहचान स्वयंभू सार्जेंट मेजर न्याकलुंग और लांस कॉर्पोरल न्योंग आओंग के रूप में हुई है। दोनों एनएससीएन (के-वाईए) गुट के सदस्य माने जा रहे हैं, जो भारत-म्यांमार सीमा पार गतिविधियों के लिए कुख्यात है। इलाके में सघन तलाशी अभियान जारी है और सेना अलर्ट पर है। ● शेष पेज 11 पर

तहसील कोरांव मे एक भी नोटरी आयुक्त नहीं

नोटरी कराने के लिए खर्च करना पड़ रहा सैकड़ों रूपये

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज । जनपद प्रयागराज के अंतिम छोर पर स्थित कोरांव तहसील क्षेत्र में नोटरी आयुक्त की नियुक्ति न होने से अधिवक्ताओं और वादकारियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। नोटरी जैसा छोटा काम कराने के लिए अन्य तहसीलों मे जैसे मेजा, करछना बारा या मिर्ज़ापुर जिले की लालगंज तहसील मे जाना पड़ता है। जबकि 278 राजश्व गांव है, 10 रूपये की नोटरी कराने के लिए कई सौ रूपये खर्च करना पड़ रहा इस मामले मे बार एसोसिएशन कोरांव के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने शपथ आयुक्त की नियुक्ति की मांग की है, जिससे इस समस्या का समाधान हो सकता है बार के पूर्व अध्यक्ष ने उच्चाधिकारियों का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए नोटरी आयुक्त नियुक्ति की माँग की है इस मामले मे जिलाधिकारी प्रयागराज के सियुजी नंबर पर फोन किया किसी अन्य कर्मचारी ने फोन रिसीव किया बताया की डीएम साहब मीटिंग मे है इसी प्रकार अपर आयुक्त बित्त एवं राजश्व के सियुजी नम्बर पर फोन किया गया अन्य कर्मचारी ने फोन रिसीव किया बताया की मीटिंग मे है वर्जन इस मामले मे संबधित अधिकारी से बात करुँगी यदि नोटरी आयुक्त नहीं है तो नियुक्ति होना चाहिए पूजा मिश्रा अपर आयुक्त प्रशासन प्रयागराज

पति पर मारपीट व चरित्र पर संदेह का आरोप, विवाहिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

नगराम, लखनऊ । पारिवारिक विवाद के चलते एक विवाहिता ने अपने पति पर गाली-गलौज, मारपीट व चरित्र पर संदेह करने का गंभीर आरोप लगाते हुए नगराम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगराम थाना क्षेत्र निवासी रजनी पत्नी सुजीत ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया बीते बुधवार की रात लगभग 8 बजे आपसी विवाद के चलते उसके पति सुजीत ने उसे भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए गंभीर रूप से मारपीट की। पीड़िता के अनुसार मारपीट के दौरान उसे शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आई हैं। विवाहिता का आरोप है कि उसका पति आए दिन उस पर शक करता है और दूसरे आदमी से अवैध संबंधों के निराधार आरोप लगाकर मानसिक प्रताड़ना देता है। उसने कहा कि वह अब उसके साथ नहीं रह सकती और अपनी व अपनी सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। वही पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले को गंभीरता से लेते हुए सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण के साथ मनाया गया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लखनऊ पश्चिम स्थित वार्ड संख्या 38, कन्हैया माधोपुर द्वितीय में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक पौधा रोपित कर उन्हें समर्पित किया गया साथ ही केक काट के जन्मदिन भी मनाया गया।कार्यक्रम में पश्चिम मंडल 2 के मंडल अध्यक्ष विमल कुमार चौधरी, जितेन सिंह जीतू मनोज चौरसिया डॉक्टर मनमोहन गौरव सिंह नेता मनोज रावत दुर्गा शंकर मिश्रा किशोरी लाल राजेश गुप्ता रामनरेश राठौर रवि रावत सनी रावत शीतल रावत आदर्श मिश्रा त्रिभुवन यादव दीपक मौर्य सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पौधे धरती की हरियाली के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की नींव हैं।इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनमानस में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित करना था।

उप प्रभागीय वनाधिकारी ने किया भिभिन्न वन ब्लाको का निरीक्षण

कोरांव, प्रयागराज। उप प्रभागीय वनाधिकारी संगीता यादव प्रयागराज ने वन क्षेत्राधिकारी रेंज कोरांव प्रमोद कुमार सिंह के साथ कोरांव रेंज के विभिन्न वन ब्लॉकों और पौधशालाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बसहरा वन ब्लॉक के विभिन्न भागों और पौधशालाओं का निरीक्षण किया और सब कुछ अच्छा पाया। यह निरीक्षण वन विभाग की कार्यप्रणाली और वन संरक्षण के प्रयासों को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

समाज सेविका भाग्यलक्ष्मी ने गरीब बच्चों में बांटी खाद्य सामग्री

लखनऊ। निर्जला एकादशी का त्यौहार शुक्रवार को जनपद में दान पुण्य भजन कीर्तन और विभिन्न आयोजनों के साथ मनाया गया , इस मौके पर भक्तों ने निर्जल निराहार रहकर व्रत किया और गरीबों में दान भी किया । समाजसेविका भाग्यलक्ष्मी ने लखनऊ के अमीनाबाद पहुंचकर गरीब सैकड़ों बच्चों से मिलकर उन्हें बिस्किट चॉकलेट और खाद्य पदार्थ की विभिन्न चीजें दान किया । और मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना कर फल आदि माता को अर्पित कर परिवार में सुख समृद्धि की कामना की , उन्होंने बताया कि निर्जला एकादशी व्रत बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि साल के 12 महीने की एकादशी का फल एक दिन की निर्जला एकादशी करने से मिल जाता है।

विकलांग गार्ड को आरटीओ अधिकारी ने बुरी तरह पीटा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के सरसवां अर्जुनगंज में स्थित शान्ति एनक्लेव कॉलोनी में गार्ड को नौकरी करने वाले विकलांग व्यक्ति को कॉलोनी के ही व्यक्ति ने लोहे के फंटे से मारकर घायल कर दिया।रामपुर गढ़ी जमुनी निगोहां लखनऊ के रहने वाले बागेश्वर गुप्ता के अनुसार वह विकलांग है और परिवार चलाने के लिए वह अर्जुनगंज के सरसवां में स्थित शान्ति एनक्लेव में गार्ड की नौकरी करता है।उसका आरोप है कि वहीं कॉलोनी के रहने वाले आरटीओ विनय कुमार अक्सर शराब पीकर आते हैं वह बुधवार/ गुरुवार की रात लगभग 2-3 बजे शराब पीकर आये तो गेट खोलने को लेकर उससे गली गलौज करने लगे पीड़ित ने इसका विरोध किया और इसी बीच उसने आरोपित से पैसे न देने की बात भी कह दी।इसपर आरोपित ने उसको वहीं पर पड़े लोहे के फंटे से मारना शुरू कर दिया जिससे विकलांग पीड़ित के जो एक हाथ है उसी हाथ से वह फंटे को रोकने लगा जिससे उसका वह हाथ भी फट गया जिसे कॉलोनी के लोगों ने अस्पताल भिजवाया।पीड़ित इसकी शिकायत करने सुशांत गोल्फ सिटी थाने पहुंचा तो वह घायल अवस्था मे ही घंटों थाने में बैठा रहा लेकिन इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेन्द्र सिंह ने न ही उसका मेडिकल करवाया और न ही मुकदमा लिखा।काफी देर बाद जब आरोपित थाने पहुंचा और इंस्पेक्टर से मुलाकात की उसके बाद इंस्पेक्टर ने पीड़ित से मुकदमे के चक्कर मे न पड़ने की बात कहते हुए समझौता करवा दिया।इस समझौते में विकलांग पीड़ित की चोट की कीमत मात्र 8 हजार रुपये लगाई गई।

मामूली विवाद को लेकर दंपति से मारपीट , महिला गंभीर रूप से घायल मुकदमा दर्ज

नगराम , लखनऊ । नगराम थाना क्षेत्र के बजिंगहा गांव की रहने वाली एक महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए अपने और पति पर जानलेवा हमले की तहरीर दी है। पीड़िता प्रीति पत्नी शिवकुमार ने एसीपी रजनीश वर्मा को तहरीर सौंपते हुए बताया कि बीते 30 मई की शाम करीब उनके घर पर कुछ हमलावरों ने ईंट-पत्थर और गाली-गलौज के साथ हमला किया, जिसमें उन्हें और उनके पति को गंभीर चोटें आई हैं।पीड़िता ने बताया कि हमला करने वाले लोग गांव के ही थे जिनमें प्रमुख रूप से पूनम, बबलू पुत्र अज्ञात, अनंत राम, शिवम पुत्र अज्ञात, अभय, और अन्य कई लोग शामिल थे। आरोप है कि ये सभी लोग पहले घर की छत से ईंटें और गंदे शब्दों का प्रयोग करते हुए हमला कर रहे थे और फिर लाठी-डंडों के साथ घर में घुसकर मारपीट करने लगे। तहरीर में यह भी उल्लेख किया गया है कि पीड़िता के पति शिवकुमार ने कई बार इस मामले की शिकायत की थी लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिसके कारण यह हमला हुआ। घटना के बाद पीड़िता को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसे गंभीर हालत में भर्ती किया गया है। पुलिस द्वारा सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़िता ने अपने परिवार की सुरक्षा की मांग करते हुए पुलिस के उच्चाधिकारियों से सुरक्षा प्रदान करने की अपील की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह विवाद पहले से चला आ रहा था जो अचानक हिंसक रूप ले बैठा। पीड़िता की ओर से दर्ज कराए गए मोबाइल नंबर के अनुसार, वह घटना के बाद से डरी और सहमी हुई है। प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए मामले की जांच तेज कर दी गई है।

इटौंजा में सवारी को लेकर हुआ विवाद बनी मौत की वजह टैक्सी ड्राइवर को बस ने रौंदा

बीकेटी,लखनऊ । इटौंजा थाना क्षेत्र में सवारी बैठाने को लेकर ई-रिक्शा व टैक्सी ड्राइवर में विवाद हो गया,जिसके बाद ई-रिक्शा ड्राइवर ने टैक्सी ड्राइवर को सड़क पर ही धक्का दे दिया और पीछे से आ रही निजी बस उसे रौंदते हुए चली गई वही इस दौरान टैक्सी ड्राइवर की मौक़े पर हो दर्दनाक मौत हो गई तथा मौक़े से ई-रिक्शा ड्राइवर व बस ड्राईवर वाहन लेकर भाग निकले हालांकि राहगीरों ने गाड़ियों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन सफ़लता नही मिली,घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की शिनाख्त करवाकर पंचायतनामा की कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की जांच में जुट गई थी।प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर लगभग साढ़े ग्यारह बजे इटौंजा थाना अंतर्गत नगर पंचायत महोंना वार्ड नंबर 8 शेख़ टोला निवासी मोहम्मद तौसीफ़(26)पुत्र मो0सफीक इटौंजा से टैक्सी में सवारियां लेकर लखनऊ की तरफ़ जा रहा था तभी कल्याणपुर क्रासिंग के पास एक अज्ञात ई-रिक्शा ड्राइवर से सवारियों को बैठाने को लेकर बहस होने लगी इसी दौरान ई-रिक्शा ड्राइवर ने तौसीफ़ को सड़क की तरफ़ जोर से धक्का दे दिया जिससे तौसीफ़ सड़क पर गिर गया और पीछे से आ रही तेज़ रफ़्तार अज्ञात बस ने रौंद दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई तथा बस ड्राइवर तथा ई-रिक्शा ड्राइवर मौक़े से अपने अपने वाहन लेकर भाग निकले हालांकि राहगीरों ने दोनों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन सफ़ल नही हुए।वही मौक़े पर पहुंची इटौंजा पुलिस ने मृतक के परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना कारित करने वाली बस तथा ई-रिक्शा की तलाश में जुट गई थी।वही घटना की जानकारी मिलते ही मृतक तौसीफ़ की पत्नी सीबा पिता सफीक,छोटे भाई जैद का रो-रोकर बुरा हाल था,वही मृतक की पत्नी ने अभी लगभग चार दिन पूर्व पुत्र को जन्मदिन दिया था और उसके पहले एक (4)वर्ष की बेटी हाजरा और एक तीन वर्ष का बेटा मुन्ना है।वही थाना प्रभारी इटौंजा मार्कण्डेय यादव से घटना के संबंध में जानकारी के लिए सीयूजी नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन किन्हीं कारणवस संपर्क नही हो सका।

बैंक ऑफ बड़ौदा बैंक मित्र बैंक सखी सम्मान समारोह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। शुक्रवार को बैंक ऑफ बड़ौदा प्रयागराज द्वितीय क्षेत्रीय कार्यालय के द्वारा ब्ल्यू डायमंड होटल में बैंक मित्र,बैंक सखी सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ प्रबंधक वित्तीय समावेशन विभाग आदर्श कुमार के संचालन में क्षेत्र के *क्षेत्रीय प्रबंधक चंद्रकांत चक्रवर्ती,डीआरएम अनूप कुमार, आरबीडीएम अरविंद श्रीवास्तव* की उपस्थिति में हुआ ।उक्त कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक चंद्रकांत चक्रवर्ती जी के द्वारा भारत सरकार की *सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं की जानकारी एवं बैंक से जुड़ी सुविधाओं* से अवगत कराया गया.इसके बाद कार्यक्रम में आए हुए *रायनेट के बैंक मित्र बैंक सखी असद अहमद,सचिन,रवि सिंह ,महेश,योगेंद्र, कमलाकर,रविन्द्र,कुलदीप,दिव्यांशु,तुषार, सत्येंद्र,अजय कुमार,मंगलेश, विद्या सागर राय,सुधा देवी,अंजली,नीतू,विजय मौर्य,राजन कुमार एवं कॉरपोरेट बीसी रायनेट प्रतिनिधि रजनीश कुमार,सुमित कुमार को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी* देकर सम्मानित किया गया।

चार जोनों में चला नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम ने शुक्रवार को चार जोनों में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। जोन-1 में जोनल अधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में नॉवेल्टी चौराहा से लोक भवन तक अभियान चला। यहाँ एक लोहे और एक स्टील का काउंटर जब्त किया गया, साथ ही कालीदास 5 से 1090 चौराहा तक अस्थाई अतिक्रमण हटाया गया।जोन-4 में जोनल अधिकारी संजय यादव ने विभूति खंड थाना, गोमती नगर पुलिस और पीएसी के सहयोग से शहीद पथ ओवरफ्लाई ब्रिज के नीचे से रेलवे क्रॉसिंग तक अतिक्रमण हटाया। झुग्गी-झोपड़ियां और दुकानें हटाकर सामान जब्त किया गया और पुनः अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई। इसके अलावा जोन-5 में जोनल अधिकारी नन्दकिशोर के नेतृत्व में मवैया रेलवे छत्ता पुल से चारबाग मेट्रो स्टेशन तक अभियान चला कर अवैध रूप से लगे ठेले, गुमटी, काउंटर आदि हटाए गए। वहीं जोन-6 में हैदरगंज सेकंड वार्ड में चोरघाटी से पाल तिराहा तक अभियान चलाते हुए ठेले, गुमटियां, अस्थाई दुकानें हटाई गईं। इस अभियान में जोनल अधिकारी मनोज यादव और उनकी टीम मौजूद रही।

संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंची 129 शिकायतें, अधिकांश निस्तारित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम का मासिक संपूर्ण समाधान दिवस शुक्रवार को लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय के त्रिलोकनाथ सभागार में आयोजित किया गया। यहाँ पहुंची 129 शिकायतों में से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में नगर आयुक्त गौरव कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने शिकायतों का त्वरित समाधान किया। यहाँ कुल 129 शिकायतें आयी थीं जिनमे से 107 टैक्स विभाग से संबंधित थीं जिनका मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जीआईएस आपत्तियों में संपत्ति मूल्य संशोधन, जैसे पुष्पा टण्डन का 32,400 से 6,314.40 किया गया। जलकल की 18 में 6, अतिक्रमण की 3 और सफाई की 1 शिकायत निस्तारित हुई। शेष के लिए कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। महापौर ने इसे नागरिक विश्वास का मंच बताया। नगर आयुक्त ने इसे प्रशासन-जनता संवाद का प्रतीक कहा।

ईद उल अज़हा की नमाज़ की समय सारणी जारी शहर की मस्जिदों और ईदगाहों में तैयारियां पूरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । ईद उल अज़हा (बकरीद) के मौके पर शहर की प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज़ का समय निर्धारित कर दिया गया है। प्रशासन और मस्जिद इंतज़ामिया की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे नमाज़ के लिए निर्धारित समय से पहले ईदगाह और मस्जिदों में पहुंचें ताकि व्यवस्था में किसी प्रकार की दिक्कत न हो।शहर में ईद उल अज़हा की नमाज़ की प्रमुख समय सारणी इस प्रकार है:ऐशबाग ईदगाह ऽ सुबह 10 बजेटीले वाली मस्जिद ऽ 9 बजेआसिफी मस्जिद ऽ 11 बजेईदगाह उजरियांव गोमतीनगर ऽ 8 बजेखदरा ईदगाह ऽ 9 बजेईदगाह मलेसेमऊ गोमतीनगर ऽ 8 बजेमस्जिद नदवतुल उलमा ऽ 7.30 बजेमस्जिद चमन वाली, इरादतनगर डालीगंज ऽ 6 बजेमस्जिद मदार बख्श, इरादतनगर ऽ 6.15 बजेमस्जिद सुभानअल्लाह, डालीबाग ऽ 6 बजेमस्जिद अमीर खां, हसनगंज ऽ 7 बजेमस्जिद उस्मानिया, इक्का स्टैंड डालीगंज ऽ 6.30 बजेमस्जिद तक्वियतुल ईमान, नादान महल रोड ऽ 6 बजे और 8 बजेहरी मस्जिद डोर वाली, हसनगंज डालीगंज ऽ 6.30 बजेमस्जिद बिलालिया, मीठी खिचड़ी ऽ 6.15 बजेमस्जिद हमीर हमजा, तकिया मुंशीगंज ऽ 7 बजेमस्जिद चांद वाली, तालकटोरा ऽ 8.30 बजेमस्जिद एक मीनारा, अकबरीगेट ऽ 7 बजेमस्जिद कादिर खां, तालकटोरा ऽ 8 बजेमस्जिद उमर, बिल्लौचपुरा ऽ 6.30 बजेमस्जिद दरगाह शाहमीना शाह ऽ 8.30 बजेमस्जिद शाही, लाहौरगंज डालीगंज ऽ 7 बजेमस्जिद हमजा तकिया, मुंशीगंज डालीगंज ऽ 7 बजेमस्जिद धन्नेखां, डालीगंज स्टेशन ऽ 10 बजेहैदरी मस्जिद, बीरबल साहनी मार्ग ऽ 10 बजेमस्जिद हमजा, जलालपुर राजाजीपुरम ऽ 7 बजेमस्जिद इब्राहिमी, गली मीरमाता ऽ 5.45 बजेमस्जिद सिद्दीक़िया, अखाड़ेवाली बिल्लौचपुरा ऽ 5.40 बजेमस्जिद फारूकिया, हुसैनाबाद ऽ 7 बजेइंदारे वाली मस्जिद, मेंहदीगंज ऽ 8 बजेमस्जिद नूरबाग, काजी यहियागंज ऽ 7 बजेमस्जिद सुनहरी, नादान महल रोड ऽ 11.15 बजेमस्जिद भईया साहब, यहियागंज ऽ 5.45 बजेनादान महल जामा मस्जिद ऽ 11 बजेछंदुइया ईदगाह ऽ 9 बजेनूरानी मस्जिद अम्बरगंज -- 7:30 बजे। इसके अलावा तमाम मुस्लिम भाइयों से अपील है कि ईद उल अज़हा की नमाज़ के लिए समय से पहले मस्जिदों और ईदगाहों में पहुंचें ताकि व्यवस्था शांतिपूर्ण और सुचारु बनी रहे।

बाबू सुन्दर सिंह ग्रुप आफ इंस्टिट्यूशंस में विद्यार्थियों को बांटे टैबलेट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निगोहां , लखनऊ । शुक्रवार को निगोहां स्थित बाबू सुन्दर सिंह ग्रुप आफ इंस्टिट्यूशंस में विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल दूबे, राष्ट्रीय महासचिव (राष्ट्रीय लोक दल) की गरिमामई उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना और उन्हें आधुनिक तकनीकी संसाधनों से लैस करना है। इस कार्यक्रम के दौरान बाबू सुन्दर सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी, लखनऊ तथा बाबू सुन्दर सिंह इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, लखनऊ के 137 के छात्रों को टैबलेट प्रदान किए गए।इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनिल दूबे ने कहा की छात्रों को डिजिटल उपकरणों से सशक्त बनाना समय की माँग है। उत्तर प्रदेश सरकार का सदैव प्रयास रहा है कि तकनीकी शिक्षा को अधिक प्रभावशाली और सुलभ बनाया जाए।बाबू सुन्दर सिंह ग्रुप आफ इंस्टिट्यूशंस लखनऊ के अध्यक्ष आनंद शेखर सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि हर छात्र को शिक्षा के आधुनिक साधनों से जोड़ा जाए ताकि वह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सके। वे संस्थान के विकास, नवाचार और गुणवत्ता-युक्त शिक्षा को लेकर सदैव प्रतिबद्ध रहे हैं। उनकी सोच में तकनीकी समावेशन को प्राथमिकता दी जाती है।इस अवसर पर संस्थान के उपाध्यक्ष रीना सिंह और संस्थान के निदेशक डा0 आलोक शुक्ला की देख-रेख में विद्यार्थियों को वितरित किये गये टैबलेट। संस्थान के सभी शिक्षकगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक डा0 आलोक शुक्ला ने छात्रों को टैबलेट के सदुपयोग हेतु प्रेरित किया और भविष्य की डिजिटल पहलों की भी जानकारी दी।

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा प्रणाली** द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **24.06.2025** को **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा सूचना संख्या	06102025 dated 30.05.2025		
निविदा संख्या	13- DEN-V-LKO/2025-26		
कार्य का नाम	वरि0 मण्डल इन्जीनियर (पंचम), लखनऊ के अधिकार क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या कैंट सेक्शन पर सफेदबाग-मल्हौर स्टेशनों के बीच किमी 1075.391 (बंद एल.सी. संख्या 182/सी) पर अतिक्रमित स्थान के बदले आरयूबी का प्रावधान।		
अनुमानित लागत	₹ 13,27,51,532.38	धरोहर राशि	₹ 8,13,800.00
कार्य की समापन अविध	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह	निविदा डालने का प्रारम्भ	10.06.2025
निविदा बन्द होने की तिथि	24.06.2025 at 15:00 hrs.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोटः निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।

1673/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना प्रबंधक, गतिशक्ति, उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा (दोहरी पैकेट प्रणाली), जिसकी बंद होने की तिथि दिनांक **27.06.2025** को 11:30 बजे तक है, आमंत्रित की जाती है।

1.	निविदा सूचना संख्या	03-DyCE-GSU-LKO-2025-26 दिनांक 05.06.2025
2.	निविदा संख्या	03-DyCE-GSU-LKO-2025-26
3.	कार्य का नाम	गति शक्ति इकाई, उत्तर रेलवे, लखनऊ की परियोजनाओं के लिये सामान्य परामर्शदाता (GC) की नियुक्ति।
4.	अनुमानित लागत	रू0 3,75,16,227.66
5.	धरोहर राशि	रू0 3,37,600.00
6.	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से चौबीस माह।
7.	निविदा डालने का प्रारंभ	13.06.2025
8.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	27.06.2025 11:30 बजे
9.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोट :- 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 1674/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विकसित कृषि संकल्प अभियान में आठ लाख से अधिक किसान शामिल हुए : कृषि मंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान यूपी में 4959 स्थानों पर कुशलता पूर्वक किया गया है। इसमें आठ लाख से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया। कृषि, उद्यान समेत अन्य विभागों के विशेषज्ञ ने किसानों को खेती किसानी के लिए जागरूक किया। खाद, गोबर की खाद डालने, बीज डालने, समय के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

शाही ने लोकभवन में पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार किसानों के साथ खड़ी है। इस अभियान में 8 लाख 39 हजार 617 किसान शामिल हुए। इसमें 648449 पुरुष और 191168 महिला किसान रहीं। 550 वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा किसानों को जागरूक किया गया। कृषि मंत्री ने बताया कि खरीफ 2025 के लिए 458000 निशुल्क मिनीकिट वितरण की तैयारी है। मूंग, उर्द और अरहर जैसे दलहन की 105000 किट, तिल का एक लाख किट, मूंगफली का 6000 और मिलेट्स (सांवा, कोदो, ज्वार, बाजरा एवं रागी) का 247000 किट वितरित किया जाएगा। शाही ने कहा कि हमारी सरकार मक्के की खेती को प्रोत्साहित कर रही है। हमारे मुख्यमंत्री योगी खुद मक्का की खेती वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर रहे हैं। आठ जून को मक्का की खेती करने वाले किसानों के बीच मुख्यमंत्री जाएंगे। शाही ने पश्चिम से पूर्व तक मक्का की खेती करने वाले जिलों का भी उल्लेख किया। दो लाख 37 हजार मीट्रिक टन से अधिक मक्का मंडी तक पहुंच गया है।मक्का और मूंगफली जैसी फसलों की खेती बढ़ रही है।

उन्होंने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश में खरीफ फसलों की समय से बुवाई हो एवं किसान अच्छा उत्पादन प्राप्त कर अपनी आमदनी बढ़ाएं, इसके लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। इसी क्रम में 41067.12 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना हेतु 16290 लाख, फूड एवं न्यूट्रिशन सिक्योरिटी के लिए 10276.92 लाख और कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत 14500.20 लाख किया गया है। इस मौके पर कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख समेत कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी ने 29 मई को शुरू किया था। इस

हिन्दवी स्वराज्य दिवस समारोह 09 जून को छत्रपति शिवाजी भवन का होगा लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। हिन्दीवी स्वराज्य दिवस समारोह के संयोजक संजय शुक्ला ने बताया कि आगामी नौ जून को अपराह्न तीन बजे से लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में हिन्दवी स्वराज्य दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह होगें। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कुटुम्ब प्रबोधन संयोजक रवीन्द्र जोशी उपस्थित रहेगें। वहीं समारोह की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो़फेसर आलोक कुमार राय करेगें।

समारोह संयोजक संजय शुक्ला ने शुक्रवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज की स्थापना की थी। इसी दिवस पर हम प्रति वर्ष हिन्दवी स्वराज्य दिवस मनाते हैं। इस वर्ष भी लखनऊ विश्वविद्याालय में कर्मचारी सांस्कृतिक व क्रीड़ा परिषद ने छत्रपति शिवाजी महाराज के साम्राज्योत्सव ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी के अवसर पर हिन्दवी स्वराज्य दिवस समारोह का आयोजन किया है।

समारोह के दौरान भाजपा के महामंत्री संगठन धर्मपाल के कर कमलों से मालवीय सभागार में छत्रपति शिवाजी भवन का लोकार्पण किया जाएगा। इसी भवन में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ का मुख्यालय है। इस भवन से ही महासंघ की गतिविधियां चलती हैं।

नेहरू के कारण जम्मू कश्मीर का एक हिस्सा पीओके हो गया : केशव प्रसाद मौर्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जम्मू कश्मीर समस्या के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेदार ठहराया है।

उप मुख्यमंत्री शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि कांग्रेस का दूसरा देशद्रोह! पाकिस्तान ने अपनी स्थापना के तुरंत बाद कश्मीर के एक हिस्से पर भी कब्जा कर लिया। अपनी जाबांज सेना ने पाक को काफ़ी पीछे तक खदेड़ दिया था और बाकी हिस्से को छुड़ाने के लिए बेताब थी, लेकिन तबके कथित 'शांतिदूत' प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पाक के सामने सरेंडर कर दिया। उनके कारण भारत के जम्मू-कश्मीर का एक हिस्सा पाक-अधिकृत कश्मीर हो गया।

एक अन्य पोस्ट में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी खुद को देश, संविधान, सेना, सरकार और अब तो न्यायालय से भी ऊपर समझने लगे हैं। कांग्रेस के बड़े नेता भी पदों पर बने रहने के लिए उनकी परिक्रमा और चमचागीरी में ही व्यस्त हैं।

लाल मिर्च में मिलाये जाने वाला सूडान फर्स्ट व सेकेंड बेहद हानिकारक : खाद्य सुरक्षा आयुक्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त राजेश कुमार ने बताया कि भारतीय मसालों के भीतर लाल मिर्च पाउडर का उपयोग बहुत होता है। लाल मिर्च पाउडर को टेस्ट के लिए आलू टिक्की, दही बड़े, आलू पापड़ के ऊपर से भी डाला जाता है। इस लाल मिर्च में मिलावट के लिए सूडान का इस्तेमाल किया जाता है। सूडान कई प्रकार के होते है, इसमें लाल मिर्च में मिलाये जाने वाला सूडान फर्स्ट(प्रथम) एवं सेकेंड (द्वितीय) बेहद हानिकारक है।

आयुक्त राजेश कुमार ने बताया कि सूडान के बारे में बताये तो यह एक सिंथेटिक रसायन है। इसे खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिए उपयोग किया जाता है। सूडान को रंगने के लिए ज्यादातर बड़े दुकानदार इसे उपयोग में लाते हैं। लाल मिर्च में इसका उपयोग उसे और अधिक लाल करने के लिए किया जाता है। ऐसे में दुकानदार पुरानी या खराब हो चुकी लाल मिर्च में सूडान का उपयोग कर उसे फिर से बेहतर कर बेच देते हैं। उन्होंने विभागीय कार्यवाही के बारे में ?हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि खाद्य सुरक्षा के अधिकारियों की टीम लगातार सूडान मिलावटी लाल मिर्च व पाउडर पर नजर रख रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप बड़ी मात्रा में मसाला मंडियों तक मिलावटी लाल मिर्च पहुंचने से पहले ही विभागीय टीम ने उसे पकड़ा है। कई बार दूसरे राज्य से आने वाली मिलावटी मिर्च भी पकड़ी गयी है। मिलावटी सामग्रियों की बिक्री पर रोकथाम एवं बरामदगी के लिए टीमें दिन रात लगी हैं।

गोसाईंगंज व बीकेटी में 5 कॉलोनियों पर चला बुलडोज़र

पकैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। एलडीए ने अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज करते हुए शुक्रवार को गोसाईंगंज और बीकेटी क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2 और जोन-4 की टीमों ने पांच अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान अवैध रूप से विकसित सड़कों, नालियों, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया गया। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के हसनपुर खेवली में गया प्रसाद, महावीर, शिव विशाल, भोला और अन्य द्वारा माइनर के किनारे लगभग 4 बीघा ज़मीन पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इसके अलावा, मोहारी खुर्द में संतोष अवस्थी और अन्य द्वारा 3 बीघा ज़मीन पर अनधिकृत कॉलोनी विकसित की जा रही थी। दोनों ही मामलों में प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृति नहीं ली गई थी। प्रवर्तन टीम ने इन अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर कार्रवाई को अंजाम दिया। वहीं प्रवर्तन जोन-4 की जोनल अधिकारी वंदना पांडेय ने बताया कि बीकेटी क्षेत्र में तीन स्थानों पर अवैध प्लाटिंग का कार्य चल रहा था। भवानीपुर चौराहे के पास गौरव सिंह और अन्य द्वारा 2 बीघा, बनौर गांव में राम सिंह और अन्य द्वारा 4 बीघा, तथा रैथा रोड पर विश्रामपुर, जीआईडी कॉलोनी के पास रूपेंद्र सिंह और अन्य द्वारा 1 बीघा ज़मीन पर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इन सभी मामलों में बिना स्वीकृति के निर्माण कार्य चल रहे थे, जिन्हें पुलिस बल के सहयोग से ध्वस्त कर दिया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण और प्लाटिंग करने वालों को सख्त संदेश दिया गया है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृत ले-आउट के किसी भी तरह का निर्माण कार्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कहा कि शहर के नियोजित विकास के लिए ऐसी कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी। यह कार्रवाई न केवल अवैध निर्माण पर नकेल कसने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि आम जनता को भी यह चेतावनी देती है कि वे अनधिकृत कॉलोनियों में निवेश करने से बचें।

बिजली वितरण प्रणाली को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से चला कांबिंग अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। तालकटोरा मंडल के नूरबाड़ी उपकेंद्र के 11 केवी नजफ़ हाइ लॉस फीडर पर गुरुवार को अधिशाषी अभियंता विद्युत परीक्षण खंड तालकटोरा के निर्देशन में एक वृहद कांबिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य बिजली वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और आधुनिक बनाना था। इस विशेष अभियान में सहायक अभियंता (मीटर), उप खंड अधिकारी नूरबाड़ी, अवर अभियंता (मीटर), टीजी-2, जेएमटी और अन्य कर्मचारियों की एक टीम ने हिस्सा लिया था। इस अभियान के तहत कुल 624 बिजली कनेक्शनों के परिसरों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान स्मार्ट और नॉन-स्मार्ट मीटरों की स्थिति, आर्मर्ड और सामान्य केबलों की गुणवत्ता, और कनेक्शनों की तकनीकी व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया गया। जिन उपभोक्ताओं के पास पुराने नॉन-स्मार्ट मीटर लगे थे, उन्हें एडवांस्ड मीटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर और विभागीय टीमों के सहयोग से स्मार्ट मीटर में अपग्रेड किया जा रहा है। इसके अलावा जिन घरों में मीटर घर के अंदर लगे थे उन्हें बिजली चोरी और अन्य अनियमितताओं को रोकने के लिए बाहर स्थापित करने का कार्य शुरू किया गया है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए निःशुल्क आर्मर्ड केबल भी प्रदान की जा रही है ताकि बिजली कनेक्शन और अधिक सुरक्षित और टिकाऊ हो सके। यह पहल न केवल बिजली वितरण प्रणाली को मजबूत करेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी।अधिशाषी अभियंता कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि यह अभियान तब तक निरंतर जारी रहेगा जब तक नजफ़ हाइ लॉस फीडर का कार्य पूरी तरह से संतृप्त नहीं हो जाता। इस अभियान के माध्यम से बिजली हानि को कम करने, तकनीकी खामियों को दूर करने और उपभोक्ताओं को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

स्थानीय उपभोक्ताओं ने इस पहल की सराहना की है और इसे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

शौर्य की प्रतीक भूमि झांसी की खेल–संस्कृति भी बनेगी उत्कृष्टता का गौरव : जयवीर सिंह

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की कर्मभूमि में हो रहा पर्यटन विकास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा झांसी जनपद स्थित मेजर ध्यानचंद हिल पर पर्यटन सुविधाओं के विकास हेतु 02.16 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य प्रारंभ किए गए हैं। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल मेजर ध्यानचंद की विरासत को सम्मान देना है, बल्कि ऐतिहासिक धरती झांसी को प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना भी है। यह जानकारी उप्र. के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की ऐतिहासिक धरती झांसी में महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि स्वरूप पर्यटन विकास कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत पर्यटन स्थल पर बैठने की सुविधा, पेयजल की व्यवस्था, छायादार स्थान सहित अन्य पर्यटन अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि मेजर ध्यानचंद का जन्म इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। उनका बाल्यकाल और शेष जीवन झांसी में ही बीता, जिससे यह शहर उनके जीवन के महत्वपूर्ण पलों से जुड़ा रहा है। 'हॉकी के जादूगर' के रूप में प्रसिद्ध ध्यानचंद ने भारत को वर्ष 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक दिलाया, जिससे भारतीय हॉकी वैश्विक शिखर तक पहुंची। बेहतरीन गेंद नियंत्रण और गोल करने की कला के कारण उन्हें 'मैजिशियन ऑफ हॉकी' जैसी उपाधियां मिलीं। देश में उनके जन्मदिन यानी 29 अगस्त को भारत में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

जयवीर सिंह ने बताया कि झांसी वीरों की भूमि है। जहां एक ओर रानी लक्ष्मीबाई की शौर्य गाथा है, तो दूसरी ओर मेजर ध्यानचंद जैसी महान विभूति की उपलब्धियां भी इसे गौरवान्वित करती हैं। यह विकास कार्य केवल अवसंरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और नई पीढ़ियों को प्रेरणा देने का माध्यम भी है। विभाग का यह प्रयास झांसी को न केवल शौर्य की प्रतीक भूमि, बल्कि खेल और संस्कृति में भारतीय उत्कृष्टता के प्रतीक स्थल के रूप में भी स्थापित करती है।

यूपी के कलाकार भोपाल में 06 से 10 जून तक प्रस्तुत करेंगे रंगारंग कार्यक्रम

लखनऊ। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत 06 से 10 जून 2025 तक उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के बीच किये गये समझौता ज्ञापन के तहत उत्तर प्रदेश के लोक कलाकार मध्य प्रदेश भोपाल के जनजातीय संग्रालय की 12वीं वर्षगाँठ समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसी प्रकार मध्य प्रदेश के लोक कलाकार उत्तर प्रदेश में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर प्रयागराज की सुप्रिया सिंह रावत के नेतृत्व में कलाकारों का एक दल देढ़िया नृत्य 09 व 10 जून को करेंगा। इसी प्रकार मथुरा के मुराली लाल तिवारी के नेतृत्व में कलाकारों का दल 07 व 08 जून को चररकूला, मयूर नृत्य और होली रसिया जैसी प्रस्तुतियाँ देगा। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस संस्कृतिक आदान–प्रदान से भाषाई, एतिहासिक और समाजिक संबंधो को मजबूत बनाने के साथ–साथ सामाजिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बहुभाषिक, बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश में एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी पहल अत्यन्त जरूरी है, क्योंकि यह राष्ट्र की विविधिता के बीच सेतु का कार्य करती है। यह आयोजन इसी दिशा में एक प्रभावी कदम है, जिसके माध्यम से कला, संस्कृति लोक जीवन और सामाजिक संवाद को बढ़ाने में सफलता मिलेगी। जयवीर सिंह ने बताया कि ''हमारा उद्देश्य उत्तर प्रदेश की विविधतापूर्ण और समृद्ध लोक परंपराओं को देश के अन्य हिस्सों का प्रतीक माना जाता है। वहीं मयूर नृत्य राधा–कृष्ण की प्रेमगाथा को दर्शाते हुए मौर की नकल में प्रस्तुत किया जाता है। होली रसिया, होली के अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीत हैं, जिनमें ब्रज भाषा की में पहुंचाना है। इस प्रकार के आयोजन कलाकारों को न केवल नई पहचान देते हैं, बल्कि राज्यों के बीच सौहार्द और परस्पर सम्मान की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। भोपाल का यह आयोजन एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि कैसे लोक कला और संस्कृति के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को बल दिया जा सकता है।

बच्ची से दुष्कर्म में एक लाख का इनामी मुठभेड़ मारा गया

लखनऊ। आलमबाग थाना क्षेत्र में ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे एक लाख का इनामी बदमाश की गुरुवार देर रात को पुलिस से मुठभेड़ हो गई। गंभीर रूप से घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई हैं।

डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने पत्रकारों को बताया कि आलमबाग थाना में पांच जून को दम्पति ने मुकदमा दर्ज कराया कि उनकी ढाई साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। मामला दर्ज कर पांच टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्कूटी के जरिए आरोपित की पहचान ऐशबाग में रहने वाला दीपक वर्मा के रूप में हुई। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गुरुवार की रात को सूचना मिली कि आरोपी कही भागने की फिराक में है। आलमबाग पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए केजीएमयू में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। डीसीपी ने बताया कि आरोपित रेलवे वेंडर हैं, जो पानी बेचता और पार्ट टाईम जागरण में झांकी का काम करता था। उस पर एक पुराने मामले में मुकदमा भी दर्ज था।

रोस्टिंग, रोस्टिंग, रोस्टिंग, बिजली विभाग की मनमानी ने उड़ाई जनता की नींद

कभी ब्रेकडाउन, कभी शटडाउन और अब नामधारी 'रोस्टिंग जनता रो रही है, विभाग को नहीं कोई होस्टिंग!'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। सांडा पावर हाउस से जुड़ी बिजली आपूर्ति ने अब क्षेत्रीय जनता को खुलकर रुलाना शुरू कर दिया है।रोस्टिंग नाम की इस अदृश्य महामारी ने ग्रामीण उपभोक्ताओं की दिनचर्या ही नहीं, नींद और शांति भी छीन ली है।जहां कभी रोस्टिंग का कोई तय समय और अवधि हुआ करती थी, आज वह पूरी तरह से मनमर्जी और अनिश्चितता का प्रतीक बन चुकी है। बिजली कब जाएगी, कब आएगी – न विभाग जानता है न उपभोक्ता। सुबह हो या रात, गर्मी हो या आंधी, एक ही चीज़ स्थायी है रोस्टिंग।

गर्मी पर बिजली विभाग की दोहरी मार

इन दिनों तापमान 44 डिग्री के पार है। गर्मी के थपेड़े और बिजली की आंख-मिचौली ने जनता को त्राहिमाम कर रखा है। पहले जहां दिन में दो बार तीन-तीन घंटे की कटौती से काम चल जाता था, अब बिजली मिल जाना खुद किसी चमत्कार से कम नहीं।

शुक्रवार को 9:15 बजे गई बिजली खबर लिखे जाने तक नहीं लौटी

शुक्रवार की सुबह 9:15 बजे बिजली कट गई थी और दोपहर 2:15 बजे तक भी आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी थी। मोबाइल ग्रुपों में बस मैसेज आते रहे – ''लाइन में फॉल्ट'', ''मरम्मत जारी'', और अंत में वही पुराना बहाना – ''रोस्टिंग हो गई है।''

फोन मत करो, क्योंकि या तो बंद मिलेगा या रिसीव नहीं होगा।

विभागीय अधिकारियों से संपर्क करना जनता के लिए अब सुपरहिट 'मिशन इम्पॉसिबल' बन चुका है। फोन या तो बंद रहते हैं या उठ भी जाएं तो रटा-रटाया जवाब मिलता है ऽ ''फॉल्ट है, काम हो रहा है।

तीस हज़ार से ज्यादा आबादी बेहाल

इस लाइन पर जुड़े लगभग दो दर्जन गांवों की तीस हज़ार से अधिक की आबादी बिजली की इस दुर्व्यवस्था से रोज़ दो-चार हो रही है। यह समस्या एक दिन की नहीं, लगातार चल रही क्रॉनिक बीमारी बन चुकी है।

खड़े हो रहे यह सवाल

क्या बिजली विभाग कभी एक स्थिर रोस्टिंग शेड्यूल देगा? ,क्या जनता को गर्मी में राहत मिलेगी? या फिर यूं ही रहेगी अव्यवस्था ।

ब्रेकडाउन-शटडाउन-रोस्टिंग की तिकड़ी में उलझी रहेगी जनता

बिजली विभाग को यह नहीं भूलना चाहिए कि अंधेरे में जनता एक दिन रोशनी की तलाश में आवाज जरूर उठाएगी – और शायद तब रोस्टिंग नहीं, आक्रोशिंग शुरू होगी।*क्षेत्रवासियों ने विभाग की मनमानी पर आरोप लगाते हुए निकाले गए लाइनमैनों को बहाल करने की अपील की*जनता से संवाद पर अघोषित बिजली कटौती के पीछे मुख्य कारणों में से विभाग द्वारा विद्युत्कर्मी छंटनी को क्षेत्रीय जनता ने खुलकर बताया जबतक पूर्ण नियुक्ति नहीं होगी तब तक क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति ऐसे हि मिलेगी दूसरी तार बिजली चोरी में नंबर वन जँहागीराबाद से अवैध धन उगाही पर नहीं लगेगा विराम तब तक यही रहेगा हाल।खैर विद्युत कटौती के कारण कोई भी रहे हों पर चिलचिलाती धूप व उमस के बीच गर्मी से बिलबिलाए उपभोक्ता कभी भी विभाग व सरकार के खिलाफ हो सकते आंदोलित।

बिना सत्यापन के ही कर रहे एमबी कही मनरेगा भ्रष्टाचार में टीए की संलिप्तता तो नहीं, जॉच का विषय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बेहटा, सीतापुर। 4 जून 2025 को कैनविज टाइम्स दैनिक पेपर से प्रकाशित खबर मनरेगा जादुई खेल में नजरबंद हुई जिम्मेदारों की नज़रे शीर्षिक से प्रकाशित खबर पर संज्ञान लेते हुए लेटर जारी करने का दिया आदेशआए दिन ब्लॉक बेहटा में मनरेग भ्रष्टाचार की मधुर गूंज किसी न किसी पेपर के माध्यम से गूंजती ही रहती है जैसे 5 बजने के बाद अटेंडेंस अपलोड करना 4 बजे तक 50, वही 6 बजते,बजते संख्या दुगना हो जाना एक व्यक्ति के नाम दर्जनों मस्टर रोल जारी करना 4,5 बजने के बाद भी ब्लॉक में सैकड़ों अटेंडेंस के साथ दर्जनों पंचायतों की बाढ़ आना,आदि,आदि ऐसा हीं मामला ब्लॉक की ग्राम पंचायत खैरी पट्टी में देखने को मिला जहां पर10/5/2025 से 23/5(2025 तक गांव के पूरब तालाब खुदाई कार्य के नाम पर एक ही व्यक्तियों के नाम पर दर्जनों मस्टर रोल जारी किए गए उदाहरण मस्टररोल नम्बर 2251/2262/2263 एक ही दिन एक ही फ़ेश से जारी किए गए इसी प्रकार 10/5/2025 को गांव के पूरब तालाब खुदाई के नाम पर मस्टररोल संख्या 1552/1553/1554/1555/1556 व 24/5/2025 को इसी काम के नाम पर मस्टररोल संख्या 2261/2262/2263 व गौशला निर्माण के नाम पर मस्टररोल संख्या 2615 व 2616 एक ही फ़ेश से अपलोड कर दी गई जो सरासर फर्जी लेवर दिखाकर शासकीय धन का दुरूपयोग किया गया है जब इस संबंध में कैनविज टाइम्स संवाददाता द्वारा इ,ध्,ग मनरेगा बेहटा से फोन पर संपर्क किया तो महोदय के द्वारा बताया गया कि उक्त पंचायत के विरुद्ध लेटर जारी करने का आदेश दे दिया गया है अनियमता पाए जाने पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी

24 घंटे बीते नहीं कि संचालित हो गया अवैध पैथोलॉजी सेंटर

राजनीतिक दबाव में आकर सीएमओ ने अवैध पैथोलॉजी के संचालन को दिया

कैनविज टाइम्स संवाददात

सीतापुर। जहां एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने का प्रयास कर रहे है वही इन्हीं से जुड़े नेतागणों द्वारा धड़ल्ले से अवैध हॉस्पिटलों व पैथोलॉजीयो को संरक्षण दिया जा रहा है आपको बता दे सीतापुर जनपद में अभी बीते 1 दिन पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछरेहटा में स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ इमरान अली द्वारा स्टार पैथोलॉजी पर छापेमारी की गई थी छापेमारी के दौरान दस्तावेज न मिलने पर डिप्टी सीएमओ द्वारा नोटिस थमा कर पैथोलॉजी पर ताला जड़ कर संचालन बंद करा दिया गया था लेकिन कुछ घंटे बाद ही पैथोलॉजी संचालक द्वारा स्वास्थ्य विभाग पर राजनीतिक दबाव बनान चालू कर दिया गया जिसके चलते सीएमओ सुरेश कुमार द्वारा पैथोलॉजी को पुनः संचालित करने की परमिशन दे दी गई अब सवाल यह खड़ा होता है कि किस प्रकार से स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हो पाएगी जब बिना पैथोलॉजिस्ट के पैथोलॉजी और बिना डॉक्टर के हॉस्पिटल संचालित किए जाएंगे लगातार मरीजों की जान से खिलवाड़ क्या यूंही जारी रहेगा इस पैथोलॉजी के अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछरेहटा में 2 और झोलाछाप डॉक्टरों की दुकानें बंद की गई थी क्या वह भी इसी तरह अपना संचालन प्रारंभ कर मरीजों की जान से खेलना चालू कर देंगे इस पैथोलॉजी के खुलने से चर्चाओं का बाजार गर्म है आम जनता के जहन में ये सवाल बना है वही अगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बात करे तो सूत्र बताते है कि वहां के अधीक्षक की साठ - गांठ से अवैध हॉस्पिटल व पैथोलॉजी संचालित किए जाते है छापेमारी के दौरान अधीक्षक ने अपना पल्ला झाड़ लिया था जिसके बाद डिप्टी सीएमओ डॉ इमरान अली ने जांच की और ये कार्यवाही भी की परंतु राजनीतिक दबाव से मजबूर होकर सीएमओ डॉ सुरेश कुमार को स्टार पैथोलॉजी की चाबी दिलाना पड़ा अब देखने वाली बात यह होती है कि क्या भविष्य में अवैध पैथोलॉजी व हॉस्पिटलों पर कार्यवाही होती है यह स्वास्थ्य विभाग का यह एक्शन ठंडे बस्ते में चला जाता है

जुम्मे की नमाज़ शांतिपूर्ण संपन्न, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में रही कड़ी निगरानी

महमूदाबाद, सीतापुर। पुलिस अधीक्षक श्री अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में जनपद सीतापुर में शुक्रवार को जुम्मे की नमाज़ पूरी तरह शांतिपूर्वक एवं सकुशल सम्पन्न कराई गई। नमाज़ के दौरान जिले भर की सभी मस्जिदों पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतज़ाम किए गए थे।प्रत्येक थाना क्षेत्र में थाना प्रभारियों द्वारा मस्जिदों का भ्रमण कर कानून-व्यवस्था का जायजा लिया गया। स्थानीय पुलिस बल द्वारा नमाज़ के समय मस्जिदों पर उपस्थित रहकर सुरक्षा सुनिश्चित की गई और शांति बनाए रखने के लिए मुस्तैदी से ड्यूटी निभाई गई।पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए थे। अधिकारियों द्वारा आम नागरिकों से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की गई, जिसका व्यापक असर देखने को मिला।जनपद के किसी भी क्षेत्र से किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। प्रशासन की सक्रियता और बेहतर प्रबंधन से जुम्मे की नमाज़ आज संतोष और विश्वास का माहौल बना रहा।

विकास कार्य की दौड़ाई रेल, मनरेगा में हो रहा खेल, जिम्मेदार बने अनजान

मास्टर रोल पर जमकर हो रहा विकास जमीनी स्तर बयां कर रहे कुछ और ब्लॉक स्तर के जिम्मेदार अधिकारी तो नही दे रहे संरक्षण , आखिर क्यों नही हो रही कार्यवाही

विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत हरिपालपुर का मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर (ब्यूरो)। सरकार द्वारा ग्रामीण विकास और रोज़गार सृजन के लिए शुरू की गई महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (मनरेगा) अब खुद भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नज़र आ रही है। विकास कार्यों की फ़ाइलों में रेल तो दौड़ रही है, लेकिन ज़मीनी हकीकत में सिर्फ़ खेल हो रहा है – वो भी घोटाले का।ब्लॉक मछरेहटा के कई ग्राम पंचायतों में फर्जी हाजिरी, बिना कार्य के भुगतान, और गोपनीय बंदरबांट के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। मजदूरों के नाम पर हाजिरी भरी जा रही है। विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत हरिपालपुर में नाम मात्र माजदूरो से कार्य करवाया जा रहा है। जबकि मास्टर रोलो पर जमकर फर्जी हाजरी लगवाई जा रही है। लगाई गई फर्जी हाजरी का धन प्रधान , सचिव व रोजगार सेवक द्वारा आपस मे बंदरबांट किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ग्राम प्रधान, सचिव और ठेकेदारों की मिलीभगत से यह घोटाला हो रहा है। प्रशासन या तो अनजान बना हुआ है या जानबूझकर आँख बन्द करके बैठा हुआ है।मनरेगा जैसी योजना, जो गरीबों की रीढ़ होनी चाहिए थी, आज भ्रष्टाचारियों की कमाई का जरिया बन गई है। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह खेल विकास कार्यों की साख को पूरी तरह से खत्म कर देगा। देखना यह है कि क्या कोई कार्यवाही की जाती है या ऐसा ही चलता रहेगा , प्रधान , सचिव व रोजगार सेवक की कमाई का जरिया बना रहेगा ।

मीडियम न्यूज पेपर्स ऑफ इंडिया इकाई की हुई आपात काल बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। सदर लखीमपुर में एसो.ऑफ़ स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स ऑफ़ इंडिया ईकाई लखीमपुर खीरी की एक आपात काल बैठक डा.राकेश कुमार शर्मा के निवास पर डा राकेश शर्मा की अध्यक्षता मे आहूत की गई।बैठक में पुजारी उवाच के संपादक और एसो. के उपाध्यक्ष श्री सुरेश चंद्र शुक्ल पुजारी को उनकी संगठन विरोधी गतिविधियों और संगठन के पदाधिकारियों यहां तक राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय चंदोला जी के कार्यों पर उंगली उठाने तथा सर्व सम्मति से पास हुए संगठन के नियमो को न मानने के कारण एसो.के उपाध्यक्ष पद से निलंबित करते हुए चेतावनी दी गई कि अपनी वरिष्ठता को देखते हुए भविष्य मे इस प्रकार के कार्य न करे । आज से वह श्री पुजारी जी एसो. के सदस्य के तौर पर कार्य करेंगे। यह सर्व सम्मति से पास हुआ।बैठक के अंत मे अपने लखीमपुर खीरी जनपद के वरिष्ठ पत्रकार साथी शक्ति धर त्रिपाठी की हुई आकस्मिक निधन से हम सब एसो. के सदस्य काफी आहत हुए और इस अपार क्षति मे दुखी हम सभी भाइयों ने दो मिनट की एक शोक सभा कर मृत आत्मा की शांति के लिए और उनके परिवार को इस अपार दुख सहन करने की क्षमता हेतु मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर एसो. के संरक्षक संजय गुप्ता व सत्यदेव श्रीवास्तव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमाशंकर मिश्र, कोषध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, महामंत्री शबाब खान ,वरिष्ठ सदस्य मनोज दीक्षित, मंत्री ब्रमहृषि नगर, वी के सिंह, राजेंद्र गुप्ता,प्रेम प्रकाश दीक्षित, सुरेश चंद्र शुक्ल पुजारी व हर्ष शर्मा सहित सभी सदस्य उपस्थित रहे।बैठक का संचालन महामंत्री शबाब खान ने किया।

विधायक निधि से कराए जा रहे कार्यों में बर्ती जा रही भारी अनियमितताएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत बेलन्दापुर मजरा रौनामाऊ में विधायक निधि के तहत चल रहे निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। जिसमें भारी अनियमितताएं बर्ती जा रही है, विकास कार्यों की आड़ में सार्वजनिक धन का जमकर बंदरबांट किया जा रहा है। ग्रामीणों में आरोप लगाया है कि घटिया सामग्री व पीला ईंट निर्माण कार्य करवाया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, विधायक निधि से नाली निर्माण व इंटरलॉकिंग रोड का निर्माण होना है जिसमें नाली निर्माण कार्य चल रहा है । लेकिन हो रहे कार्य में न तो गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग हो रहा है। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच कर उचित कार्यवाही करने की मांग की है ।

बच्चों को नानी के घर न जाने का मलाल।यह है समर कैंपों का हाल

बिसवां (सीतापुर)। कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय जहांगीराबाद में रोज की तरह आज भी समर कैंप की शुरुआत योगाभ्यास से हुई। इसके बाद बच्चों ने अपनी पसंद के खेल जैसे फुटबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, रस्सी कूद, हूला हूप और लूडो आदि खेलों को खेला। विभिन्न खेलों के बाद अनुदेशक फिरोज आलम ने बच्चों को कागज से लिफाफा, बैग बनाना बताया जिसको देखकर बच्चों ने अनुदेशिका तस्नीम फातिमा की मदद से लिफ़ाफ़े बनाये। बच्चों के बारे में पूछने पर अनुदेशक /अनुदेशिका ने बताया कि जहां एक तरफ समर कैंप में बच्चे उत्साहित हैं तो दूसरी तरफ इन बच्चों को नानी के घर न जाने का मलाल भी है।

थाना मैलानी में हुई पीस कमेटी की बैठक

लखीमपुर खीरी । थाना मैलानी क्षेत्रांतर्गत चौकी कुकरा, चौकी संसारपुर एवं थाना मैलानी पर थानाध्यक्ष मैलानी निराला तिवारी ने नेतृत्व में आगामी त्योहारों के परिप्रेक्ष्य में उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी गोला के नेतृत्व में पीस कमिटी की मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें संभ्रांत व्यक्ति, मौलवी, इमाम, पत्रकार बंधु मौजूद रहे।सभी से आगामी त्योहारों के सकुशल मनाए जाने की अपील करते हुए मुनासिब हिदायत भी दी गई।सभी ने सकुशल शांतिपूर्वक आगामी त्योहारों के मनाए जाने का वायदा भी किया।

जिला स्तरीय बैठक में योग दिवस की तैयारियों को मिली रफ्तार

लखीमपुर खीरी। सीडीओ अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। 21 जून को आईटीआई ऑडिटोरियम में मुख्य कार्यक्रम होगा, जबकि 15 जून को गोला गोकर्णनाथ में योग सप्ताह का शुभारंभ किया जाएगा। बैठक में व्यापक जनभागीदारी और प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया।

चौथी शादी बनी मुसीबत, नई नवेली दुल्हन निकली लुटेरी

फूलबेहड़ खीरी। फूलबेहड़ क्षेत्र के मुड़िया खुर्द गांव में एक सप्ताह पहले विवाह कर लाए राजेंद्र की नई दुल्हन नींद की दवा देकर नकदी-जेवर लेकर फरार हो गई। राजेंद्र की यह चौथी शादी थी। गांव वालों के मुताबिक, पहले तीन पत्नियों की हो चुकी है मृत्यु। मामला पुलिस के संज्ञान में है।

जिलाधिकारी ने तहसील महमूदाबाद अंतर्गत संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण

सीतापुर ।प्रचंड गर्मी के बावजूद जनहित को सर्वोपरि रखते हुए जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने तहसील महमूदाबाद अंतर्गत संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रशासनिक सक्रियता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। इस निरीक्षण में जिलाधिकारी के साथ क्षेत्रीय मा0 विधायक माननीय ज्ञान तिवारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस मौके पर कहा कि यह हमारे सौभाग्य की बात है कि इस-44 डिग्री टेम्परेचर में जिलाधिकारी महोदय धूप, रेत और धूल में हमारे साथ खड़े होकर हमारी समस्याओं को समझ रहे हैं। इस प्रकार की संवेदनशीलता और समर्पण निश्चित रूप से जनकल्याण के लिए प्रेरक है।
निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने ग्राम अखरी स्थित घाघरा नदी के तटबंध पर निर्माणाधीन तीन स्परों की परियोजना का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था एवं संबंधित अभियंताओं को यह निर्देशित किया कि मानसून आगमन से पूर्व, अर्थात 15 जून 2025 तक समस्त कार्य मानक गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण कर लिए जाएं। अधिशाषी अभियंता विशाल पोरवाल द्वारा अवगत कराया गया कि अब तक 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इस परियोजना के सम्पन्न होने पर लगभग 20 गांवों को बाढ़ की विभीषिका से सुरक्षा मिलेगी, जो जन-जीवन के लिए अत्यंत राहतकारी सिद्ध होगा।
निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तटवर्ती ग्राम बगस्ती में निर्माणाधीन स्पर कार्य का भी जायज़ा लिया तथा सिचाई विभाग को अतिरिक्त श्रमिकों की तैनाती कर निर्धारित समयसीमा में परियोजना को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उक्त परियोजना के पूर्ण होने से अतिरिक्त 15 गांव लाभान्वित होंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से प्रत्येक स्पर की भौगोलिक दूरी, कटान की दिशा, नदी प्रवाह की तीव्रता तथा संरचनात्मक मजबूती की तकनीकी जानकारी लेकर यह सुनिश्चित किया कि गुणवत्ता के साथ कोई भी समझौता न हो।

भारी मात्रा में गांव के बाहर झाड़ियों में मिली सरकारी दवाएं,ग्रामीणों ने सीएमओ को दी सूचना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। विकास खंण्ड धौरहरा क्षेत्र के कलुआपुर के मजरा मैला गांव के पूरब सत्य नरायन मौर्य की बाग में लगे झाड़ी जंगल के बीच में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों के माध्यम से मरीजों को वितरित की जाने वाली दवाओं का ढेर पड़ा ग्रामीणों ने देखा। लोगों की सूचना पर पहुंचें बाग मालिक ने दवाएं पड़ी होने की सूचना सीएमओ को दी। शिकायत के बाद पहुचे सीएचसी अधीक्षक धौरहरा डा.रवि सिंह ने कुछ दवाओं का सैम्पल लेने के बाद शेष औषधि जलवा दी।

शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे ग्रामीण जब खेतों की तरफ गए तो सत्य नरायनमौर्य की बाग में लगे झाड़ी जंगल के बीच सरकारी अस्पतालों में निशुल्क मिलने वाली दवाएं पड़ी देखी। लोगों की सूचना पर पहुचे सत्य नरायन मौर्य ने मामले की सूचना सीएमओ डा.सन्तोष कुमार गुप्ता को दी। सरकारी दवा पड़ी होने की सूचना पाकर गांव के दर्जनों लोग बाग को पहुंच गए जहा कई बीमारियों में उपयोग होने वाली आइब्रोफ़ेन

टेबलेट,आसिक्लोफिनेक टेबलेट, डाइसाइक्लोमाइन टेबलेट , आइरन एण्ड फोलिक एसिड टेबलेट,त्रिफला जोल सीरफ, आयरन फोलिक एसिड सीरप, निश्चय किट,मैट्रोनिडाजोल सीरप,विटामिन सी टेबलेट , डाइक्लोफ़ेनिक सोडियम इन्जेक्सन,क्लिडामामाइसिन एड क्लोट्रिमाजोल टेबलेट, ओमेप्राजोल टेबलेट , पैरासीटामाल एन्फ्लुएजन टेबलेट,लीमीप्राइड टेबलेट सहित सैकड़ो पत्तों में दवाएं पड़ी हुई थी। जिसमें से अधिकतर दवाएं उपयोग के लायक थी।सीएमओ से शिकायत के बाद जाँच को पहुंचे धौरहरा सीएचसी अधीक्षक डा. रवि सिंह,फार्मासिस्ट नवीन कुमार अपने दो अन्य साथियो के साथ दवा पड़े होने की जगह पर पहुचे जहा कुछ दवाओं के पत्ते सैम्पल के लिए अपने साथ ले गए बाकी शेष बची दवाएं आग के हवाले की गई।

एमओयू निवेशकों की समस्याओं का प्राथमिकता पर करें निस्तारण : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । जिले में औद्योगिक निवेश को गति देने और एमओयू निवेशकों को सहयोगी वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में एक अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निवेशकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, ताकि जनपद में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन मिल सके।बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग उज्जवल सिंह ने किया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एमओयू निवेशकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और निवेशकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निवेशकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराया जाय। इन्हें जहां कहीं पर किसी भी विभाग से एनओसी प्राप्त करनी हो अधिकारी उसमें भी सहायता करे। उन्होने कहा कि जो समस्यायें न सुलझें एवं कहीं पर भी कोई समस्या आ रही है तो हमें उन्हें अवगत करायें। निवेशकों के हित में तत्काल उचित कार्यवाही की जायेगी।बैठक के दौरान निवेशक उद्यमियों द्वारा उठाई गई समस्याओं को संबंधित विभागों ने संज्ञान में लिया और उनके त्वरित समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर अमिता यादव, उपायुक्त उद्योग उज्जवल सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, ईओ संजय कुमार, आईएमए के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल सहित एमओयू निवेशक मौजूद रहे।

आजमगढ़ पहुंचे विधान परिषद सदस्य एवं नियम पुनरीक्षण समिति के सभापति, लगाया मां के नाम एक पौधा

मां के नाम एक वृक्ष, नारी सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का दिया अनोखा संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आजमगढ़। जनपद पहुंचे विधान परिषद सदस्य एवं सभापति नियम पुनरीक्षण समिति धर्मेंद्र भारद्वाज ने आज आजमगढ़ के कुंवर सिंह उद्यान में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए ''मां के नाम एक वृक्ष'' लगाकर समाज को नारी शक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।धर्मेंद्र भारद्वाज ने सिंदूर के पौधे को नारी शौर्य का प्रतीक बताते हुए कहा, ''जिस तरह एक मां हमें जन्म देकर जीवन भर सेवा करती है, ठीक उसी तरह एक वृक्ष भी निस्वार्थ सेवा करता है। यदि हम एक वृक्ष मां के नाम लगाएं, तो यह न केवल एक श्रद्धांजलि होगी, बल्कि समाज के लिए भी पुण्य का कार्य होगा।''उन्होंने अपील की कि प्रत्येक नागरिक को संकल्प लेना चाहिए कि वह कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाए। भारद्वाज ने कहा, ''पौधा कोई भी हो, यदि आप उसे लगाते हैं और उसकी सेवा करते हैं, तो वह आपको जीवनदायी ऑक्सीजन देगा, छांव देगा और पर्यावरण को स्वच्छ बनाएगा।''कार्यक्रम में उन्होंने वृक्षों की सुरक्षा पर भी जोर देते हुए कहा कि वृक्षारोपण से अधिक आवश्यक है उनकी देखभाल और संरक्षण। उन्होंने कहा कि यदि हर भारतीय एक-एक वृक्ष लगाए और उसकी देखभाल करे, तो स्वच्छ और स्वस्थ भारत का सपना शीघ्र ही साकार हो सकता है।इस अवसर पर जिला अधिकारी रविंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा, डीएफओ जी.डी. मिश्रा, एसडीओ नवीन वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, पर्यावरण प्रेमी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने जनमानस में पर्यावरण और मातृ सम्मान के प्रति नई चेतना जागृत की।''एक वृक्ष मां के नाम, एक संकल्प जीवन के नाम'' ऽ इस संदेश के साथ धर्मेंद्र भारद्वाज की पहल समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

26वीं प्री यूपी स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता 2025 विजयी प्रतिभागियों को एसपी ने किया सम्मानित

आजमगढ़। 26वीं प्री यूपी स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता 2025 के 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में स्टेट स्तर पर महिला वर्ग में 1पु रैंक (गोल्ड मेडल)व प्रथम रैंक (सिल्वर मेडल) प्राप्त करने वाली महिला आरक्षी तथा पुरूष वर्ग में द्वितीय रैंक (सिल्वर मेडल) प्राप्त करने वाले एसपी सिटी स्टेनों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने 05-05 हजार रूपयें के नकद पुरस्कार से किया सम्मानित। यू0पी0 स्टेट राइफल एसोसिएशन लखनऊ द्वारा आयोजित 26वीं प्री यूपी स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता 2025 जनपद नोएडा में 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया, जिसमें महिला वर्ग में महिला आरक्षी शिरीना बानों (गोल्ड) व महिला आरक्षी चमन खातून (सिल्वर) द्वारा 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में उ0प्र0 (पुलिस सेवाएं) में स्टेट स्तर पर क्रमशः प्रथम रैंक (गोल्ड मेडल) व द्वितीय रैंक (सिल्वर मेडल) प्राप्त* किया गया तथा पुरूष वर्ग में संजीव पाण्डेय, स्टेनो (एसपी सिटी आजमगढ़) द्वारा उ0प्र0 (पुलिस सेवाएं) में द्वितीय रैंक (सिल्वर मेडल) प्राप्त* किया गया, जिसके क्रम में आज दिनांक 06.06.2025 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ हेमराज मीना द्वारा उक्त स्टेनों व दोनो महिला आरक्षी को 05-05 हजार रूपयें का नकद पुरस्कार से सम्मानित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

घुस मांगने के आरोप में पुलिस अधीक्षक ने दरोगा और सिपाही को किया निलंबित

महराजगंज,रायबरेली। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराजगंज थाने में तैनात उप निरीक्षक उत्कर्ष केसरवानी और आरक्षी शुभम यादव को रिश्वत मांगने के आरोप में निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई 5 जून 2025, गुरुवार रात करीब 11:40 बजे पुलिस मीडिया सेल द्वारा की गई पुष्टि के बाद सामने आई।बताया गया कि दोनों पुलिसकर्मियों ने एक मामले की विवेचना से अभियुक्त का नाम हटाने की एवज में ?20,000 की रिश्वत की मांग की थी। इसकी शिकायत मिलने के बाद अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा जांच कराई गई, जिसमें दोनों कर्मचारी दोषी पाए गए।इंसेट – एसपी डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।

दबंगों के हौसले बुलंद,शराब की दुकान पर तैनात सेल्समैन को पीटा

रायबरेली। थाना क्षेत्र के सुदौली कस्बे में दबंगों के हौसले बुलंद शराब ठेका बन्द होने के बाद देर रात पहुंचे कुछ बरातियों ने सेल्समैन और उसके साथियों से जबरन ठेका खोलकर शराब देने के लिए लगे झगड़ने । सेल्समैन ने जब समय समाप्त होने की बात कही तो दर्जन भर दबंग बरातियों ने मारपीट शुरू कर दी और लोहे की रॉड डंडे ईंट पत्थर से हमला कर दिया।बचाने गए पिता चौकीदार को भी पीटा, पति को पिटते देख पहुंची पत्नी को की पिटाई कर दी। चौकीदार की सूचना पर पहुची पुलिस ने गंभीर रूप से घायलों को सीएचसी भेजा जहाँ उनकी हालात गंभीर देखते हुए दोनो को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मिली जानकारी अनुसार रामपुर सुदौली थाना बछरांवा निवासी सुखदेव जो बछरावां थाने का चौकीदार है। सुखदेव की पत्नी सूरसती ने शिकायत करते हुए बताया कि उसका बेटा रामू उर्फ मिथुन जो सरकारी कम्पोजिट शराब की दुकान स्थित सुदौली बाजार में नौकरी करता है। गुरुवार रात समय पर दुकान बंद हो गयी थी।वहीं पास के गांव जमादार खेडा में एक बरात आई हुई थी। समय के बाद रात्रि मे शिवम् पुत्र राम प्रसाद व पवन पुत्र अज्ञात अपनें लगभग 10 साथियों के साथ जिसमे कुछ बराती भी थे दुकान पर पहुंचे और जबरन दुकान खोलवाने का दबाव बनाया। जब उसके बेटे ने मना किया तो दुकान की चाभी छीनकर स्वयं ही दुकान खोलने का प्रयास करना शुरू किया। जब इसका विरोध किया तो उपरोक्त दबंगों द्वारा गॉली गलौज करते हुए डंडे लोहे की रॉड और ईंट पत्थर से हमला कर घायल कर दिया जिसके बचाव में सोनू के पिता सुखदेव चौकीदार व पत्नी सूरसती भी आ गयी तो दबंगो ने उनकी भी पिटाई कर घायल कर दिया आरोप है कि दबंगों ने सुरसती पत्नी चौकीदार की गला दबाकर उसके कान की बाली और मंगलसूत्र लूट ले गए। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। इंसेट – थाना प्रभारी पंकज कुमार त्यागी ने बताया की घटना की तहरीर प्राप्त हुई है तहरीर के आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

आजमगढ़ मैकू यादव पर एक लाख का इनाम घोषित

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के मामले में है मुख्य आरोपी,

जघन्य हत्याकांड में अब तक चार आरोपियों की हो चुकी है गिरफ्तारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आजमगढ़। जनपद के जीयनपुर थाना क्षेत्र के नरहन गांव में 29 मार्च को प्रॉपर्टी डीलर अश्वनी चौहान की प्रधानी चुनाव की रंजिश में हत्या के मामले में वाराणसी के एडीजी पीयूष मोर्डिया ने मुख्य आरोपी मैकू उर्फ रामचंद्र यादव पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। गुरुवार को आजमगढ़ पुलिस लाइन में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। इस जघन्य हत्याकांड में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि छह अन्य, जिनमें मुख्य आरोपी मैकू शामिल है, अभी भी फरार हैं। पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश के लिए चार विशेष टीमों का गठन किया है और मामले की गहन छानबीन में जुटी है।बताते चलें कि मृतक अश्वनी चौहान की मां शिवकुमारी चौहान की तहरीर के आधार पर जीयनपुर थाने में 10 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि अश्वनी को गांव के ही विशाल यादव के घर दावत के लिए बुलाया गया था। दावत में शामिल होने के बाद जब वह घर लौट रहा था, तभी नारायण के पास सड़क किनारे उसकी लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों शिवम यादव, अमित यादव, सरफुद्दीन, और सौरभ उर्फ करिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ के दौरान इनके कब्जे से एक मोटरसाइकिल, दो तमंचे, और कारतूस भी बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों सौरभ उर्फ करिया और सरफुद्दीन पर पहले से ही 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की यह साजिश पुरानी रंजिश का नतीजा थी। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि मुख्य आरोपी रामचंद्र उर्फ मैकू का अश्वनी चौहान के साथ प्रधानी चुनाव को लेकर पुराना विवाद था। इस रंजिश को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने दावत का बहाना बनाकर अश्वनी को बुलाया और सुनियोजित तरीके से उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।मुख्य आरोपी मैकू उर्फ रामचंद्र यादव सहित छह अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस और विशेष कार्य बल (ट्र्ग्क) की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। 20 अप्रैल को आजमगढ़ पुलिस और ट्र्ग्क के संयुक्त ऑपरेशन में दो अन्य फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जिन पर 25-25 हजार रुपये का इनाम था। पुलिस ने दावा किया है कि बाकी फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वाराणसी के एडीजी पीयूष मोर्डिया ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच को और तेज करने के निर्देश दिए हैं।

मुरैनी में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर किया गया भंडारे का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। सुबेदार मेजर रामफल सिंह स्मारक इंटर कॉलेज खेरवा मुरैनी में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर भंडारे का आयोजन हुआ। विद्यालय की प्रबंधिका योगिता सिंह ने कहा भंडारे के आयोजन में एकादशी का व्रत रखने से सभी कष्ट होते हैं। दूर और ऐसे आयोजनों से क्षेत्र में आपसी भाईचारे की मिसाल कायम होती है यह उदगार आज महराजगंज क्षेत्र के खेरवा गांव स्थित मेजर रामफल सिंह इंटर कॉलेज की प्रबंधीका का योगिता सिंह द्वारा किए गए। विशाल भंडारे के दौरान यह उदगार व्यक्त कर रही। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भारत मिश्रा नगर अध्यक्ष अंकुर जायसवाल न्याय पंचायत अध्यक्ष हौसला प्रसाद तिवारी राम चंद्र सिंह आदि सैकड़ो की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

20 जून तक अवैध मदिरा पर अंकुश के लिए तहसीलवार टीमें गठित : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी की संभावना के दृष्टिगत 6 जून से 20 जून 2025 तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जाना है। जिसमें अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री एवं तस्करी तथा अवैध अल्कोहल/शीरा परिवहन पर अंकुश लगाए जाने हेतु समस्त तहसीलवार टीमों का गठन किया है। जिलाधिकारी ने आबकारी, पुलिस एवं राजस्व प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाकर प्रभावी प्रवर्तन कार्य सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि पूरे जनपद में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण, तस्करी तथा अवैध अल्कोहल/शीरा के परिवहन आदि पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। इस कार्य के लिए प्रत्येक तहसील में उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी तथा आबकारी निरीक्षक विशेष रूप से सक्रिय रहेंगे। पूरे जनपद में 6 प्रवर्तन दलों का गठन किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह टीमें पूर्ण निष्ठा एवं गंभीरता से विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान अवैध मदिरा के कार्य में संलिप्त माफियाओं/तस्करों की सूची के अनुसार उनके विरुद्ध स्थानीय पुलिस के सहयोग से नियमानुसार गैंगस्टर/गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत कठोरतम कार्यवाही की जाए तथा उन पर सतत निगरानी की जाए। संदिग्ध वाहनों की सघनता एवं सूक्ष्मता से चेकिंग कराई जाएगी और राष्ट्रीय/राज्य राजमार्ग पर स्थित ढाबों, जहां अल्कोहल के टैंकर प्रायः रूकते है, की भी संघ एवं आकस्मिक जांच कराई जाए। इन टीमों द्वारा जनपद में अवैध मदिरा के संदिग्ध स्थानों/अड्डों पर छापेमारी की कार्यवाही की जाए। आबकारी दुकानों एवं थोक अनुज्ञापनों का निरीक्षण चेकलिस्ट के अनुसार किया जाए। स्टॉक के बारकोड व क्यू.आर कोड की सूक्ष्मता एवं सतर्कता पूर्वक स्कैनिंग/जांच की जाए। देशी/विदेशी मदिरा/बियर एवं माडल शाप की फुटकर बिक्री की दुकानों पर ओवर रेट के सम्बन्ध में रैंडम टेस्ट परचेज की कार्यवाही भी की जाए। दुकानों पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरा के सुचारू रूप से निरंतर क्रियाशील रहते हुए रियल टाइम मॉनिटरिंग की उपलब्ध निश्चित की जाए।इंसेट - जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में विशेष सतर्कता बरती जाए एवं नियमित रूप से रोड चेकिंग कराई जाए। जिससे किसी भी दशा में अवैध मदिरा की तस्करी ना हो पाए।

मुक्तेश्वर नाथ मंदिर में अभिषेक कर मुख्यमंत्री के दीर्घायु की कामना

गोरखपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद गोरखपुर के पदाधिकारीयों ने कल देर शाम मुक्तेश्वर नाथ मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया और उनसे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के यश कीर्ति और दीर्घायु की कामना की, परिषद के अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव और महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल ने कहा कि हम भोलेनाथ से प्रार्थना करते हैं वह हमारे मुख्यमंत्री की यश और मृत को और बढ़ाया तथा उन्हें दीर्घायु प्रदान करें, हम सभी परिषद के पदाधिकारी गोरखपुर के निवासी होने के कारण यह चाहते हैं कि पूज्य महाराज जी उत्तर प्रदेश से आगे बढ़कर देश का नेतृत्व करें इससे हम सभी को असीम प्रसन्नता होगी। इस अवसर पर रूपेश कुमार श्रीवास्तव गोविंद जी मदन मुरारी शुक्ल राजेश सिंह पंडित श्याम नारायण शुक्ल अनिल द्विवेदी अनूप कुमार इजहार अली फुलई पासवान जामवंत पटेल बंटी श्रीवास्तव वरुण वर्मा बैरागी सहित सभी परिषद के पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

सभासद के निरीक्षण में खुली नगरपालिका की पोल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आजमगढ़। सभासद के निरीक्षण के दौरान खुली नगरपालिका की पोल, वार्ड में दिखा समस्याओं का अंबार तो कही जल संकट से जूझ रहे लोग तो कही सरकारी योजनाओं के चलते टूटी गलियां जाम नालियां। आजमगढ़ नगरपालिका क्षेत्र के सभासद और जिला योजना समिति सदस्य मोहम्मद अफजल जब अपने वार्ड का निरीक्षण करने निकले तो अनंतपुरा और कुंडीगढ़ क्षेत्र की जनता का आरोप है कि आंशिक कुंडीगढ़ और आंशिक अज़मतपुर कोडर में काम के दौरान कही जल निगम की पाइप क्षतिग्रस्त हो गई। जिसका अभी तक पता नहीं लगाया जा सका है जिसके चलते एक हफ्ते से जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। वही अन्नतपुरा वार्ड में भी हर घर जल जीवन मिशन के तहत भी पाइप लाइन बिछाई जा रही है। इस पाइपलाइन कार्य के दौरान कार्यदाई संस्थाओं द्वारा जगह जगह सड़कों गलियों को तोड़ दिया गया। जिसके चलते आने जाने में दुश्वारियां हो रही है। वार्ड में अधर में अटके बिजली के खंभे भी बड़ी दुर्घटना को दावत दे रहे है। समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो ये बिजली के खंभे कभी भी किसी के ऊपर धराशाई हो सकते है। निरीक्षण के दौरान जगह जगह नालिया जाम मिली तो कही नालियों का पानी सड़कों पर बह रहा है तो कही सड़क किनारे पड़े नालियों के मलबे पैरों से चिपककर घरों में जा रहे है। इस वार्ड में सोनकर बस्ती के पास एक गढ़ई है जो बिसो साल से जाम है, बरसात आते ही उसका पानी सड़कों पर आ जाता है, ऐसा नजारा होता है कि लोगो को गंदे पानी के अंदर से होकर गुजरना पड़ता है। इस गंदगी के चलते लोग डेंगू मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों के भी चपेट में आ जाते है। वार्ड के पूर्व सभासद डॉक्टर शहजादे ने बताया कि मोहल्ले में कभी साफ सफाई नहीं होती है। बरसात में नालियों का पानी घरों में घुसता है। नगरपालिका में कई बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार मौन है। जिसके चलते जनता में आक्रोश देखने को मिल रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ जी महाराज का मनाया गया जन्मदिन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पादरी बाजार , गोरखपुर । विश्व हिंदू महासंघ गोरखपुर के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाया। कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु होने की कामना की ।

विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी का जन्मदिन गुरुवार को गोरखपुर में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाया और एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दीर्घायु होने कामना किया । जिलाध्यक्ष जनार्दन मिश्र ने कहा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। वह सही मायनों में उत्तर प्रदेश के सच्चे विकास पुरुष है। जिलाध्यक्ष मातृ शक्ति अनीता शर्मा ने कहा प्रदेश के अंदर कानून व्यवस्था का राज स्थापित हुआ है। माफिया-गुंडों में डर पैदा हुआ है। महानगर उपाध्यक्ष उमेश चन्द्र यादव ने उनके जीवनी पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक सोनकर,मंडल प्रभारी युवा मोर्चा रतन जायसवाल,जिला प्रभारी डॉ योगेश निषाद,राजकुमार,राधेश्याम शर्मा,संदीप श्रीवास्तव सहित सैकड़ों पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के दीर्घायु की मंगलकामना की ।

विश्वकर्मा परिवार मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर कराया हरिकर्तन व भंडारा

पादरी बाजार , गोरखपुर । प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर गुरुवार को उनके परमअनुयायी हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा का परिवार पादरी बाजार के मानस विहार कॉलोनी सेक्टर तीन में विधिवत हरिकर्तन कराते एव विशाल भंडारे का आयोजन किया । हरिश्चन्द्र विश्वकर्मा ने बताया कि 5 जून को हिन्दू हृदय सम्राट योगी आदित्यनाथ महाराज जी की जन्मदिन है जो हम सभी के लिए अनुकरणीय है । आज उनके नेतृत्व में प्रदेश अपराधमुक्त हो गया है तथा विकासदर लगातार बढ़ रहा है । आचार्य पंडित शेषनाथ मिश्र ने आज के दिन की महत्ता का विस्तार से वर्णन किया । प्रसिद्ध हरिकर्तन गायक बलिराम यादव की टीम ने 24 घण्टे संगीतमय हरिकर्तन सुनाया । इस अवसर पर रमेश मणि त्रिपाठी, सावित्री देवी,इंदु देवी,धीरेन्द्र विश्वकर्मा, राजू विश्वकर्मा, पंकज विश्वकर्मा, तारा विश्वकर्मा,अंकिता विश्वकर्मा, निधि विश्वकर्मा कुन्नू,चंदन तिवारी,सुग्रीव ,राजेश मिश्रा,सचिन कुमार मनीषा यादव व रवींद्र सिंह सहित अनेकों सम्भ्रांत उपस्थित रहे ।

फेशियल रिकाग्निशन सिस्टम फ़ेस कैप्चरिंग एवं ई केवाईसी कराये बगैर अब नहीं मिलेगा लाभार्थियो को पोषाहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर ने बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार निदेशालय उत्तर प्रदेश द्वारा देश भर में पोषण टैकर एप के माध्यम से फ़ेस ऑथेंटिकेशन मॉड्यूल के कार्यान्वयन के संवंध मे निर्देश दिये गये है। जिसमें आंगनबाड़ी केन्द्रो पर आने वाले 6 माह से 3 वर्ष, 03 से 06 वर्ष आयु वर्ग के लाभार्थी गर्भवती एवं धात्री महिला व किशोरी बालिका की उपस्थिति एवं पोषाहार प्राप्त करने वाले लाभर्थियों की पोषण टैकर पर फीडिंग 01 जुलाई 2025 से अनिवार्य रूप से लागू हो जायेगी। लक्षित लाभार्थियों तक अनुपूरक पुष्टाहार की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यह भी निर्णय लिया गया है कि टीएचआर वितरण के लिए फ़ेशियल रिकाग्निशन सिस्टम (एफआरएस) को 01 जुलाई 2025 से अनिवार्य कर दिया जायेगा। लाभार्थियों के पंजीकरण हेतु फ़ेशियल रिकाग्निशन सिस्टम (एफआरएस) को 01 अगस्त 2025 से अनिवार्य कर दिया जायेगा।जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जिन लाभार्थियों द्वारा पोषण टैझकर पर लाभार्थियों का फ़ेस कैप्चरिंग (एफआरएस) एवं ईकेवाईसी नही किया जायेगा, उन लाभार्थियो को अनुपूरक पुष्टाहार का लाभ प्राप्त नही होगा। श्री कपूर ने कार्यकत्रियों को निर्देश दिया है कि तत्काल आंगनबाड़ी केन्द्रो पर जाकर शत-प्रतिशत लाभार्थियों को पोषण टैझकर पर फ़ेशियल रिकाग्निशन सिस्टम हेतु फ़ेस कैप्चरिंग एवं ईकेवाईसी तत्काल कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने लाभार्थियों से भी अपेक्षा की है कि स्वयं सहयोग करते हुए फ़ेशियल रिकाग्निशन सिस्टम हेतु फ़ेस कैप्चरिंग एवं ईकेवाईसी करा लें ताकि उन्हें प्राप्त होने वाली सुविधाएं बाधित न हों।

गोरखपुर में कुर्बानी 7, 8 व 9 जून यानी तीन दिन तक ही होगी

गोरखपुर। ईदगाह व मस्जिदों में ईद-उल-अजहा की नमाज का समय सुबह 5:30 बजे-मस्जिद सुप्पन खां खूनीपुर निकट कुरैशिया स्कूल*सुबह 5:45 बजे-मक्का मस्जिद मेवातीपुर, मुसम्मात नसीबन बीबी (कादरिया) मस्जिद मुफ्तीपुर निकट कोतवाली*सुबह 6:00 बजे-अन्सारी रोड की मक़्बरे वाली मस्जिद, चिश्तिया मस्जिद बक्शीपुर, सुन्नी बहादुरिया जामा मस्जिद रहमतनगर, कादरिया मस्जिद मिर्ज़ापुर पचपेड़वा, मोती जामा मस्जिद अमरुतानी बाग रसूलपुर, गौसिया जामा मस्जिद लीची बाग जामिया नगर, नूरी जामा मस्जिद अहमदनगर चक्शा हुसैन, मस्जिदे कुबा मुहम्मद नगर कॉलोनी*सुबह 6:15 बजे- *अल मदीना सुन्नी जामा मस्जिद, लतीफ नगर*सुबह 6:30 बजे-* हमायूँपुर उत्तरी में मौलाना जुनेद साहब के बगल की मस्जिद, बेलाल मस्जिद इमामबाड़ा अलहदादपुर, शाही जामा मस्जिद तकिया कवलदह रसूलपुर, बरकाती जामा मस्जिद नौरंगाबाद, मस्जिद पीर बाबा सेंदुली बेंदुली बड़गो, फिरदौस जामा मस्जिद गेहूंआ सागर, हुसैनी जामा मस्जिद समेत अन्य जगहों का समय निर्धारित कर दिया गया है।

मां के नाम सिंदूर का पौधा लगाकर सांसद रवि किशन शुक्ला ने दिया पर्यावरण और परंपरा को सहेजने का संदेश

सांसद ने कहा कि मां जीवन की जड़ होती हैं, और पेड़ धरती का भविष्य, अगर हम दोनों को सहेजें, तो समाज भी सशक्त होगा और प्रकृति भी सुरक्षित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के लोकप्रिय सांसद रवि किशन शुक्ला ने रविवार को तारामंडल स्थित अपने आवासीय परिसर के पार्क में सिंदूर का पौधा रोपित कर एक भावनात्मक और प्रेरणादायी पहल की। यह पौधारोपण उन्होंने अपनी पूज्य माता जी के नाम समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ''मां जीवन की जड़ होती हैं, और पेड़ धरती का भविष्य। अगर हम दोनों को सहेजें, तो समाज भी सशक्त होगा और प्रकृति भी सुरक्षित।''**पर्यावरण और श्रद्धा का अनूठा संगम*रवि किशन ने सिंदूर के पौधे को खासतौर पर चुना, जो भारतीय परंपरा में शक्ति, सौभाग्य और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा–> *ख्लमुझे गर्व है कि मेरी पूज्य माता जी आज भी मेरे जीवन में प्रेरणा की सबसे बड़ी स्रोत हैं। उनके आशीर्वाद से ही मैं जनसेवा और संस्कृति के लिए काम कर पा रहा हूं। सिंदूर का यह पौधा उनके सम्मान में मेरी भावनात्मक भेंट है।ङ्क**पीएम मोदी और सीएम योगी को बताया प्रेरणा स्रोत*रवि किशन शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा–> *ख्लप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पर्यावरण और संस्कृति के बीच सेतु का कार्य किया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी गौसेवा, वृक्षारोपण और सनातन संस्कृति को लेकर जो कार्य कर रहे हैं, वह हम सभी जनप्रतिनिधियों के लिए उदाहरण हैं।ङ्क*गोरखपुर को हरित संकल्प से जोड़ने का संदेशतारामंडल पार्क में सिंदूर का पौधा लगाकर रवि किशन ने यह भी संदेश दिया कि> *ख्लहर नागरिक को कम से कम एक पेड़ अपने माता-पिता या किसी प्रेरणा स्रोत के नाम पर लगाना चाहिए और उसकी रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। इससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, बल्कि हमारी संस्कृति और भावनात्मक संबंध भी मजबूत होंगे।ङ्क*सांसद की इस पहल को देखकर कई स्थानीय लोगों ने भी अपने घरों और मोहल्लों में पौधारोपण की इच्छा जताई। लोगों ने इसे एक संवेदनशील नेतृत्व और संस्कारयुक्त राजनीति की मिसाल बताया।**सांसद रवि किशन शुक्ला** का यह वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और पर्यावरणीय चेतना का संगम है। सिंदूर का यह पौधा उनकी माता जी के प्रति सम्मान के साथ-साथ समाज को हरियाली और संस्कृति से जोड़ने वाला एक हरित संदेश बन गया है।

बाइक फिसलने से गिरकर युवक की मौत को लेकर परिजनों ने किया रोडजाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले के छपिया थाना क्षेत्र के धानेपुर गांव में 19 वर्षीय शुभम भारती की मौत का मामला साम ने आया है।परिजनों ने रिश्तेदारों पर हत्या का आ रोप लगाते हुए गोंडा-बभनान मार्ग पर शव रखकर प्रदर्शन किया।मृतक के पिता तुलाराम भारती ने छ पिया थाने में शिकायत दर्ज कराई है।उन्होंने बता या कि कल दोपहर दो बजे उनके बेटे को शिवानी और राज भारती निमंत्रण में ले जाने के लिए साथ ले गए थे।आरोप है कि इन दोनों ने चांदनी चौक के पास मुख्य सड़क पर शुभम की हत्या कर शव फें क दिया। घटना के बाद कपूरचंद नाम के व्यक्ति ने शुभम को छपिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा या,डॉक्टरों ने उसे एक घंटे बाद उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों के प्रदर्शन को देखते हुए कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर बुलाई गई।क्षेत्रा धिकारी सदर राजेश कुमार सिंह,क्षेत्राधिकारी मन कापुर उदित नारायण पालीवाल और छपिया थानाध्यक्ष संजीव वर्मा ने मौके पर पहुंचकर कार्र वाई का आश्वासन दिया।इसके बाद परिजनों ने धरना समाप्त किया।थानाध्यक्ष संजीव वर्मा के अनुसार प्राथमिक जांच में टूटी सड़क पर बाइक फिसलने से मौत होने की बात सामने आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

ईद उल अजहा आज, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। मिश्रित आबादी वाले इलाके में ड्रोन कैमरे की जाएगी निगरानी ईद उल अजहा पर आज हो गी कड़ी सुरक्षा व्यवस्थाईद उल अजहा पर होगी कड़ी सुरक्षा व्यवस्थाईद उल अजह ईद उल अजहा (बकरीद) के अवसर पर नगर से लेकर देहात में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है।ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की जाएगी।जिसके लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं।सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन की निगरानी, सोशल मीडिया पर कड़ी नजर,और स्थानीय पुलिस की तैनाती की गई है।पुलिस अधीक्षक विनीत जायस वाल ने लोगों से अपील की है कि वे पर्व को शांति और सौहार्द के साथ मनाएं और किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें।पुलिस अधीक्षक विनी त जायसवाल ने बताया कि खुले में कुर्बानी न की जाए और अवशेष को खुले में न फेंका जाए,नमाज केवल ईदगाह और मस्जिदों के अंदर ही अदा की जाए।अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।उन्होंने बताया कि लगातार शांति समिति की बैठकें आयोजित की गई हैं और धर्मगुरुओं से भी संवाद स्थापित किया है ताकि पर्व को शांति पूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया जा सके।मिश्रित आबादी वाले इलाके में ड्रोन कैमरे से निग रानी की जाएगी।वहीं दिन भर पुलिस पैदल गश्त कर हर स्थिति का जायजा लेगी।वहीं मस्जिदों के बाहर सादा कपड़ों में पुलिस कर्मियों को तैनात कि या जाएगा।जिससे किसी को भी कोई परेशानी का सामना न करना पड़े।

आईटीआई नानपारा में तकनीकी शिक्षा का सुनहरा अवसर, 22 जून तक करें आवेदन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर संवारने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई 220) नानपारा एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। संस्थान में सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि अब बढ़ाकर 22 जून 2025 कर दी गई है। संस्थान के प्रधानाचार्य सुनील कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे छात्र-छात्राएं जिन्होंने कक्षा 8वीं या 10वीं उत्तीर्ण की है और जिनकी आयु 14 वर्ष से अधिक है, वे प्रवेश के लिए पात्र हैं। प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और इच्छुक उम्मीदवार विभागीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इन ट्रेडों में मिल रहा प्रशिक्षण। संस्थान में विभिन्न एक वर्षीय और दो वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। दो वर्षीय कोर्स में शामिल हैं विद्युतकार, आरएसी, एमसीईए, आईसीटीएसएम, पेंटर जनरल, डीएमएम तथा एक वर्षीय कोर्स में शामिल हैं कोपा, ड्रेस मेकिंग, फैशन डिजाइन टेक्नोलॉजी, कॉस्मेटोलॉजी, वेल्डर, प्लंबर संस्थान की प्रशिक्षण गुणवत्ता को लेकर स्थानीय स्तर पर बेहतर पहचान बन चुकी है। यहां के अनुभवी अनुदेशक जैसे पल्टूराम, बिजेन्द्र प्रताप मौर्य, मोहम्मद अकबर अंसारी, कु. आकांक्षा चौधरी आदि विद्यार्थियों को थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों स्तरों पर दक्षता प्रदान कर रहे हैं। संस्थान द्वारा अधिक से अधिक छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। अनुदेशक पलटू राम के नेतृत्व में संस्थान के प्रशिक्षु व कर्मचारी घर-घर जाकर जागरूकता कार्यक्रम चला रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राएं भी तकनीकी शिक्षा से लाभान्वित हो सकें।

सात पुलिस कर्मी बने दरोगा,एसपी ने कंधे पर लगाए स्टार

गोण्डा। जिले में तैनात सात पुलिस कर्मियों को सब इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति दी गई है। शुक्रवार को पु लिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने सभी के कंधे पर स्टार लगाकर व मिठाई खिलाकर बधाई दी हैं।इनमें खाड़ारे थाने के राजनारायण यादव,देहात को तवाली के शैलेन्द्र यादव व आत्मा सिंह,धानेपुर के मान सिंह,थाना एएचटीयू के गऊचरन,एसपीओ कार्यालय के अवधेश कुमार यादव और यूपीपी सीएल से संबद्ध दिग्विजय यादव शामिल हैं।पुलि स अधीक्षक ने सभी को निर्देश दिए कि अपनी नई जिम्मेदारियों को भलिभांति समझें।तथा प्राथमिका ता के आधार पर जनता की जनसमस्याओं को सु ने व उनके समस्याओं के त्वरित एवं गुणवक्तापूर्ण शत–प्रतिशत निस्तारण कराए।

भारत सरकार की योजनाओं व अनुदानों से कृषकों को कराया गया अवगत

नानपारा, बहराइच। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ख्लविकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गतङ्क जनपद के विकास खंड नवाबगंज के अंतर्गत तीन ग्रामों में शुक्रवार को सहजना , जैद्पुरा एव रामपुर हुसैन बक्श में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ0 पी के सिंह, सुनील कुमार, उमेश कुमार एव संदीप कुमार गौतम ने ग्रामवासियों को संकल्प कृषि के अभियान पर खरीफ फसलों के लिए ड्रिप सिंचाई, ड्रोन तकनीक और जैविक कीटनाशकों के प्रयोग पर चर्चा कर प्रकाश डाला, उन्होने बताया कि सटीक खेती, हाइड्रोपोनिक्स, एक्वापोनिक्स और वर्टिकल फार्मिंग आधुनिक खेती के कुछ उदाहरण हैं जो किसानों के बीच लोकप्रिय हैं। ये विधियाँ दक्षता बढ़ाती हैं, बर्बादी कम करती हैं और उपभोक्ताओं को ताज़ा और टिकाऊ उपज प्रदान करती हैं। खरीफ की फसलें मानसून के दौरान जून से सितंबर के बीच बोई जाती हैं और सितंबर से अक्टूबर में कटती हैं। इनमें प्रमुख फसलों में धान, मक्का, बाजरा, ज्वार, मूंगफली और सोयाबीन शामिल हैं। इन फसलों की उगाई के लिए उच्च तापमान और आद्रता की आवश्यकता होती है, जबकि पकने के लिए सूखा मौसम चाहिए। वैज्ञानिकों ने कहा कि खरीफ फसलों में खरपतवार प्रबंधन के लिए, सस्य विधियों, यांत्रिक विधियों, और रासायनिक विधियों का उपयोग किया जा सकता है। सस्य विधियों में, समय पर बुआई, सही बीज दर का उपयोग, और अच्छी जुताई शामिल है। यांत्रिक विधियों में, हाथ से निराई–गुड़ाई, खरपतवार उखाड़ना, यांत्रिक खरपतवारनाशक, और पानी से खरपतवारों को नष्ट करना शामिल है। रासायनिक विधियों में, खरपतवारनाशी का उपयोग शामिल है एव कई आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। जिसमें ग्रीनहाउस तकनीक, ड्रोन, रोबोट्स, मृदा नमी सेंसर, फार्म ऑटोमेशन, जियो टैगिंग, डिजिटल ट्विन, आदि शामिल हैं। चर्चा में यह भी बताया कि प्रौद्योगिकी आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन गई है, जो हमारे जीने, काम करने और दुनिया के साथ बातचीत करने के हर पहलू को प्रभावित करती है। संचार से लेकर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा से लेकर परिवहन तक, प्रौद्योगिकी ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे सुविधा और दक्षता में सुधार हुआ है।

प्रतिभा एनवायरमेंटल सोसाइटीज द्वारा पर्यावरण दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य मे *प्रतिभा एनवायरमेंटल सोसाइटीज, गोरखपुर के तत्वाधान मे आयोजित जंगल कौड़ियां ब्लाक के*भंडारों गांव में विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि - एडवोकेट राजेश पांडेय,,, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट गोरखपुर, ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 5जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का विषय प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना रखा गया है*परन्तु सच यह है कि प्लास्टिक और पालीथीन जीवन के हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है। करीब 25-30 वर्ष पूर्व सभी के साइकिलों के आगे टोकरी लगी हुई थी, दो पहिया में साइड में डिग्गी लगी होती थीं। बाजार जाने की पहचान लोगो के हाथ में थैले से होती थी । परंतु आज की पीढ़ी इनको हैं हीन भाव से देखती है पॉलिथीन ने पर्यावरण के साथ सामाजिकता के नाश में भी योगदान दिया है वास्तव में पॉलिथीन कलयुगी दानव है जो बहुत कुछ नष्ट कर रहा है।पर्यावरण की प्रति जागरूकता उत्पन्न करने वाले विशिष्ट अतिथि समाजसेवी डॉक्टर शिवचंद्र गौड़ ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए सभी को जागरूक होना पड़ेगा। खाली जगह पर बड़ी संख्या में पेड़ लगाना होगा।इस काम में सरकार की ओर से योजनाएं भी चलाई जा रही हैं पेड़ जीवन को बनाए रखते हैं और एक मां की तरह ही मनुष्य को पोषण सुरक्षा और भविष्य प्रदान करते हैं सरकार की ओर से चलाया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण की प्रति जागरूक भविष्य के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस पहल के तहत कोई भी व्यक्ति एक पेड़ लगाकर अपनी माता को श्रद्धांजलि और स्थाई स्मृति भेट कर सकता है ।समिति के सचिव डॉक्टर गिरीश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण की सुरक्षा करना सभी के लिए प्राथमिकता का विषय है। इसका प्रचार प्रसार एक आंदोलन के रूप में होना चाहिए। महिलाओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने वाली समाजसेवी तथा संस्था की अध्यक्ष प्रतिभा द्विवेदी ने कहा कि मनुष्य को अगर अपने अस्तित्व को बनाए रखना है तो उसे अपनी मानसिकता व जीवन शैली में बदलाव लाना होगा। और प्लास्टिक पॉलिथीन के विकल्पों को मजबूती से अपनाना होगा। कार्यक्रम में डॉक्टर राकेश कुमार उपाध्याय, सत्यभामा द्विवेदी, वंदना त्रिपाठी ,जनार्दन उपाध्याय ,राधे मोहन ,निशा मिश्रा, कमलापति ,श्याम देव, राम नारायण ,एडवोकेट प्रमोद्धार दुबे, वाई पी एन गिरी ,जयप्रकाश मिश्रा, सौतम आदि लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

धूमधाम से हुआ मृतक के बहन की शादी,घराती बनी पुलिस ने किया बारातियों का स्वागत

पुलिस अधीक्षक और सीओ एसटीएफ ने पत्नी संग दिया नवदंपती को आशीर्वाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा।जिले उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र में बदमाशों की गोली का शिकार हुए मृतक शिवदीन के बहन की शादी बृहस्पतिवार को पूरे धूमधाम के साथ हुई एसपी विनीत जायसवाल और उनकी पत्नी डॉ. तन्वी जायसवाल,सीओ एसटीएफ डीके शाही व उनकी पत्नी तथा राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही ने बारात की अगवानी की और नवदंप ती को सुखद वैवाहिक जीवन का आशिर्वाद दिया। जिले भर के पुलिसकर्मी इस विवाह में घराती की भूमिका में रहे।शादी का पूरा खर्च भी पुलिस व एसटीएफ ने उठाया।पीड़ित परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने का गोंडा पुलिस का यह मानवीय चेहरा हमेशा के लिए लोगों के दिलों में बस गया।पीड़ित परिवार की बेटी के विवाह में शामिल होकर अफसरों ने इसे ऐतिहासिक बना दिया।पूरे जिले के लोगों ने पुलिस के इस कार्य को मानवता की मिसाल करार दिया और इसकी चारों तरफ खूब सराहना हो रही है।जिले के उमरी बेगम गंज थाना क्षेत्र के डिक्सिर धन्नीपुरवा गांव के रहने वाले 22 वर्षीय शिवदीन की सशस्त्र बदमाशों ने 24 अप्रैल की रात गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस वारदात ने पीड़ित परिवार की खुशियां छीन ली थी और मृतक की बहन उदय कुमारी का 5 मई को होने वाला वैवाहिक कार्यक्रम टल गया था। घटना में शामिल दो बदमाशों को पुलिस ने एक महीने के भीतर पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया था।वहीं जब मृतक के बहन की शादी टलने की जान कारी एसपी विनीत जायसवाल को हुई तो उन्होने अपनी पत्नी डॉ तन्वी जायसवाल को पीड़ित परि वार के पास भेजा।डॉ.तन्वी ने परिजनों से मुला कात की और उन्हे बेटी के विवाह में हर संभव मदद का भरोसा देते हुए फिर से वैवाहिक कार्य क्रम की तैयारी शुरू करायी।उन्होने परिवार को 1.51 लाख रुपये नकद व अन्य उपहार दिया। एसपी की पहल के बाद राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही व यूपी एसटीएफ ने भी उदय कुमारी के विवाह की जिम्मेदारी उठाने की घोषणा की थी।

बारात पहुंचने से पहले ही आगवानी में खड़े रहे पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी

उदय कुमारी के विवाह में शामिल होने के लिये यूपी एसटीएफ के सीओ डीके शाही व उनकी प त्नी तथा राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही शान चार बजे ही धन्नीपुरवा पहुंच गए। एसपी विनीत जायसवाल पत्नी डा तन्वी जाय सवाल के साथ बारात आने से पहले ही उदय कुमारी के घर पहुंचे।अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम रायव सीओ तरबगंज उमेश्वर प्रभात सिंह पुलिस टीम के साथ पहले ही कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे।जब बारात गांव पहुंची तो जिले के आला अफसर उनकी आगवानी में खड़े थे।?पुलिस के अधिकारी और पुलिस कर्मियों की मौजूदगी को देख बाराती फूले नहीं समा रहे थे।दूल्हा बने प्रदीप राजपूत ने कहा कि उन्होने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरी शादी में इतने बड़े अफसर अधि कारी होंगे।जब उदय कुमारी के घर पर घटना हुई तो लगा कि शादी टूट जायेगी लेकिन जिले के एसपी विनीत जयसवाल ने जो कार्य किया है वह मान वता की मिसाल है।उन्हे अपनी शादी जीवन भर याद रहेगी।वहीं दुल्हन उदय कुमारी व उसके परि जनों ने एसपी विनीत जायसवाल,गोंडा पुलिस, राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही, एसटीएफ सीओ डीके शाही,स्थानीय विधायक, ब्लाक प्रमुख व अन्य सभी सहयेगियों को धन्यवाद दिया।

अधिकारी , विधायक,ब्लाक प्रमुख व ग्राम प्रधान ने भी किया सहयोग

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक,विनीत जायसवाल ने कहा कि उदय कुमारी के विवाह मे गोंडा पुलिस व एसटीएफ के साथ तरबगंज विधायक प्रेम नरायन पांडेय, ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह गुडडू व गांव के प्रधान ने भी सहयोग किया। विधायक के बेटे विनोद पांडेय वैवाहिक समारोह में मौजूद रहे। उन्होने नव दंपति को आशिर्वाद स्वरूप इन्वर्टर, सोने की अंगूठी व अन्य सामान दिया। पुलिस, एसटीएफ ब्लॉक प्रमुख व ग्राम प्रधान के सामूहिक सहयोग से पंडाल सज वाया गया और भोजन आदि की व्यवस्था करायी गयी।पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस का यह कार्य संवेदनशीलता व सामाजिक सरोकार का परिचायक बना।हमारा प्रयास न केवल अपराध पर नियंत्रण करना बल्कि पीड़ितों के जीवन को संबल देना भी है। इस विवाह आयोजन के माध्यम से गोण्डा पुलिस ने मानवीय मूल्यों को निभाते हुए समाज के प्रति अपने दायित्व को और दृढ़ता से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। इस पूरे प्रकरण में गोण्डा पुलिस और एसटीएफ ने न केवल कानून व्यवस्था का पालन कराया, बल्कि एक अभिभावक की भूमिका निभाकर अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन किया। हम केवल अपराधियों के विरुद्ध नहीं, बल्कि जरूरतमंद व पीड़ित जनमानस के साथ भी हमेशा खड़े हैं।

मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम के दृष्टिगत डीएम व एसपी ने किया स्थलीय निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जनपद बहराइच में चित्तौरा झील के तट पर स्थित महाराजा सुहेलदेव जी के नवनिर्मित स्मारक स्थल के लोकार्पण/उद्घाटन हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के संभावित जनपद आगमन के दृष्टिगत बृहस्पतिवार को देर शाम जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक रामानन्द कुशवाहा, उप जिलाधिकारी सदर पूजा चौधरी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के साथ स्मारक का भ्रमण कर जायज़ा लिया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। डीएम व एसपी ने संभावित कार्यक्रम के मद्देनज़र सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश,पेयजल,मंच एवं पण्डाल, पार्किंग, बैरीकेडिंग, आवागमन के मार्ग व नेटवर्क सहित तमाम व्यवस्थाओं की तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों सहित सभी श्रमिकों आदि की मूलभूत आवश्यकताओं का भी पूरा ध्यान रखा जाए। डीएम ने कहा कि गर्मी की दृष्टिगत सुबह व शाम दो अलग–अलग शिफ्टों में कार्य किया जाए तथा सभी के लिए शुद्ध पेयजल, शरबत आदि की व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने टीडीएम को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर नेटवर्क की यथोचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डीएम ने कार्यदायी संस्थाओं को स्मारक स्थल पर आवश्यकता अनुसार रंग–रोगन व साफ सफाई का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रैफिक को सुचारू रूप से गतिमान रखने के लिए कार्य योजना बनाते समय इस बात का भी ध्यान रखा जाए की आवागमन में आम जनमानस को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। डीएम ने सभी अधिकारियों को प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

भावनात्मक जुड़ाव और इंसानियत की मिसाल बना शकील भारती का जन्मदिन

नानपारा, बहराइच। जब अधिकांश लोग अपना जन्मदिन धूमधाम और निजी जश्न के साथ मनाते हैं, वहीं वरिष्ठ पत्रकार और नानपारा जिला बनाओ समिति के संयोजक शकील भारती ने इस दिन को समाज के उन वर्गों के नाम किया जो अक्सर उपेक्षित रह जाते हैं। शुक्रवार सुबह शकील भारती अपने साथियों के साथ नानपारा स्थित लेबर मंडी पहुँचे और वहां मेहनतकश मजदूरों से मुलाकात की, उन्होंने मजदूरों से हालचाल पूछा, उन्हें आर्थिक सहायता दी और फल वितरित किए। उन्होंने न केवल मदद की, बल्कि उनके साथ कुछ वक्त भी बिताया, ऐसा वक्त जो भावनात्मक जुड़ाव और इंसानियत की मिसाल बन गया। बाद में वह गांधी पार्क के समीप मजदूर मंडी पहुंचे और वहां भी उन्होंने सहयोग राशि के साथ साथ फल वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश की रीढ़ किसान और मजदूर हैं। इनके बिना कोई भी विकास कार्य संभव नहीं। जो व्यक्ति रोज़ अपनी मेहनत से परिवार का पेट पालता है, उसके साथ कुछ पल बिताना मेरे लिए किसी सम्मान से कम नहीं। इस पहल में उनके साथ कई सामाजिक और मीडिया जगत से जुड़े चेहरे मौजूद रहे, जिनमें संकल्प सेवा संस्थान, जिला बनाओ समिति के वॉलिंटियर इन चीफ मनोज तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता सरदार सतपाल सिंह काके सहित कई अन्य लोग शामिल थे। शकील भारती की यह पहल यह दिखाती है कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए केवल बड़ी योजनाएं नहीं, बल्कि छोटे-छोटे मानवीय प्रयास भी बेहद प्रभावशाली हो सकते हैं।

पालिकाध्यक्ष ने केक काटकर मनाया मुख्यमंत्री का जन्मदिन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल, शहर के सभासदों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर केक काटा गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की।

पालिकाध्यक्ष, सभासद और भाजपा कार्यकर्ता नेहरू पार्क में एकत्र हुए और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के उपलक्ष में के काटा। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल, भाजपा नगर अध्यक्ष इंद्रेश चौहान, सभासद विपिन कुमार राजू फौजी, अवतार सिंह मोनू, वतनदीप मिश्रा, राशिद हुसैन, विकास बाबू, नंदकिशोर कश्यप, सचिन चौधरी, देव प्रकाश, दीप अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, रोहित कुमार सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व में उठाए गए मुद्दों को लेकर हिन्दू महासभा फिर हुई मुखर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली और नागरिकों की उपेक्षा को लेकर अखिल भारत हिन्दू महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से जनहित से जुड़े कई गंभीर मुद्दों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।हिन्दू महासभा का कहना है। कि शहर की यातायात व्यवस्था दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है।जिसमें सबसे बड़ी समस्या बाजार क्षेत्रों में पार्किंग की अनुपलब्धता है। संगठन का मत है कि प्रशासन द्वारा पूर्व में चिन्हित मीना बाजार जैसे स्थलों को कब्जा मुक्त कर यदि पार्किंग स्थल के रूप में विकसित किया जाए, तो न केवल जाम की समस्या से राहत मिलेगी, बल्कि नागरिकों और व्यापारियों को भी सुविधा मिलेगी।इसी क्रम में रेलवे स्टेशन के पास स्थित मूलचंद धर्मशाला की जर्जर स्थिति पर भी चिंता जताई गई। संगठन ने मांग की कि इस ऐतिहासिक धर्मशाला का जीर्णोद्धार कर इसे अयोध्या या हरिद्वार की तर्ज पर आधुनिक स्वरूप में बदला जाए, जिससे बाहर से आने वाले यात्रियों, विशेषकर रोगियों को रुकने की सस्ती और सुविधाजनक व्यवस्था मिल सके।सुरक्षा की दृष्टि से टनकपुर हाईवे पर स्थित गौहनिया तालाब के चारों ओर बाउंड्री न होने को भी एक गंभीर समस्या बताया गया। पूर्व में आत्महत्या जैसी कई घटनाओं की ओर इशारा करते हुए संगठन ने इस तालाब की शीघ्र बाउंड्री निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया।शहर में अनियंत्रित ई-रिक्शा संचालन को भी समस्याओं की जड़ बताया गया। संगठन ने नाबालिग चालकों की बढ़ती संख्या और यातायात नियमों की अनदेखी पर चिंता जताते हुए इनके लिए तय रूट और सख्त निगरानी की मांग की।

ज्ञापन में रोडवेज बस अड्डे के निर्माण को लेकर भी आपत्ति दर्ज की गई है। दियुनी केसर क्षेत्र में प्रस्तावित नया बस अड्डा शहर से दूर होने के कारण असुविधाजनक बताया गया। इसके स्थान पर लकड़ी मंडी क्षेत्र की सरकारी भूमि को अधिक उपयुक्त बताते हुए वहां बस अड्डा बनाने और वर्तमान स्थान को वर्कशॉप के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया गया।

साथ ही, फौजी पड़ाव क्षेत्र की सरकारी संपत्ति पर हो रहे अवैध कब्जे को तुरंत हटाकर जनहित में उसका उपयोग सुनिश्चित करने की मांग भी की गई।हिन्दू महासभा ने स्पष्ट किया कि ये सभी समस्याएं नागरिक जीवन से सीधा संबंध रखती हैं और लंबे समय से अनदेखी का शिकार हैं। संगठन ने प्रशासन से अनुरोध किया कि इन सभी मुद्दों पर शीघ्र संज्ञान लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। ज्ञापन के साथ पहले सौंपे गए सभी ज्ञापनों की प्रतिलिपियाँ भी संलग्न की गईं।इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा, जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा, जिला महामंत्री मयंक जायसवाल, युवा जिलाध्यक्ष गौरव शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वेश कुमार उपस्थित रहे हैं।

कंपोजिट विद्यालय बरहा में विज्ञान परिचर्चा में 'सेल : विद्युत ऊर्जा का स्रोत' विषय पर चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। कंपोजिट विद्यालय बरहा में चल रहे समर कैंप के अंतर्गत शुक्रवार को विज्ञान सामूहिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह आयोजन 'समाधान आईएपीटी अन्वेषिका' के तत्वावधान में किया गया, जिसमें छात्रों को 'सेल : विद्युत ऊर्जा का स्रोत' विषय पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा द्वारा किया गया। लक्ष्मीकांत शर्मा ने छात्रों को बताया कि सेल विद्युत ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है, जो मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं ऽ प्राथमिक सेल और द्वितीयक सेल। उन्होंने समझाया कि प्राथमिक सेल में रासायनिक ऊर्जा सीधे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित होती है, जबकि द्वितीयक सेल में पहले विद्युत ऊर्जा को रासायनिक ऊर्जा में बदला जाता है, जो बाद में फिर से विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित की जाती है। चार्ज किए जाने वाले सभी सेल द्वितीयक श्रेणी में आते हैं। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को शुष्क सेल (ड्राई सेल) को खोलकर उसके विभिन्न घटकों ऽ जैसे कार्बन छड़, जस्ते का खोल, मैंगनीज डाइऑक्साइड, अमोनियम क्लोराइड पाउडर, धात्विक कैप आदि ऽ से परिचित कराया गया। छात्रों को बताया गया कि एक सामान्य शुष्क सेल का ईएमएफ (विद्युत वाहक बल) 1.5 वोल्ट होता है। श्री शर्मा ने सेल और बैटरी के बीच का अंतर भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जब कई सेलों को इस प्रकार जोड़ा जाता है कि उनका कुल प्रतिरोध कम हो और अधिक ऊर्जा मिल सके, तब वह समूह बैटरी कहलाता है। परिचर्चा के अंतर्गत छात्रों को स्वयं पुराने सेल तोड़कर उसके आंतरिक भागों को देखने और समझने का अवसर भी प्रदान किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों को मापन, वायुदाब, घर्षण एवं गुरुत्व केंद्र से संबंधित कई वैज्ञानिक प्रयोग करके दिखाए गए। छात्रों ने स्वयं प्रयोग करके उनमें निहित वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझा। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य ममता गंगवार, शिक्षक संतोष खरे सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने छात्रों के बीच विज्ञान के प्रति जिज्ञासा को बढ़ाया और उन्हें व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया।

टैंक हादसा: पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे सपा नेता, पीड़ित परिवार को दी आर्थिक सहायता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेल्हा में बुधवार दर्दनाक घटना हुई थी। घर के बाहर बने सेप्टिक टैंक में सफाई के दौरान पुराने टैंक से गैस का रिसाव होने से प्रह्लाद मंडल, उनकी पुत्री तनु विश्वास व तनु के पति कार्तिक विश्वास की दम घुटने से मौत हो गई थी पोस्टमॉर्टम के बाद बृहस्पतिवार को तीनों के शव गांव पहुंचे तो लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था गमगीन माहौल में तीनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया था बड़ी पुत्री के पुत्र ने नाना और मासूम तीन पुत्रियों ने अपने माता-पिता को मुखाग्नि दी। जनप्रतिनिधि और अफसर भी मौजूद रहे थे आज पीड़ित परिवार के बीच समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सपा नेता राजकुमार ''राजू'' ने पहुँचकर घटना की पूरी जानकारी ली एव हाल चाल जाना साथ ही आर्थिक सहयोग कर आगे भी हर सभव मदद का भरोसा दिलाया इस दौरान सपा नेता राजकुमार ''राजू'' भी बेहद भावुक दिखे उन्होने कहा की ''घटना बेहद दर्दनाक है हम लोग इस दुःख को साझा करने के लिये ही परिवार के बीच पहुँचे है उन्होंने हमेशा पीड़ित परिवार के साथ रहने का उन्हे आश्वासन दिया इस मौके पर बड़ी संख्या मे ग्राम वासियों की उपस्तिथि रही आने जाने वालो का सिलसिला लगातार जारी है। इस दौरान सपा नेता राजकुमार ''राजू'' के साथ समाजवादी महिला सभा प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश परिहार,अध्यक्ष महिला सभा मीता सिंह,ग्राम प्रधान विधु बैरागी,शिवम यादव,ठाकुर दास,अमल,रत्न विश्वास,आकाश भारती आदि उपस्तिथ रहे है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने की शोक सभा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वर्गीय राघवेन्द्र नाथ मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एक शोक सभा रखी गई।29 मई को संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष स्वर्गीय राघवेन्द्र नाथ मिश्रा जी का लम्बी बीमारी के बाद देहांत हो गया था।सम्पूर्ण संगठन में शोक की लहर दौड़ गई।इस शोक सभा में प्रदेश संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार गुप्ता ने पंडित जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित जी की कमी निश्चित रूप से हमेशा खलेगी, मगर हम सबको उनको सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनकी इच्छानुसार संगठन को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का कार्य करना है। जिला अध्यक्ष अर्जुन सिंह टहलानी ने कहा कि आदरणीय पंडित जी हम सभी के प्रेरणास्त्रोत थें,उनकी डांट में भी एक आशीर्वाद और स्नेह की तरह प्यार बरसता था,उनका आशीर्वाद सदैव हम पर और संगठन पर बना रहें।मंडल उपाध्यक्ष डालचंद सक्सेना ने कहा कि पंडित जी लम्बे समय से संगठन से जुड़े थे ना जाने कितने व्यापारियों को संगठन से जोड़ने का प्रयास किया था।जिला महामंत्री स्वतंत्र देवल ने कहा कि पंडित जी विभिन्न संगठनों में अपना प्रतिनिधित्व करते थे,उसके बाबजूद व्यापार मंडल के लिए वह हर क्षण खड़े रहते इस, उनका स्नेह हमें हमेशा एक पिता तुल्य जैसा मिलता रहता था,संगठन के प्रदेश मुखिया प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा जी ने भी पत्रक के माध्यम से आदरणीय पंडित जी को श्रद्धांजलि एवं शोक संवेदनाएं व्यक्त की।अंत में आये हुए सभी व्यापारी ने पंडित जी को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए।इस शोक सभा में जिला कोषाध्यक्ष संजीव शर्मा,जिला उपाध्यक्ष रामनाथ सक्सेना,प्रेम गंगवार,राजेश वैश्य,अशोक शर्मा,धर्मेन्द्र निमरानी, मनीष गुप्ता, नवीन सब्बरवाल, नगर अध्यक्ष रवि शर्मा, महामंत्री हरिपाल यादव, श्याम गुप्ता,पंकज अग्रवाल, राजन सिंह,निखिल अग्रवाल, संतोष सक्सेना,हर्षल जैसवार,महेश पाठक,संजीव गुप्ता,आशु अग्रवाल, हरीश ढुलवानी सहित अन्य व्यापारी गण उपस्थित रहे हैं।

लकड़ी कारोबारी ने पर्यावरण दिवस पर किया हरियाली का कत्ल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

थाना इन्हौना क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान की खेवनहारों ने निकाल दी हवा

पुलिस ने उच्चाधिकारियों के निर्देश पर लकड़ी कारोबारी के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

अमेठी। थाना इन्हौना क्षेत्र के लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हिन्दुस्तान ढाबा के पीछे बेखौफ लकड़ी कारोबारियों द्वारा पर्यावरण दिवस पर पुलिस व वन विभाग की सांठगांठ से हरे आम की बाग पर आरा चलाकर हरियाली का कत्ल कर दिया गया है। कागज के चंद टुकड़ों की लालच में पुलिस और वनकर्मी मूकदर्शक बने रहे। ग्रामीणों द्वारा उच्चाधिकारियों से की गई शिकायत के बाद पुलिस की नींद टूटी और एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्जकर उसकी मोटर साइकिल को सीजकर दिया है। सूबे के मुख्यमंत्री के साथ ही जनपद के आला अधिकारियों द्वारा पर्यावरण दिवस पर आम जनमानस को एक पेड़ मां के नाम रोपित करने का पाठ पढ़ाते हुये वृक्षारोपण के लिये प्रेरित किया लेकिन वन रेंज तिलोई के वन कर्मियों की खाऊ कमाऊ नीति और पुलिस के संरक्षण में लकड़ी कारोबारी द्वारा दिनदहाड़े प्रतिबंधित पेड़ों पर आरा चलाकर हरियाली का कत्ल कर दिया गया और आम जैसे फलदार पेड़ों को पलभर में धराशयी कर दिया गया जो कि पुलिस और वन कर्मियों की कार्यशैली की पोल खोल रही थी। ग्रामीणों द्वारा पुलिस के साथ ही वन विभाग से आपत्ति दर्ज कराई गई लेकिन इन सरकारी नुमाइंदों के कानों पर जूं नही रेंगी। आम जनमानस की मानें तो पुलिस और वन विभाग द्वारा इन दिनों तू डाल डाल मैं पात पात की तर्ज पर कार्य को अंजाम देकर पेड़ कटाओ पैसा कमाओ अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत कटान प्रारम्भ होने से पूर्व ही खेवनहारों के पास चढ़ावा चढ़ा दिया जाता है।थाना इन्हौना के थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा कटान स्थल से आम की लकड़ी के बाइस बोटा को कब्जे में लेकर एक बुलेट मोटर साइकिल को सीजकर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पूरे भट्ठा मजरे आजादपुर निवासी आसिफ पुत्र तहरीम के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्जकर लिया गया है।

खबर छपते ही निरीक्षण करने पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अवैध अस्पाताल व पैथालॉजी संचालको में मचा हड़कंप

सुल्तानपुर। समाचार पत्र में खबर छपते ही बल्दीराय स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अवैध मेडिकल स्टोरों और निजी अस्पतालों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया है। समाचार पत्र ने 4 जून के अंक में अवैध अस्पतालो व पैथालॉजी का गढ बना बल्दीराय शीर्षक नामक खबर प्रकाशित की थी जिसे स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित संज्ञान में लिया और जांच टीम गठित करते हुए विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत टीम ने बल्दीराय, पारा बाजार और बहुरावां क्षेत्र के कई निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया। टीम के निरीक्षण में दौरान कई अस्पताल मानक के विपरीत मिले किंतु उनके ऊपर कारवाई नहीं हुई सिर्फ हिदायत देकर कार्यवाही की इति श्री की गई। मानक के अनुरूप नही है अस्पाताल व पैथालॉजी बल्दीराय तहसील क्षेत्र में मानक के विपरीत कई पैथालॉजी व अस्पताल स्वास्थ्य विभाग की मिली भगत से चल रहे हैं, सब कुछ देखते हुए भी स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम ने ऐसे अस्पतालों को क्लीन चिट दे दिये। स्वास्थ्य विभाग की मानक के अनुसार अस्पतालों में डॉक्टर सहित अस्पताल के समस्त स्टाफ का नाम बाहर चस्पा किया जाना चाहिए मरीजों की इलाज की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए लेकिन किसी अस्पताल में ना तो स्टाफ का नाम बाहर चस्पा किया गया है न हीं मरीज को सुविधा उपलब्ध है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीम सिर्फ अस्पताल के संचालकों को हिदायद देकर क्लीन चिट दे रहा है। यही नहीं क्षेत्र के अधिकांश मेडिकल स्टोर पैथोलॉजी अस्पताल का लाइसेंस दूसरे के नाम पर है और संचालन कोई दूसरा कर रहा है। अगर स्वास्थ्य विभाग की टीम क्षेत्र के नर्सिंग होम व पैथालॉजी की निष्पक्ष जांच करे तो अधिकांश अवैध रूप से चल रहे पैथालॉजी की पोल दर परत दर खुल सकती है।

जिलाधिकारी ने मनरेगा हर्बल पार्क एवं ओपन जिम का किया निरीक्षण

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने विकासखण्ड ललौरीखेड़ा क्षेत्र के अन्तर्गत मीरापुर सियाबाडी पट्टी में पहुंचकर मनरेगा हर्बल पार्क एवं ओपन जिम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पार्क में साफ सफाई व्यवस्था देखी। निरीक्षण के दौरान पार्क की साफ सफाई व्यवस्था पर नाराजगी व्यक्त करते हुये ग्राम प्रधान को पार्क की साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पार्क में आने वाले व्यक्ति के बैठने की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा खराब सामानों को बदलवाने एवं मरम्मत कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सदर, ग्राम प्रधान सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सदर तहसील में 9 जून को आयोजित होगा समाधान दिवस

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है।कि आज दिनांक 07.06.2025 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील पीलीभीत का सम्पूर्ण समाधान दिवस ईदुज्जुहा बकरीद ईद का अवकाश होने के कारण अब सम्पूर्ण समाधान दिवस दिनांक 09.06.2025 को आयोजित किया जायेगा।

हाफिज नूर अहमद अजहरी ने दिया बयान, दुसरे धर्म के लोगों की आस्थाओं का ख्याल रखकर करे कुर्बानी

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ऑफ़ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हाफिज नूर अहमद अजहरी ने बकरा ईद पर्व को लेकर शुक्रवार चार बजे एक वीडियो बयान जारी कर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। जिसमें उन्होंने बकरा ईद पर्व पर होने वाली कुर्बानी को लेकर कहा कि दुसरे धर्म के लोगों की आस्थाओं का ख्याल रखते हुए कुर्बानी करे और कुर्बानी बंद जगह पर करे व नालियों में खून न बहाए जिससे किसी को दिक्कत या परेशानी हो।

भादर में आयोजित चिन्हांकन शिविर में 85 दिव्यांगों को किया गया चिन्हित

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि जनपद के विकास खण्ड भादर परिसर में दिव्यांग चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत कुल पचासी दिव्यांगजन कृत्रिम अंग,सहायक उपकरण के लिए उपस्थित हुये जिसमें ट्राईसाइकिल के इकतीस, बैसाखी के अठारह, मानसिक मंदित किट हेतु नौ, व्हील चेयर के छह, स्मार्ट केन के चार, कान की मशीन के दो, पेंशन के पांच, यूडीआईडी कार्ड के दस दिव्यांगजनों को चिन्हित किया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान उक्त चिन्हांकन शिविर में खंड विकास अधिकारी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, चिकित्सक, एडीओ समाज कल्याण सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कर्मचारी एवं विकास खण्ड के कर्मचारी मौजूद रहे। इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि विकास खण्ड के विभिन्न गांव से आए दिव्यांगजनो आयोजित ने शिविर में अपना चिन्हांकन कराने के साथ ही अन्य योजनाओं का लाभ लिया तथा दिव्यांगजन हेतु आगामी चिन्हांकन शिविर का आयोजन दस जून को विकास खण्ड भेंटुआ परिसर में आयोजित किया जायेगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार चोटहिल

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ सुल्तानपुर राजमार्ग पर स्थित इन्हौना थाने के सामने अज्ञात वाहन की टककर से बाइक सवार दो लोग छोड़िल हो गये हैं। टक्कर मारने के बाद वाहन फरार हो गया। थाना क्षेत्र के गांव पूरे जयलाल दुबे निवासी मिलन अपने दोस्त गोसाई का पुरवा निवासी अंकुर यादव के साथ इन्हौना बाजार जा रहे थे तभी थाने के सामने किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर पड़े और दोनों को चोटे आयी हैं। ग्रामीणों की मदद से दोनों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं जहां उनका उपचार चल रहा हैं।

बस कहने को है जिला मलेरिया अधिकारी, विभागीय रोस्टर तक की नही है जानकारी

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मलेरिया विभाग का काम क्या है, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विभाग को जनता से जुडी समस्याओं के निदान के लिए क्या करना है। इसकी जानकारी जिला मलेरिया अधिकारी बंशीलाल 'यादव' को नहीं, उन्हें यह भी जानकारी नही है कि शहर के 25 वार्डों में कहां कब मासक्विटो कलेक्शन सेंटर के माध्यम से लार्वा की जांच और उसके खात्में के लिए क्या करना होता है। बंशीलाल यादव को रोस्टर तक की जानकारी नही है, सवाल पूंछने पर आपा खो देने वाले डीएमओ पूर्व में भी ऐसी ही कृपा-कलाप में रहें है, जिसका पूर्व के दो मुख्य चिकित्साधिकारियों ने संज्ञान लेकर नाराजगी जताई थी।

वाटर स्प्रिंकलर वाहन विथ हाई प्रेशर जेटिंग मशीन का किया लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा शहर में बढ़ती हुयी गर्मी, हीट वेव से बचाव एवं प्रभावों को न्यून करने व सामान्य अग्निशमन के लिए पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल द्वारा वाटर स्प्रिंकलर वाहन विथ हाई प्रेशर जेटिंग मशीन का विधिवत पूजन कर हरी झण्डी देकर लोकार्पण किया गया। 'पालिकाध्यक्ष ने बताया कि इस वाहन के उपयोग से सड़क पर राहगीरों व आमजनमानस को धूल शमन व भीषण गर्मी से राहत मिलेगी, वायु प्रदूषण को भी कम करेगा, साथ ही सड़कों व डिवाइडरों की धुलाई व सामान्य आग लगने पर उपयोगी है'। इस अवसर पर पालिका के अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र सरोज, सभासद सुधीर तिवारी, विजय कुमार जायसवाल, भैयादीप सिंह, मो0 आरिफ, अफजल अंसारी, रमेश सिंह ''टिन्नू'', गिरीश कुमार मिश्र, अखिलेश मिश्र, अरविन्द यादव एवं अजय सिंह, देवानन्द, अहमद भाई, राजू पीको, संदीप गुप्ता, मंगरू प्रसाद प्रजापति एवं सै0 अख्तर मेंहदी आब्दी कर अधीक्षक, प्रवीण सिंह राजस्व निरीक्षक, श्रीमती अधूलिका, सफाई निरीक्षक, पुनीत कुमार गुप्ता, प्र0 कार्यालय अधीक्षक, पवन कुमार शुक्ला, प्र0जल-कल लिपिक, कुॅवर प्रताप सिंह, हनुमान सिंह, प्रशान्त रावत, दीपक रावत, साहिल आदि कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनाब मुस्लिम इब्ने अकील की शहादत पर मजलिस व जुलूस का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद जामा मस्जिद अमहट में एक मजलिस हुई जिसको मौलाना मोहम्मद जाफर खान ने पढ़ा,उन्होंने बताया कि मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन अ.ने.ईराक के कूफा शहर में अपने चचेरे भाई को अपना उत्तराधिकारी व राजदूत बनाकर कूफा भेजा था और स्वयं हुसैन करबला आ रहे थे। यजीदी हुकूमत ने जनाबे मुस्लिम को 9जिलहिज सन 60 हिजरी को शहीद कर दिया उसी याद में शिया बाहुल्य इलाके अमहट गोराबारिक मजलिस के बाद शबीह ताबूत का जुलूस उठकर हुसैनिया नौतामीर पर समाप्त हुआ। जिसमें अंजुमन असगरिया गोराबारिक असगरिया कदीम अमहट ने नौहा मातम किया इसके अलावा अलीगढ़, अलीनगर, तुराबखानी, खैराबाद, हसनपुर, मनियारपुर, जूड़पुर, प्रतापपुर, मनियारी, वलीपुर, कारीभीट, इसौली, सैदखानपुर, लुसहा, भाई, पीथापुर, लौहर दक्षिण,सैदपुर चीनी मिल हयातनगर, कोटवा, सुरौली, मूॅगर ,बेलहरी, पियारेपुर, सजैया, करीमपुर, चुनहा, करौंदिया माल्हा में मजलिस व जुलूस का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफ़ेयर एसोसिएशन सुलतानपुर ने दी है ।

जश्न और हादसा

तुरत-फुरत क्रिकेट वाले दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चौलेंजर्स बंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली को टीम ने खास तोहफा ही दिया। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक तब फीकी पड़ गई जब चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में ग्यारह लोगों की दुखद मुत्यु हो गई। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास दो लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मीडिया को जानकारी दी कि घटना में ग्यारह लोगों की मौत हुई है और 33 लोग घायल हो गए हैं। बहरहाल, आईपीएल का आयोजन व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततरू विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। कोहली, पिछले टी-20 विश्व कप और कुछ महीने पहले वनडे चौंपियंस ट्राफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। वे प्रारंभ से ही आईपीएल का खिताब जीतने के लिये दृढ़ संकल्पित दिखे। इसका समापन भी उन्होंने खास अंदाज में किया। क्रिकेट प्रेमियों ने बखूबी देखा कि उनके खेल में वह चमक बरकरार है जो डेढ़ दशक पहले क्रिकेट मैदान में उतरने पर खेल प्रेमियों को चकित किया करती थी। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। घ्वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। हालांकि, वे क्रिकेट के टेस्ट क्रिकेट छोड़कर अन्य प्रारूपों में अपना शानदार खेल दिखाते रहेंगे। वहीं दूसरी ओर एमएस धोनी को आईपीएल में पांच बार की कामयाबी के बावजूद इस बार खिताबी जीत न दिला पाने का मलाल जरूर रहेगा। यह हकीकत है कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम धोनी के अनुभव का लाभ उठाने से चूक गई। वैसे इस बार के आईपीएल टूर्नामेंट में श्रेयस अय्यर ने शानदार प्रदर्शन के जरिये किसी भी फ्रेंचाइजी के लिये जाने-माने कप्तान के रूप में अपनी स्थिति मजबूत ही की है। बीते साल कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने के बाद उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व संभाला। उनके नेतृत्व में पंजाब किंग्स ने पिछले एक दशक के बाद प्रभावशाली प्रदर्शन के जरिये फाइनल में जगह मजबूत की। वह बात अलग है कि फाइनल में श्रेयस की प्रतिभा को श्रेय न मिल सका। हालांकि, बाकी मैचों में उन्होंने टीम को प्रभावशाली नेतृत्व जरूर दिया। भारत के नये टेस्ट क्रिकेट कप्तान शुभमन गिल ने टूर्नामेंट के अंत में लड़खड़ाने से पहले गुजरात टाइटन्स का अच्छा नेतृत्व दिया। हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस को तब तक मुकाबले में बनाए रखा जब तक कि वह साहसी पंजाब की टीम द्वारा बाहर नहीं हो गई। निस्संदेह, इस आईपीएल टूर्नामेंट में युवा ब्रिगेड ने पूरी ताकत झोंककर उम्मीदों को नया मुकाम दिलाया। अब चाहे वह अभिषेक शर्मा हों, प्रियांश आर्य, आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन, शशांक सिंह या ऑल-ऑफ-14 वैभव सूर्यवंशी हों। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन पर भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष की छाया भी पड़ी। लेकिन थोड़े व्यवधान के बावजूद खेल जारी रहा। सीमा पर तनाव के बीच भारत व पाकिस्तान की क्रिकेट लीग चलती रही है, लेकिन लोकप्रियता की बाजी भारत ने मारी। बंगलुरु हादसे की दुखद घटना के बावजूद आईपीएल अपने मुकाम तक पहुंचने में किसी हद तक कामयाब रहा है। निश्चय ही आईपीएल एक ऐसा मंच बन गया है कि जिसमें आम घरों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी तथा परिवार की आर्थिकी सुधारने का मौका मिलता है, वहीं चयनकर्ताओं को राष्ट्रीय टीम हेतु प्रतिभाएं तलाशने का एक उम्दा अवसर भी मिल जाता है।

सबका स्वागत करता है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं, ''अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा''। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से कांग्रेस, समाजवादी एवं कम्युनिस्ट नेताओं के साथ गहरा परिचय था। वो संघ के दर्शन से अवगत कराने के लिए विभिन्न विचारों के विद्वान व्यक्तियों एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं से मिलते थे और उन्हें संघ कार्यक्रमों में आमंत्रित करते थे। संघ के वर्तमान अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में लिखते हैं, किसी विषय पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग से मिलते हैं, संवाद करते हैं, तो अवश्य ही समाधान निकलता है। संघ 1930 के दशक से ही समाज जीवन में सक्रिय लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलाता रहा है। दरअसल, एक और महत्वपूर्ण बात है यह कि संघ को विश्वास है कि जब तक कोई संघ से दूर है, तब तक ही वह संघ का विरोधी हो सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सबके लिए खुला संगठन है। इसके दरवाजे किसी के लिए बंद नहीं हैं। नागपुर में आयोजित संघ शिक्षावर्ग 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-2' के समापन समारोह में जनजाति वर्ग के कद्दावर नेता अरविंद नेताम का शामिल होना कइयों को खल गया। कुछ ने वितंडावाद भी खड़ा किया। इस वितंडावाद की हवा स्वयं जनजातीय नेता नेताम ने यह कहकर निकाल दी, ''वनवासी समाज की समस्याओं और चुनौतियों को संघ कार्यक्रम के माध्यम से रखने का सुअवसर मुझे मिला है। उन्होंने संघ के संबंध में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की, ''इस संगठन में चिंतन-मंथन की गहरी परंपरा है। भविष्य में जनजातीय समाज के सामने जो चुनौतियां आनेवाली हैं, उसमें आदिवासी समाज को जो संभालनेवाले और मदद करनेवाले लोग/संगठन हैं, उनमें हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मानते हैं। नेताम इंदिरा गांधी और पीवी नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संघ के कार्यक्रमों में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और जयप्रकाश नारायण से लेकर इंदिरा गांधी एवं प्रणब मुखर्जी तक शामिल हो चुके हैं। संघ ने कभी किसी से परहेज नहीं किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं, ''अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा''। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से कांग्रेस, समाजवादी एवं कम्युनिस्ट नेताओं के साथ गहरा परिचय था। वो संघ के दर्शन से अवगत कराने के लिए विभिन्न विचारों के विद्वान व्यक्तियों एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं से मिलते थे और उन्हें संघ कार्यक्रमों में आमंत्रित करते थे। संघ के वर्तमान अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में लिखते हैं, ''किसी विषय पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग से मिलते हैं, संवाद करते हैं, तो अवश्य ही समाधान निकलता है।'' संघ 1930 के दशक से ही समाज जीवन में सक्रिय लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलाता रहा है। दरअसल, एक और महत्वपूर्ण बात है यह कि संघ को विश्वास है कि जब तक कोई संघ से दूर है, तब तक ही वह संघ का विरोधी हो सकता है। लेकिन जैसे ही वह संघ के निकट आता है और संघ को जानने-समझने लगता है, तब वह संघ का विरोधी हो ही नहीं सकता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो इस बात को सिद्ध करते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण भी संघ के आमंत्रण पर आ चुके हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण का प्रारंभ में संघ को लेकर नजरिया आलोचनात्मक था। जब उन्होंने संघ को नजदीक से देखा तब उनके विचार पूरी तरह बदल गए। उन्होंने यहां तक कह दिया, ''यदि आरएसएस फासीवादी संगठन है तो जेपी भी फासीवादी है। प्रख्यात समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया और संघ के पदाधिकारियों के साथ मित्रतापूर्ण संवाद रहा है। आचार्य विनोबा भावे ने कहा है, ''मैं संघ का विधिवत सदस्य नहीं हूं, फिर भी स्वभाव से, परिकल्पना से मैं स्वयंसेवक हूं। '' परम पावन दलाई लामा संघ के अनेक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं, उनका भी कहना है, ''मैं संघ का समर्थक हूं। अनुशासन, देशभक्ति और समाज सेवा के लिए यह संगठन जाना जाता है। वर्ष 1977 में आंध्र प्रदेश में आए चक्रवात के समय स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों को देखकर वहां के सर्वोदयी नेता प्रभाकर राव ने तो संघ को नया नाम ही दे दिया था। उनके अनुसार आरएसएस अर्थात रेडी फॉर सेल्फलेस सर्विस। संघ के कार्यक्रम में जब भी कोई अन्य विचार का व्यक्ति आया है, तब संघ के कार्यकर्ताओं की ओर से कभी उनका विरोध नहीं हुआ। बल्कि स्वयं को अधिक प्रगतिशील एवं लोकतांत्रिक बतानेवाले लोगों ने ही आमंत्रित महानुभावों को रोकने के लिए भरसक प्रयास किए हैं। याद हो, वर्ष 2018 में नागपुर के रेशमबाग में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग-तृतीय वर्ष के समापन समारोह में जब पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के शामिल होने का समाचार सामने आया, तब कितना हो-हल्ला मचाया गया। प्रणब दा को रोकने के लिए पत्र लिखे गए, आह्वान किए गए। आखिर में प्रणब दा समारोह में पहुंचे और अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्रणब दा न केवल आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार के घर (संग्रहालय) गए, बल्कि वहां उन्होंने विजिटर बुक में लिखा, ''मैं आज भारत मां के महान सपूत डॉ. केबी हेडगेवार के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूं। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया से संबद्ध और दलित नेता दादासाहेब रामकृष्ण सूर्यभान गवई और कम्युनिस्ट विचारों वाले जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर भी संघ के कार्यक्रमों में आ चुके हैं। मीनाक्षीपुरम में कुछ हिंदुओं द्वारा धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार किए जाने की घटना के बाद गवई ने स्वयं संघ के कार्यक्रम में आने की इच्छा व्यक्त की थी और अपने विचार रखे थे। केरल की पहली कम्युनिस्ट सरकार में मंत्री रहे जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर ने स्थानीय विरोधों के बावजूद तत्कालीन सरसंघचालक से संपर्क किया और बाद में पत्रकारों के सामने अपने विचार रखे थे। हाल के वर्षों में देखें तो नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, डीआरडीओ के पूर्व डायरेक्टर जनरल विजय सारस्वत, एचसीएल के प्रमुख शिव नाडर, नेपाल के पूर्व सैन्य प्रमुख रुकमंगुड कटवाल जैसे व्यक्तित्व संघ के विजयादशमी उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो चुके हैं। पिछले एक दशक में नागपुर में आयोजित होनेवाले संघ शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में आए प्रमुख महानुभावों में दैनिक पंजाब केसरी के संचालक एवं संपादक अश्वनी कुमार, आदिचुनचुनगिरी मठ (कर्नाटक) के प्रधान पुजारी श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर, धर्मस्थल कर्नाटक के धर्माधिकारी पद्मविभूषण डॉ. विरेन्द्र हेगडे, साप्ताहिक 'वर्तमान' (कोलकाता) के संपादक रंतिदेव सेनगुप्त, श्रीरामचंद्र मिशन (हैदराबाद) के अध्यक्ष दाजी उपाख्य कमलेश पटेल, श्री काशी महापीठ (वाराणसी) के 1008 जगद्गुरु डॉ. मल्लिकार्जुन विश्वाराध्य शिवाचार्य महास्वामी, श्री सिद्धगिरी संस्थान मठ (कोल्हापुर) के अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी और श्री क्षेत्र गोदावरी धाम बेट सराला के पीठीधीश श्री रामगिरी जी महाराज प्रमुख हैं। वर्ष 1959 में पूर्व जनरल फील्ड मार्शल करियप्पा मंगलोर में संघ की एक शाखा के कार्यक्रम में गए थे। वहां उन्होंने कहा था कि संघ कार्य मुझे अपने हृदय से प्रिय कार्यों में से है। अगर कोई मुस्लिम इस्लाम की प्रशंसा कर सकता है, तो संघ के हिंदुत्व का अभिमान रखने में गलत क्या है? प्रिय युवा मित्रों, आप किसी भी गलत प्रचार से हतोत्साहित न होते हुए कार्य करो। डॉ. हेडगेवार ने आपके सामने एक स्वार्थरहित कार्य का पवित्र आदर्श रखा है। उसी पर आगे बढ़ो। भारत को आज आप जैसे सेवाभावी कार्यकर्ताओं की ही आवश्यकता है। वर्ष 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शीत शिविर वर्धा में महात्मा गांधी के आश्रम के पास ही लगा था। गांधीजी ने शिविर को देखने इच्छा प्रकट की। वर्धा के संघचालक अप्पाजी जोशी ने शिविर में उनका स्वागत किया। महात्मा गांधी ने बड़ी बारीकी से शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने अप्पाजी से पूछा कि इस शिविर में कितने हरिजन हैं? अप्पाजी ने जवाब दिया, ''यह बताना कठिन है, क्योंकि हम सभी को हिंदू के रूप में ही देखते हैं। इतना हमारे लिए पर्याप्त है।'' बाद में उनकी भेंट संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के साथ हुई। संघ शिक्षा वर्ग में जाने की यह बात स्वयं महात्मा गांधी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कही। 16 सितंबर, 1947 की सुबह दिल्ली में संघ की शाखा पर जाकर महात्मा गांधी ने स्वयंसेवकों से संवाद किया। उन्होंने कहा, ''बरसों पहले मैं वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक शिविर में गया था। उस समय इसके संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्व. श्री जमनालाल बजाज मुझे शिविर में ले गये थे और वहां मैं उन लोगों का कड़ा अनुशासन, सादगी और छुआछूत की पूर्ण समाप्ति देखकर अत्यन्त प्रभावित हुआ था। संघ एक सुसंगठित, अनुशासित संस्था है। समाज को समरसता के सूत्र में पिरोकर उसे संगठित और सशक्त बनाने वाले महानायकों में से एक डॉ. भीमराव आंबेडकर भी संघ के प्रणेता डॉ. हेडगेवार के संपर्क में थे। बाबा साहेब 1937 और 1939 में संघ शिक्षा वर्ग में गए थे। 1937 में करहाड शाखा (महाराष्ट्र) के विजयादशमी उत्सव पर बाबा साहब का भाषण हुआ। इस दौरान वहां 100 से अधिक वंचित और पिछड़े वर्ग के स्वयंसेवक थे। उन्हें देखकर डॉ. आंबेडकर को आश्चर्य तो हुआ ही बल्कि भविष्य के प्रति उनकी आस्था भी बढ़ी। सन् 1939 में एक बार फिर बाबा साहब पुणे के संघ शिक्षा वर्ग के सायंकाल के कार्यक्रम में आए थे। यहां उनकी भेंट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं तत्कालीन सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार से हुई। इसी प्रकार, संघ से प्रतिबंध हटाने में डॉ. आंबेडकर का जो सहयोग प्राप्त हुआ, उसके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए तत्कालीन सरसंघचालक माधवराव गोलवलकर ने सितंबर 1948 में दिल्ली में उनसे भेंट की। वर्ष 1963 में स्वामी विवेकानंद जन्मशती के अवसर पर कन्याकुमारी में विवेकानंद शिला स्मारक निर्माण के समय भी संघ ने सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख राजनेताओं एवं सामाजिक संगठनों के प्रमुख व्यक्तियों को आमंत्रित किया। स्मारक निर्माण के समर्थन में विभिन्न राजनीतिक दलों के 323 सांसदों के हस्ताक्षर एकनाथ रानाडे जी ने प्राप्त किए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एकनाथ रानाडे जी के आमंत्रण पर विवेकानंद शिला स्मारक (विवेकानंद रॉक मेमोरियल) के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुईं। **-लोकेन्द्र सिंह**

खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर भारत

7 जून वैकि खाद्य सुरक्षा दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

एक समय था जब भारत अपनी खाद्यान्न आपूर्ति के लिये दूसरे देशों की दया पर निर्भर था। हमारे पास न उस समय कृषि के साधन थे, और न ही उन्नत तकनीक थी। फलतः आज का वही कृषक पहले अपनी कृषि से वैसा उपज नहीं प्राप्त कर पाता था, जैसा कि आज वह प्राप्त कर रहा है। आज कई मायनों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्म निर्भर हो चुका है। इस संबंध में समाजशास्त्रियों का भिन्न-भिन्न मत है। कुछ कहते हैं कि ये ठीक है कि आज हम खाद्यान्न उपज के मामले में पूर्व से बहुत बेहतर हैं, पर आज हमारी जनसंख्या भी तो बहुत बढ़ गई है, जिससे हमारी खाद्यान्न उत्पादन की बढ़ी हुई क्षमता तो जैसी की तैसी ही रह गई अर्थात हम जहाँ पहले वे आज भी वहीं है कोई परिवर्तन नहीं है। जबकि दूसरे मत के समाजशास्त्री कहते हैं कि भारत में जनसंख्या की वृद्धि हुई है यह सही बात है, पर इस तथ्य को भी हमें नहीं भूलना चाहिये कि यहाँ अब श्रम करने वाले हाथ भी तो उतने ही बढ़ गये हैं, जो खाद्यान्न उत्पादन के लिये आवश्यक है। अर्थात जहाँ कम क्षेत्रफल में कम हाथों (श्रमजीवी किसान) द्वारा जो कार्य किया जा रहा था। बहुत सीमित एरिया सीमित मात्रा में था, वह अब असीमित होकर हमारी क्षमता को बेहतर और वृहत्तर बना रहा है। वैसे दूसरा मत वास्तविकता के नजदीक जान पड़ता है, ऐसा मुझे लगता है। एक दिन मैं एक पुरानी पत्रिका जो मई 1973 को प्रकाशित हुई थी, उसके पृष्ठ को पढ़ रहा था तो उसमें एक जगह सरकारी विज्ञापन दिखाई दिया जिसमें लिखा था,....'' कम अनाज खाइये ''खाद्यान्नों के मूल्य कम करना आपके हाथ में है, गेहूँ चावल कम खाईये, सप्ताह में कम से कम एक बार बिना अनाज का ''भोजन लीजिये।'' उक्त विज्ञापन से साफ जाहिर होता है कि आज से कुछ वर्षों पूर्व हम खाद्यान्न के मामले में बहुत पीछे थे, हमारे यहाँ खाद्यान्नों जैसे गेंहू, चावल की। बहुत कमी थी ,तभी तो सरकार ने मजबूर होकर ऐसा विज्ञापन दिया रहा होगा। पर क्या आपने आजकल गत वर्षों में ऐसा कुछ विज्ञापन देखा है...? इसका जवाब होगा बिलकुल नहीं। इसका मतलब यही हुआ न कि अब हमारे यहाँ वैसी स्थिति नहीं है जैसी पहले हुआ करती थी। अब तो यह स्थिति है कि अब हम चायपत्ती उत्पादन में विश्व में प्रथम चावल में द्वितीय, गेहूँ में, तीसरी एवं चीनी उत्पादन में दूसरे, कपास में भी दूसरा स्थान पर है। देश में चावल का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य प. बंगाल एवं दूसरा आंध्र प्रदेश है, किंतु चावल की प्रति हेक्टेयर उपज पंजाब में सर्वाधिक है, मध्यप्रदेश आज देश में, सोयाबीन का उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा राज्य है। देश में मध्यप्रदेश ज्वार में प्रथम, तुअर में तथा अन्य दालों में द्वितीय, गेहूँ एवं चने में तृतीय और धान (चावल) में तीसरा स्थान रखता है। किंतु प्रतिव्यक्ति औसत उत्पादन में पंजाब और हरियाणा के पश्चात तृतीय है। सरसरी तौर पर देखा जाये तो यह निश्चित है कि खाद्यान्न उत्पादन के मामले में हमारा देश एक सीमा तक आत्मनिर्भर हो चुका है। आज स्थिति यह है कि गेहूँ, चीनी हमारे यहाँ गोदामों में ठसाठस भरे पड़े हैं, उनके सुरक्षित रखने की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। पिछले वर्षों में गन्ना का रिकार्ड उत्पादन होने के कारण कृषकों को औने पौने दाम पर अपनी उपज बेचने पर मजबूर होना पड़ा था। यही कारण था कि चालू वर्ष में अधिकतर कृषकों ने गन्ने की उपज के बजाय दूसरे खाद्यान्नों की फसले ली। रिकार्ड बना उत्पादन के कारण हमारे यहाँ अभी भरपूर मात्रा में चीनी का स्टाक है (परंतु फिर भी न जाने किस नीति के तहत चीनी का बाहरी देशों जैसे बांग्लादेश आदि से आयात किया गया।) पर उसका उचित समय पर उपयोग नहीं होने से कृषक जगत में गलत संदेश जाता है। इसकी व्यवस्था को खासा ध्यान देना चाहिये। वर्तमान में पूरी दुनिया ये जान चुकी है कि भारत अब खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर एवं काफी तरक्की कर चुका है। पंजाब हरियाणा के कृषक तो अब बहुत आगे निकल चुके हैं। हमारे, गोदाम अब लबालब भरे पड़े रहते हैं। परंतु हमें यह देखकर निश्चिंत होने की कतई जरूरत नहीं है, हमें नित नए तकनीको को इस्तेमाल करने की जरूरत है जिससे के ऊपज और फसलें बढ़े, जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती रहें । साथ ही उत्पादकता भी बड़े यह तो तय है, कि हर आने वाला वर्ष अपने साथ बढ़ी हुई जनसंख्या को लेकर आएगा।

सेहत मंत्र

किडनी के लिए बहुत फायदेमंद है भुजंगासन

शरीर को स्वस्थ रख बीमारियों को दूर करने का सबसे प्रभावी तरीका है योग, योग में हर रोग का न सिर्फ इलाज छिपा है बल्कि यह आपको ऊर्जा भी प्रदान करता है। योग के कई आसनों में से एक है भुजंगासन। संस्कृत के शब्द भुजंग का अर्थ होता है सर्प और आसन का अर्थ है स्थिति। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डी सर्प की तरह लचीला हो जाती है और शरीर में गर्मी उत्पन्न होती है। इसीलिए इस आसन को भुजंगासन कहा जाता है। यह आसन पेट के बल लेटकर किया जाता है। इस आसन से शरीर को सुडौल बनाता है। कैसे करेंगे ये आसन- शुद्ध वातावरण और समतल जमीन पर आसन बिछाकर पेट के बल लेट जाएं। सांस सामान्य रहे और शरीर की मांसपेशियों के शिथिल होने तक इस स्थिति में लेटें। माथे को जमीन पर और हाथों को कंधों के पास इस तरह से टिकाएं कि कोहनियां पीछे की तरफ शरीर के पास आ जाएं। टांगों और पैरों को सीधा रखते हुए आपस में मिला लें। धीरे-धीरे सांस भरें और हाथों को जमीन पर अच्छी तरह से टिकाते हुए कंधों के सहारे नाभि तक के हिस्से को इस प्रकार ऊपर की तरफ उठाएं कि छाती सामने की ओर आ जाए। गर्दन को पीछे की तरफ करते हुए ऊपर आकाश की ओर देखने का प्रयास करें। इस स्थिति में यथाशक्ति रुकने के बाद सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे पूर्व स्थिति में लौट आएं।

भुजंगासन से किडनी और अन्य अंगों को लाभ- छाती, पीठ, गर्दन और कंधों की मांसपेशियों को शक्तिशाली बनाता है। गले में स्थित ग्रंथियों को सशक्त कर शरीर को ऊर्जावान बनाता है। किडनी के लिए लाभप्रद है। तनाव व थकान को दूर करता है। हृदय और फ़ेफड़ों के लिए विशेष लाभप्रद है।पेट के सभी आंतरिक अंगों को सशक्त और सक्रिय करता है।

विशेषः योगाभ्यास शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। योग्य योग शिक्षक की देखरेख में ही आसनों की शुरुआत करें।

धर्म मंत्र

घर के मंदिर में न रखें 4 देवताओं की मूर्ति, वरना फायदा नहीं उल्टा हो सकता है नुकसान

भगवान की कृपा पाने के लिए लोग अपने-अपने घर के मंदिर देवी-देवताओं की मूर्ति रखते हैं। मान्यता है कि घर में भगवान की मूर्ति या फोटो होती है तो परेशानियां दूर रहती हैं। मंदिर में पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के अनुसार घर में सभी देवताओं की मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। भगवान के कुछ ऐसे स्वरूप हैं जो घर में रखना शुभ नहीं बल्कि अशुभ होता है। ऐसे स्वरूप घर में रखने से फायदा नहीं बल्कि नुकसान हो सकता है। 1. भैरव देवः भैरव देव को भगवान शिव का अवतार माना जाता है। घर में छोटा सा शिवलिंग रख सकते हैं, लेकिन शिवजी के अवतार भैरव भगवान की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। भैरव देव तंत्र के देवता हैं और इनकी पूजा घर के बाहर ही करनी चाहिए। 2. नटराजः भगवान शिवजी का रौद्र स्वरूप है नटराज। इस स्वरूप में शिवजी तांडव करते नजर आते हैं। ये मूर्ति रखने से घर में अशांति बढ़ सकती है। परिवार के सदस्यों का स्वभाव क्रोधी हो सकता है। 3. शनि देवः ज्योतिष में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है, साथ ही ये एक क्रूर ग्रह है। शनिदेव सूर्य के पुत्र हैं। इनकी मूर्ति घर में रखना अशुभ माना जाता है। शनि की पूजा घर से बाहर ही करनी चाहिए। 4. राहु-केतुः राहु और केतु को छाया ग्रह और पाप ग्रह माना जाता है। ज्योतिष की मान्यता है कि राहु-केतु की पूजा की जाए तो हम बड़ी-बड़ी परेशानियों से बच सकते हैं, लेकिन इनकी पूजा घर में नहीं बल्कि बाहर किसी मंदिर में करनी चाहिए। घर में इनकी मूर्ति रखने से अशुभ फल मिल सकते हैं।

पर्यटन

सारे जग से न्यारा ऐसा रंग बिरंगा है राजस्थान हमारा

राजस्थान देश का एक ऐसा रंगीला प्रांत है जो इतिहास में न केवल त्याग,बलिदान और शौर्य की कहानियों के लिये प्रसिद्ध है, बल्कि यहां की कला, संस्कृति और सम्यता ने भी इसे एक विशिष्ट पहचान प्रदान की है। विश्व की सबसे प्राचीन सिन्धु घाटी सम्यता और वैदिक सभ्यता का जन्म स्थल सप्त-सैन्धव प्रदेश का गौरवगान करने वाली सरस्वती नदी इसी के नाम से बहती है। इससे हमें इस प्रदेश की प्राचीनता का बोध होता है। विश्व की सर्वाधिक प्राचीन अरावली पर्वत, श्रृखलाएं कर्णवत अक्ष बनाती हुई प्रदेश के मध्यभाग में उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम तक फैली हुई हैं। सैकड़ों मील दूर तक फैला हुआ मरू टीलों का साम्राज्य, प्राकृतिक सौन्दर्य की छठा बिखेरती राजस्थान की झीलें एवं वन्य प्राणी कलात्मक और भव्य राजप्रासाद, दुर्ग और हवेलियां तथा संध्या के समय एकांत में गूंजते लोकसंगीत के स्वर अनायास ही पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। राजस्थान प्रदेश इतिहास, कला एवं संस्कृति की दृष्टि से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। अपने ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं स्थापत्य महत्व के दर्शनीय स्थलों के कारण राजस्थान देशी-विदेशी पर्यटकों के लिये आकर्षण का प्रमुख केन्द्र बना हुआ है। राजस्थान का इतिहास बड़ा ही गौरवशाली और महिमामयी रहा है। यहां की धरती कुछ ऐसी है कि यहां जन्म लेकर न केवल वीरों ने इसका गौरव बढ़ाया है बल्कि साहत्यि, संस्कृति एवं कला तीनों ही क्षेत्रों में इसकी श्री वृद्धि में अपना योगदान दिया है। पृथ्वीराज चैहान, राणाकुम्भा, महाराणा प्रताप, दुर्गादास तथा सवाई जयसिंह आदि इसी रणभूमि की संताने हैं। भामाशाह की निःस्वार्थ सेवा, पद्मिनी के जौहर और पन्नाधाय के त्याग से कौन परिचित नहीं है। साहित्य सृजन और चिंतन परम्परा को महाकवि चंद व सूर्यमल्ल, कृष्णभक्त मीरा और संत दादू ने जीवित रखा है। राजस्थान के शौर्य का वर्णन करते हुस प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने कहा कि राजस्थान में ऐसा कोई राज्य नहीं जिसकी अपनी थर्मोपोली न हो और कोई ऐसा नगर नहीं जिसने अपने लियोनिडास पैदा नहीं किया हो।

दलहन-तिलहन विकास परियोजना के तहत पलौली में कृषि विभाग की पहली व्यापक बैठक सम्पन्न

प्रगतिशील किसानों का चयन और खेतों का स्थलीय निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़, बाराबंकी । ग्राम पलौली सोमवार को दलहन-तिलहन विकास कार्यक्रम के लिए नई उम्मीदों का केंद्र बन गया, जब कृषि विभाग द्वारा चयन के बाद यहां पहली व्यापक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य न सिर्फ क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों का चयन करना था, बल्कि उनकी फसलों की स्थिति का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करते हुए आगामी कार्ययोजना को अंतिम रूप देना भी था।

कार्यक्रम की रूपरेखा

बैठक की अध्यक्षता जिला कृषि सलाहकार श्री कैलाश नाथ पांडे ने की। उनके साथ राजेंद्र चौरसिया (ए.डी.ओ. कृषि), अनिरुद्ध कुमार (तकनीकी सहायक) तथा अभय कुमार (तकनीकी सहायक) मौजूद रहे। अधिकारियों ने खेतों का दौरा कर मिट्टी-जल परीक्षण, बीज उपचार और उन्नत खेती की तकनीकों पर किसानों से संवाद किया। इस दौरान दलहन-तिलहन फसलों में बीज विपणन, रोग-प्रबंधन और मूल्य संवर्धन के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एकीकृत पोषक प्रबंधन और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन जैसी चल रही योजनाओं का ब्यौरा देते हुए बताया कि किस प्रकार इनसे लागत घटाकर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। साथ ही, किसानों को आगामी ब्लॉक-स्तरीय गोष्ठी के बारे में भी अवगत कराया गया, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक, जिला कृषि अधिकारी और अन्य विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे। इस गोष्ठी में किसानों को उन्नत किस्मों, सरकारी अनुदानों और विपणन सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष सत्र रखे जाएंगे। बैठक के दौरान 24 स्थानीय प्रगतिशील किसानों का चयन किया गया, जो आने वाले सीज़न में प्रदर्शन प्लॉट लगाएंगे। चयनित किसानों में पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, प्रधान श्री संदीप मिश्रा , छत्रपाल यादव, आनंद सिंह, शेर बहादुर सिंह और मंगेश प्रमुख रूप से शामिल रहे। इन किसानों को विभागीय सहायता के साथ उन्नत बीज, जैविक-उर्वरक किट और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, ताकि उनके खेत मॉडल फार्म के रूप में विकसित हो सकें। जिला कृषि सलाहकार श्री पांडे ने कहा, ल्लबाराबंकी जनपद में दलहन-तिलहन उत्पादन की प्रचुर संभावनाएं हैं। वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर हम आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत कर सकते हैं।

वहीं किसान प्रतिनिधि राजकुमार सिंह ने विभागीय पहल की सराहना करते हुए कहा, ल्लसरकारी योजनाओं की सही जानकारी और तकनीकी मार्गदर्शन से निश्चित ही हमारी आमदनी दोगुनी करने का लक्ष्य साकार होगा।
-परीक्षण रिपोर्ट: मिट्टी और जल के नमूने लेकर 15 दिन में विश्लेषण रिपोर्ट तैयार की जाएगी।
प्रशिक्षण शिविर: जून के तीसरे सप्ताह में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिकों द्वारा ऑन-फार्म प्रशिक्षण।
बीज वितरण: चयनित किसानों को उन्नत दलहन-तिलहन बीज की पहली खेप जुलाई के पहले सप्ताह तक उपलब्ध कराई जाएगी।
ब्लॉक-स्तरीय गोष्ठी: प्रस्तावित तिथि 10 जुलाई, जिसमें जिले-भर के 200 से अधिक किसान भाग लेंगे। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इस समन्वित प्रयास से न सिर्फ उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना और बाजार तक सीधी पैठ भी सुनिश्चित हो सकेगी। बैठक सफलतापूर्वक संपन्न होने पर ग्राम प्रधान एवं उपस्थित किसानों ने कृषि विभाग का आभार व्यक्त किया।

धृतराष्ट्र की भूमिका में राजमार्ग प्राधिकरण, सड़क दुर्घटनाओं में बाढ़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। प्राधिकरण अधिकारी अगर अपना दायित्व ईमानदारी से निर्वहन करे और यातायात नियमों का पालन सख्ती से कराए तो बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में काफी हद कमी आ सकती है। वशर्ते राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा मानक एवं संकेतक आदि के बंदोबस्त में वह ईमानदार रहे।

इस समय में जहां देखो वहीं भीषण दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिसके चलते लोगों के अनमोल जीवन असमय ही समाप्त हो जाते है। परिजनों को जीवन भर पछताना पड़ता है। किसी के बुढ़ापे का सहारा छिन जाता है तो किसी का सुहाग उजड़ जाता है ! बच्चे अनाथ हो जाते हैं।सड़के इतनी बढ़िया बन गई है कि चा?लक हवा में बात करते चलते हैं, वाहनों को धीमा चलाना उनकी फितरत में नहीं। मोड़ कट यू-टर्न से अपरिचित चालक अंततः दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। फर्राटे के साथ सड़क और कट को पार कर जाते हैं। मोड़ के लिए कोई संकेतक या फिर लाइट लाइन का अभाव में वाहनों में भिड़ंत होती और अनेकानेक लोग जीवन खो बैठते हैं। आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है , राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण धृतराष्ट्र की भूमिका में है। इधर निगरानी कर्ताओं में रूचि अभाव से कम उम्र के युवान बड़े-बड़े वाहन सड़कों पर दौड़ाते दुर्घटना का कारण बन रहे हैं।

कम उम्र के ड्राइवर जिन्हें ठीक से गाड़ी चलाना नहीं आता है।वे लोग ऐसे सड़कों पर फर्राटा भरते वाहनों को चलाते हैं ,जरा सी चूक में बड़ी और दर्दनाक दुर्घटनाएं घटित होजाती हैं। वर्तमान समय में डंपर से कहीं अधिक दुर्घटनाएं हो रही है ।क्योंकि यह वाहन चालक अपने वाहन को इतना तेज चलाते हैं कि अचानक रोकने पर असमर्थ हो जाते हैं। सबसे ज्यादा इनकी चपेट में जीप ,कार ,मोटरसाइकिल ,पैदल चलने वाले आ जाते हैं ।रामनगर क्षेत्र में कई ऐसे स्थान है, जहां पर आए दिन ऐसी दुर्घटनाएं घटित होती रहती हैं। रामनगर से घाघरा घाट पुल, रामनगर चौराहे से सूढियामऊ मार्ग। वहीं पर रामनगर से महादेवा जाने वाले मार्ग तथा रामनगर से मसौली जाने वाले मार्ग पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं ।जिसमें लोग अपनी जान गवा बैठते हैं। इन घटनाओं पर तभी रोक लग सकती है जब पुलिस विभाग, आरटीओ सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारी अपने कर्तव्य का पूर्णतया पालन करें और वाहन चलाने वाले चालकों पर विशेष ध्यान रखें। अगर कोई कमी है तो उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करें।

डीएम ने समूह द्वारा संचालित पुष्टाहार निमार्ण इकाई का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

समूह कि महिलाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों की डीएम ने की सराहना

बाराबंकी, । शुक्रवार को जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी श्री अन्ना सुदन के साथ उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत संचालित पुष्टाहार निर्माण इकाई, अन्नप्राशन महिला उद्योग, प्यारेपुर सरैया, विकास खण्ड मसौली का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समूह कि महिलाओं के कार्यों का देखा और पुष्टाहार के निर्माण एवं उसमें आने वाली समस्याओं पर चर्चा की, पुष्टाहार निर्माण इकाई अध्यक्ष श्रीमती ममता द्वारा बताया गया कि अभी माह जून 2025 का विकास खण्ड मसौली के आंगनबाड़ी केन्द्रो का पुष्टाहार बन रहा है एवं 11.21 एमटी उत्पादन कार्य पूर्ण भी कर लिया गया है एवं उनके द्वारा बताया गया कि 6 रेसिपि (6 महीने से 3 वर्ष तक के बच्चों हेतु आटा बेसन हलवा, 3 से 6 वर्ष के बच्चों हेतु आटा बेसन बर्फी, दलिया, मूंगदाल, खिचड़ी, गर्भवती और धात्री हेतु आटा बेसन बर्फी प्रीमिक्स तथा कुपोषित बच्चों हेतु उर्जायुक्त हलवा प्रीमिक्स का निर्माण किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने समूह कि महिलाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान उपायुक्त (स्वतः रोजगार) श्री बी के मोहन द्वारा जिलाधिकारी को पुष्टाहार निर्माण इकाई की कार्य प्रणाली के विषय में जानकारी प्रदान की गई। इस मौके पर संयुक्त मजिस्ट्रेट श्री तेजस के., उपायुक्त (स्वतः रोजगार) श्री बी के मोहन, जिला विकास अधिकारी श्री भूषण कुमार, खण्ड विकास अधिकारी मसौली श्री संदीप श्रीवास्तव सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नपाप के कब्जे में ही रहेगा लेडी डॉक्टर बंगला और वेश कीमती भूमि

न्यायालय का फैसला, सत्येंद्र की प्रशंसा में उठे हाथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। तत्कालीन जिलाधिकारी सत्येंद्रकमार का प्रयास रंग लाया। 'लेडी डॉक्टर बंगला' की करोड़ों में कीमती जमीन अब नगर पालिका परिषद नवाबगंज के ही कब्जे में रहेगी। न्यायालय आयुक्त अयोध्या का फैसला में नपाप का स्वामित्व वैध साबित हुआ है पारदर्शिता पूर्प्रण आदेश से नगर वासियों के लिए बड़ी उपलब्धि और एक राहत भरा संदेश है। बताते चलें कि पैसार गांव स्थित गाटा संख्या 199, रकबा 03 बीघा 16 बिस्वा 13 घुर की इस भूमि को लेकर लंबे समय से दावा-आपत्ति चल रहा था। ज्ञातव्य है कि लेडी डॉक्टर बांग्ला जो कि अंग्रेज अफसर की पत्नी को भेंट में दिया गया था। अब से कोई 8 वर्ष पूर्व भूमाफियाओं तिगड़ी की नजर पहले बस स्टेशन भूमि पर पड़ी। वहां की असफलता के बाद उपभोक्ता भंडार और फिर लेडी डॉक्टर बंगला की ओर कदम बढ़े। तीनों सरकारी संपत्तियों को बचाने में जगजीवन दास सतनाम सेवा ट्रस्ट के पदाधिकारी महंत बी पी दास आगे आए और विभिन्न कोर्ट में मुकदमा कर तीनों संपत्तियों को बिकने से तात्पर्य भूमाफिया के हाथों से बचा लिया।वर्ष 2024 में जब जिला अधिकारी के रूप में सत्येंद्र कुमार ने बाराबंकी में कार्यभार संभाला तो ट्रस्टी महंत बी.पी दास व पुनीत मिश्रा से उन्होंने विस्तृत जानकारी प्राप्त की, और आगे कदम बढ़ा दिए। डीएम श्री कुमार जैसे ही सक्रिय हुए कहीं कैंप ऑफिस के जासूसों ने भूमाफियाओं को संदेश प्रसारित करना प्रारंभ किया था। अपने सभावर्ष के कार्यकाल दौरान जिला अधिकारी रहते हुए सत्येंद्र कुमार ने भूमाफियाओं की कमर तोड़ दी थी। यहां तक की जमीन कारोबारी भी बाराबंकी की तरफ नजर उठा कर नहीं देख रहे थे। हालांकि अब परिस्थितियों बिल्कुल विपरीत है।

लखनऊ स्थित न्यायालय उपजिलाधिकारी बक्शी का तालाब में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार द्वारा कुशल पैरवी की गई। स्मरण रहे कि भूमाफियाओं ने इसको एक साजिश के तहत लखनऊ की अदालत में मामला पहुंचाया था। बख्शी तालाब एसडीएम न्यायालय ने नगर पालिका परिषद नवाबगंज की भूमि मानते हुए आदेश पारित कर नगर पालिका को कब्जा प्रदान किया। लेकिन दिनांक 11 मार्च 2024 को सईद फातिमा अशरफ आदि ने इस आदेश के विरुद्ध न्यायालय आयुक्त, अयोध्या मण्डल में अपील दाखिल की थी। इसी अपील को आगे कर उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया। कोर्ट ने कहा कि यह किसी न्यायालय में बाद विचार अधीन है तो निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए। चंदा बिल्डर नामक भूमाफिया ने बहुत तेरे प्रयास किया। तमाम अफवाहें फैलाई कि उसने सौदा कर लिया है उच्च अधिकारी फैसला उसी के पक्ष में देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फैसला दूध का दूध पानी का पानी।

आयुक्त ने मामले की गहराई से जांच कर दोनों पक्षों को सुनवाई का पूरा अवसर प्रदान किया। अंततः 4 जून 2025 को अपील को निरस्त करते हुए उपजिलाधिकारी के आदेश को सही ठहराया गया। जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उक्त भूमि नगर पालिका नवाबगंज के वैध स्वामित्व में ही है।

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद संजय शुक्ला ने बताया कि जिलाधिकारी बाराबंकी के निर्देश में शीघ्र ही इस भूखंड पर नागरिकों के लिए जनोंपयोगी गतिविधियों हेतु स्थल का निर्माण कराया जाएगा। इस निर्णय से नगरवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। स्थानीय व्यापारी, बुजुर्गजन एवं युवाओं ने इसे ल्लजनहित में दूरदर्शी और ऐतिहासिक फैसला बताया।

महंत बी.पी दास ने अधिशासी अधिकारी श्री मिश्रा के व्यक्तिगत रूचि व प्रयास की सराहना कर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है। कहते हैं कि श्री मिश्रा भूमाफिया और उनके सहयोगियों के प्रभाव में नहीं आए।

बिल्डर चंदा की गहरी पैठ

एक जनप्रतिनिधि के प्रतिनिधि से भूमिया चंदा की गहरी पैठ जग विख्यात है। तो वहीं ईओ संजय शुक्ला अपनी धुन के पक्के और तत्कालीन जिलाधिकारी के विश्वासपात्र थे। इसलिए किसी जनप्रतिनिधि या उसके प्रतिनिधि को कोई सफलता नहीं मिल सकी। चंदा और उसके गुरुओं को कई कई बार आखिरकार जेल जाना पड़ा।

अवैध खनन पर चला पुलिस का डंडा, एसओ दौमित्रसेन की सतर्कता से तीन गिरफ्तार, ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी। लोनीकटरा थाना क्षेत्र के रबड़हिया गांव के समीप लंबे समय से चल रहे अवैध खनन पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए न सिर्फ अवैध खनन को रोका, बल्कि तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर-ट्रॉली भी सीज कर दिया। यह कार्रवाई थाना प्रभारी दौमित्रसेन सरोज के नेतृत्व में हुई, जिन्होंने तत्परता और कुशल नेतृत्व का परिचय देते हुए खनन माफियाओं के मंसूबों पर पानी फ़ेर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कई दिनों से गांव के आसपास अवैध खनन की सूचना मिल रही थी। जैसे ही सूचना थाना प्रभारी दौमित्रसेन सरोज को मिली, उन्होंने बिना समय गंवाए एक विशेष पुलिस टीम रवाना की। पुलिस को देखते ही खनन माफिया ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने लगे, लेकिन पुलिस द्वारा की गई घेराबंदी के चलते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही पकड़ लिया गया। हालांकि, एक ट्रॉली चालक पुलिस पहुंचने से पहले ही मिट्टी पलटकर फरार हो गया।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने ट्रैक्टर समेत चालक सूरज पुत्र हनुमान और उसके दो भाइयों – शिवम व विनोद – को हिरासत में लिया है। थानाध्यक्ष दौमित्रसेन सरोज ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी दौमित्रसेन सरोज की कार्यशैली और तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अधिकारियों की वजह से ही क्षेत्र में अपराध पर अंकुश संभव हो पा रहा है। अवैध खनन जैसे गंभीर अपराध पर प्रभावी कार्रवाई कर थाना पुलिस ने न केवल कानून का पालन करवाया, बल्कि माफियाओं को भी कड़ा संदेश दिया है कि गैरकानूनी गतिविधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

न्यायाधीश ने लगाई पंचायत भवन में अदालत, की सुनवाई, पांच मुकदमे निस्तारित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। ग्राम न्यायालय ने एक नई एवं सराहनीय पहल की है। न्यायाधीश ने मेलारायगंज पंचायत भवन में अदालत लगाकर पांच मुकदमों का निस्तारण किया। सचल न्यायालय के न्यायाधिकारी कमल कंत तिवारी ने इन मामलों को आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निपटाया।ग्राम न्यायालय के न्यायाधीश कमल कंत तिवारी ने बताया कि सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में हर 15 दिन पर एक कोर्ट चौपाल लगेगी। महीने में दो बार कोर्ट चौपाल के माध्यम से छोटे-छोटे मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इससे गरीब लोगों को राहत मिलेगी और मामलों का जल्द निपटारा होगा।कोर्ट में बदोसरांय थाने के दो मामले और टिकैत नगर थाने के दो मामलों का निपटारा हुआ। साथ ही थाना सफदरगंज क्षेत्र के एक वारंटी का वारंट रिकॉल किया गया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार, उपनिरीक्षक सुरेश कुमार, रोहित शर्मा, पूजा रानी पटेल और शोभा रेखा मौजूद रहे। कार्यक्रम में नायब एडवोकेट, बालचंद्र एडवोकेट, प्रधान प्रतिनिधि माजिद हासमी, शिब्ली मिया, अदीब मिंया सहित कई महिला-पुरुष उपस्थित थे।

कानूनगो की अचानक तबियत बिगड़ी, लखनऊ रेफर

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील सिरौलीगौसपुर में तैनात 58 वर्षीय राजस्व निरीक्षक मंसाराम शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे अचानक बेहोश हो गए। राजस्व कर्मचारियों ने तुरंत एसडीएम प्रीति सिंह को सूचित किया।एसडीएम प्रीति और तहसीलदार शरद सिंह ने अपनी गाड़ी से मंसाराम को संयुक्त चिकित्सालय सिरौली गौसपुर पहुंचाया। अस्पताल में सीएमएस डॉक्टर एके सिन्हा, डॉक्टर गौरव कृष्णा, डॉक्टर देव प्रताप सिंह और सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर संतोष सिंह की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। राजस्व निरीक्षक की गंभीर दशा को देखते हुए उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल लखनऊ रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुचे।

डाकघर का प्रिंटर खराब, महीने भर से चक्कर काट रहे हैं उपभोक्ता

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कभी डाक और रेलवे की सेवाओं की सराहना हुआ करती थी। अपने काम के प्रति डाक कर्मियों का सेवा समर्पण किलो खुले मन से सराहना किया करते थे। कार्यालय व्यवस्था हो या क्षेत्रीय हल्का सेवा सब की सब व्यवस्थाएं तत्काल मौहैया। वर्तमान परिवेश में केंद्रीय सेवाओं के सभी लोगों का विश्वास उठ गया है। कर्मचारियों की कमी के साथ ही कार्यालय प्रबंधन मेंटेनेंस का भी बड़ा अभाव देखने को मिलता है। तहसील रामनगर मुख्यालय से चंद कदम दूर उप डाकघर बुढवल शुगर मिल में महीने भर से प्रिंटर खराब पड़े है।जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है।उपभोक्ताओं और डाक कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति प्राय: बन जाती है।कई लोगों को खाता खुलने के बाद भी पासबुक नहीं मिल पाई है। बुजुर्ग लोग जेठ की तपती धूप में रोज डाकघर आ जा रहे हैं।उप डाकपाल का कहना है कि प्रिंटर मरम्मत को गया है आने पर ही खाता अपडेट हो सकेंगे।

केनरा बैंक प्रबंधक की बेलगाम कार्य शैली से आक्रोश, सीएम से शिकायत

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। केनरा बैंक शाखा मसौली के प्रबंधक की मनमानी एवं दुर्व्यवहार से अति महत्वाक़ाक्षी मुख्यमंत्री युवा उधमी योजना का लाभ पात्रों को नही मिल पा रहा है। शाखा प्रबंधक योजना के आवेदन कर्ताओ से दुर्व्यवहार कर शाखा से बाहर कर दे रहे है।बैंक की मनमानी की शिकायत मुख्यमंत्री से की गयी है। बताते चले जिला उद्योग केंद्र की ओर से मुख्यमंत्री युवा उधमी योजना के तहत ऋण देने का प्रावधान है मुख्यमंत्री युवा उधमी योजना के तहत 21 वर्ष के युवा रोजगार के लिए 5 लाख तक बिना ब्याज के ऋण दिया जाता है लेकिन बैंको की लापरवाही के कारण युवा उधमियों की राह मुश्किल हो रही है। मुख्यमंत्री युवा उधमी योजना के तहत पात्रों के आवेदन करने के बाद भी ऋण नही दिया जा रहा है जिससे युवा निराश व हताश है। युवा उधमी योजना के तहत रोजगार के लिए त्रिपुरा निवासी आदर्श रावत पुत्र सुखदेव ने आवेदन किया जिसे जिला युवा उद्योग केंद्र द्वारा स्वीकृति के बाद केनरा बैंक शाखा मसौली ऋण देने के लिए आया जिस पर भुक्तभोगी आदर्श रावत जब शुक्रवार को शाखा प्रबंधक आदित्य सक्सेना से अपने ऋण के सम्बंध मे जानकारी लेने गया तो शाखा प्रबंधक आग बगुला होते हुए अपमानित कर बैंक से बाहर निकाल दिया। शाखा प्रबंधक के गलत व्यवहार से क्षुब्ध आदर्श रावत ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। बहरहाल मुख्यमत्री युवा उधमी पात्र लाभार्थियों से जिस तरह बैंक के जिम्मेदार लोग व्यवहार कर रहे है वह बहुत ही निदनीय है और सरकार की योजनाओं मे पलीता लगा रहे है ।

मनरेगा के तहत महिला रोजगार और जल संरक्षण की दिशा में सकारात्मक पहल

तालाब खुदाई कार्य से बढ़ रहा है महिला सशक्तिकरण और जल संरक्षण की दिशा में जनजागरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़, बाराबंकी। विकासखण्ड हैदरगढ़ की ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत जल संरक्षण तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल की जा रही है। इस पहल के तहत ग्राम पंचायत करौंदी में बड़े तालाब की खुदाई का कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिसमें 52 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इनमें से लगभग 80 प्रतिशत श्रमिक महिलाएं हैं, जो न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। मनरेगा योजना के तहत हो रहे जल संरक्षण कार्यों के कई दूरगामी लाभ हैं, जिनमें भू-जल स्तर में सुधार, सिंचाई सुविधा का विस्तार, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन, आजीविका के अवसरों में वृद्धि और ग्रामीण प्रवास में कमी जैसे सकारात्मक परिणाम शामिल हैं। यह पहल न केवल स्थानीय पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में सहायक है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक जागरूकता और भागीदारी को भी प्रोत्साहित कर रही है।

तालाब खुदाई जैसे कार्यों में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। अपने ही गांव में रोजगार प्राप्त कर रही महिलाएं अब आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने सामाजिक व आर्थिक जीवन में नई चेतना का संचार अनुभव कर रही हैं। यह बदलाव न केवल उनके जीवन में स्थायित्व ला रहा है, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण की मिसाल भी पेश कर रहा है। उक्त कार्य की सफलता को दृष्टिगत रखते हुए खंड विकास अधिकारी हैदरगढ़ श्री संजीव कुमार गुप्ता द्वारा विकासखंड की अन्य ग्राम पंचायतों – बरांवा, सरायगोपी, नरौली, दतौलचंदा, और हरपालपुर – में भी तालाब निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की प्रक्रिया तेज़ कर दी गई है। इन पंचायतों में भी महिला श्रमिकों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाओं को उनके घर के समीप ही रोजगार मिल सके।

विकासखण्ड हैदरगढ़ की समस्त ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना के अंतर्गत जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए तालाबों की खुदाई तथा अन्य जल स्रोतों के सृजन के कार्य शुरू किए जा रहे हैं। यह पहल स्थानीय प्रशासन की दूरदर्शिता और समर्पण का प्रमाण है, जो ग्रामीण विकास, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण जैसे उद्देश्यों को एक साथ साकार कर रही है।

''जल संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के दोहरे उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मनरेगा के तहत तालाबों की खुदाई कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। हम प्रयासरत हैं कि अधिक से अधिक महिलाओं को उनके गांवों में ही रोजगार मिले ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। करौंदी की सफलता मॉडल बनकर उभर रही है, और हम इसे विकासखंड की अन्य ग्राम पंचायतों में भी दोहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

युवक से नकदी छीनाझपटी पीड़ित ने कोठी थाने में की शिकायत

सिद्धौर बाराबंकी कोठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक के साथ 1500 की छीनाझपटी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।जानकारी के अनुसार, मानपुर गांव निवासी सूरज कुमार पुत्र ओम नारायण ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह गुरुवार की शाम को बुधनाई चौराहे पर चोकर खरीदने जा रहा था। जैसे ही वह बाराबंकी-हैदरगढ़ मार्ग पर स्थित मानपुर मोड़ के पास पहुँचा, तभी बुधनाई गांव निवासी गोपाल पुत्र सुखी अपने एक साथी के साथ वहां आया। दोनों ने उसकी बाइक रोक ली और सूरज की जेब में रखे ?1500 जबरन छीन लिए और मौके से फरार हो गए।पीड़ित ने तुरंत कोठी थाना पहुंचकर मामले की शिकायत की और उचित कार्रवाई की मांग की है।इस संबंध में कोठी थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

शुभमन गिल की टेस्ट कप्तानी की शुरुआत

'स्पष्टता और आत्मविश्वास' को बनाना चाहते हैं टीम की पहचान

एजेंसी

मुंबई। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने गुरुवार को अपने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने नेतृत्व के दृष्टिकोण को लेकर पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास दिखाया। 25 वर्षीय गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ से अपनी कप्तानी की शुरुआत करने जा रहे हैं और उनका लक्ष्य है – टीम के भीतर विश्वास और पारदर्शिता की संस्कृति को विकसित करना। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए गिल ने कहा, ल्लमेरे पास कोई खास कप्तानी का स्टाइल नहीं है। जितना ज़्यादा खेलते हो, उतना ज़्यादा अनुभव आता है और आपकी अपनी शैली खुद सामने आती है। मेरे लिए सबसे जरूरी चीज़ है खिलाड़ियों से संवाद, उन्हें उनकी ताकत और कमजोरी को लेकर सहज महसूस कराना। अगर खिलाड़ी सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी वे अपना 100% दे पाते हैं। गिल ने रोहित शर्मा की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा, रोहित भाई की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी साफ़-साफ़ बात करने की शैली। वे जानते थे कि खिलाड़ियों से क्या चाहिए और उसे साफ़ तरीके से बताते थे। मैं भी वही अपनाना चाहूंगा। भारत को हाल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में गिल को बड़ी चुनौती के साथ कप्तानी सौंपी गई है। इस पर गिल ने कहा, हर दौरे में दबाव होता है। हमारे पास अच्छा कॉम्बिनेशन है – अनुभव और टैलेंट का। नए सिरे से शुरुआत करने का मौका है और हम इसके लिए तैयार हैं। गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान हैं और 1988 में एक टेस्ट के लिए कप्तान बने रवि शास्त्री के बाद सबसे कम उम्र के टेस्ट लीडर हैं। गिल ने बताया कि टीम का बल्लेबाजी क्रम अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हम 10 दिनों का कैंप करेंगे और 13 से 16 जून के बीच एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी होगा। उसी के बाद हम तय करेंगे कि कौन किस क्रम पर खेलेगा। गौरतलब है कि भारत की 18 सदस्यीय टीम में पहली बार शामिल हुए हैं बी. साई सुधर्शन, जबकि 8 साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं करुण नायर। अभिमन्यु ईश्वरन को भी बरकरार रखा गया है। ऑलराउंडर विकल्पों में नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा शामिल हैं। गंभीर बोले- '20 विकेट लेने वाले गेंदबाज़ ही मैच जिताते हैं' हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, केवल पिच की स्थिति नहीं, इंग्लैंड में ऊपर के हालात भी अहम होते हैं। टेस्ट मैच जीतने के लिए 20 विकेट लेने जरूरी होते हैं।

फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में बड़ा उलटफ़ेर: सबालेंका ने गत चैंपियन स्वियातेक को किया बाहर

एजेंसी

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2025 में गुरुवार को महिला एकल वर्ग में बड़ा उलटफ़ेर देखने को मिला। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने चार बार की चैंपियन और गत विजेता इगा स्वियातेक को सेमीफाइनल में 6-7(1), 6-4, 6-0 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ स्वियातेक की रोलां गैरो पर 26 मैचों की जीत की लय भी टूट गई। इगा स्वियातेक ओपन युग (1968 से) में पहली महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं, जो पेरिस में लगातार चार खिताब जीततीं। हालांकि सबालेंका की ताकतवर खेल शैली के आगे वह टिक नहीं सकीं। उन्होंने मैच की शुरुआत से ही गलतियों की झड़ी लगा दी और पहले तीन गेम में ही सात अनफोर्स्ड एरर कर बैठीं। सेमीफाइनल में सबालेंका ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली। हालांकि स्वियातेक ने वापसी करते हुए पहला सेट टाईब्रेक में 7-6(1) से जीत लिया, लेकिन सबालेंका ने दूसरा सेट 6-4 से और निर्णायक सेट 6-0 से अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी रहीं और स्वियातेक का खेल बिखरता चला गया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, यह जीत मेरे लिए खास है, लेकिन मैं जानती हूं कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है। तीसरे सेट में मैं अपनी सर्विस खोज पाई और यह मेरे लिए परफ़ेक्ट रहा। मैच के बाद इगा स्वियातेक ने कहा, यहां खेलना हमेशा से खास रहा है। हालांकि मैं इस बार चैंपियन नहीं बन सकी, लेकिन मैं यहां फिर लौटूंगी। उन्होंने सबालेंका के खेल की तारीफ करते हुए कहा, पहले और तीसरे सेट में उनकी गति और ताकत के आगे मैं संघर्ष करती रही। अब सबालेंका का सामना फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ से होगा, जिन्होंने फ्रांस की वाइल्डकार्ड एंट्री लोइस बॉइसन को आसानी से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा, जिसमें सबालेंका पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने की कोशिश करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

सियोल। उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने गुरुवार को पहली बार पुरुष विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया, जबकि दक्षिण कोरिया ने लगातार 11वीं बार इसमें अपनी जगह पक्की की। अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ उज्बेकिस्तान के लिए ग्रुप ए में ईरान के बाद दूसरा स्वतः क्वालीफिकेशन स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त था। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया ने इराक को 2–0 से हराकर विश्व कप मे अपना स्थान पक्का किया। दक्षिण कोरिया की दो गोल के अंतर से जीत जॉर्डन के लिए पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लिए पर्याप्त थी। उसने इससे पहले ओमान को 3–0 से हराकर शीर्ष दो में जगह बनाई थी। जॉर्डन की तरफ से तीनों गोल अली ओलवान ने किए। ग्रुप सी में चीन को जकार्ता में इंडोनेशिया के हाथों 1–0 से हार का सामना करना पड़ा। इस ग्रुप के एक अन्य मैच में अज़ीज़ बेहिच के अंतिम मिनट में किये गए गोल से ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहले से ही क्वालीफाई कर चुकी जापान की टीम को 1–0 से हराया। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम लगातार छठी बार विश्व कप में खेलने के करीब पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया की जापान के खिलाफ 16 वर्षों में यह पहली जीत थी।

फ्रांस को हराकर स्पेन नेशंस लीग के फाइनल में

स्टटगार्ट। युवा खिलाड़ी लेमिन यामल के दो गोल की मदद से स्पेन ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में फ्रांस को 5–4 से हरा दिया। सत्रह वर्षीय यामल ने गुरुवार को फ्रांस के डिजायर डू और ओसमान डेम्बेले जैसे युवा खिलाड़ियों के सामने खुद को बेहतर साबित किया, जिससे स्पेन ने डिडिएर डेसचैम्प्स की टीम के खिलाफ शुरू में दबदबा बनाते हुए रविवार को पुर्तगाल के खिलाफ होने वाले फाइनल में जगह बना ली। पुर्तगाल ने बुधवार को मेजबान देश जर्मनी को 2–1 से हराया था। यह नेशंस लीग के इतिहास में सर्वाधिक स्कोर वाला मैच था। फ्रांस ने चार में से तीन गोल तब किए जब यामल ने स्कोर 5–1 कर दिया था और स्पेन के खिलाड़ी अपनी जीत को पक्की मान चुके थे।

न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को मुख्य कोच नियुक्त किया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने गैरी स्टीड के स्थान पर रॉब वाल्टर को अपनी पुरुष क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों का कोच नियुक्त किया है। वाल्टर जनवरी 2023 से इस साल अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की वनडे और टी20 टीमों के कोच रहे। इससे पहले वह न्यूज़ीलैंड के ओटागो प्रांत और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स एसोसिएशन में पांच साल तक कोच रहे। वाल्टर के कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका ने वनडे विश्व कप 2023 और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सैनी फाइनल में जगह बनाई थी। यही नहीं उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। स्टीड 2018 से तीनों प्रारूपों में न्यूजीलैंड के मुख्य कोच थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इस सप्ताह के शुरू में घोषणा की कि वह उनके स्थान पर नए कोच की तलाश कर रहा है। स्टीड ने मार्च में घोषणा की थी कि वह सीमित ओवरों के प्रारूपों में अपनी भूमिका से हट रहे हैं, लेकिन टेस्ट कोच के रूप में बने रहना चाहते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हालांकि कहा कि वह तीनों प्रारूपों के लिए एक कोच को प्राथमिकता देता है। वाल्टर ने कहा, ''ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ़ के साथ काम करना एक शानदार अवसर है। यह रोमांचक है, चुनौतीपूर्ण है और बहुत बड़ा अवसर है।

बैंकॉक में उत्तर प्रदेश पर्यटन की अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग की तैयारी में जुटी राज्य सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक पटल पर प्रदर्शित करने के लिए अगस्त माह में बैंकॉक में आयोजित होने जा रहे प्रतिष्ठित पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पाटा) 2025 में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में जुट गयी है। राज्य सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि पर्यटन विभाग आगामी 26 से 28 अगस्त तक बैंकॉक में आयोजित होने वाले पाटा 2025 में अपनी भव्य उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में जुट गया है। इस आयोजन के जरिये उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में पेश किया जाएगा। इससे प्रदेश की पर्यटन क्षमता और अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। उन्होंने बताया कि पाटा बैंकॉक 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग 36 वर्ग मीटर क्षेत्र में लगाए जाने वाले स्टॉल के माध्यम से राज्य की अनूठी छटा प्रदर्शित करेगा। यहां बौद्ध परिपथ जैसे सारनाथ, कुशीनगर और श्रावस्ती के साथ–साथ आध्यात्मिक और ऐतिहासिक स्थलों जैसे वाराणसी, अयोध्या और महाकुंभ को प्रमुखता दी जाएगी। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, इस स्टॉल में एलईडी वॉल स्क्रीन और ऑटो–नेविगेशन स्क्रीन पर राज्य के पर्यटन स्थलों की जीवंत तस्वीरें प्रदर्शित की जाएंगी। पर्यटक एआर (आग्यूमेंटेड रियलिटी) आधारित डिजिटल टच पैनल पर उत्तर प्रदेश के छह खूबसूरत स्थलों की पृष्ठभूमि में सेल्फी भी ले सकेंगे। यहां आने वाले मेहमानों को न केवल उत्तर प्रदेश की हस्तकला और ओडीओपी (एक जिला, एक उत्पाद) से परिचित कराया जाएगा, बल्कि प्रदेश के ऐतिहासिक मंदिर, उनकी वास्तुकला और महात्म्य का भी रचनात्मक प्रदर्शन होगा। बयान के अनुसार, राज्य सरकार बैंकॉक में एक दिन के अंतरराष्ट्रीय रोडशो का आयोजन भी करेगी। इस रोडशो में ट्रैवल ट्रेडर्स, ट्रैवल मीडिया और प्रभावशाली हस्तियों सहित 100 से अधिक हितधारक हिस्सा लेंगे। अंग्रेजी में निपुण अधिकारी और स्थानीय भाषा के दुभाषिए आगंतुकों को प्रदेश की खूबियों से रूबरू कराएंगे। पाटा बैंकॉक 2025 में प्रदेश की भागीदारी राज्य की बौद्ध, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया भर के पर्यटकों और निवेशकों तक पहुंचाएगी। यह आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि निवेश के नए अवसर भी खोलेगा। इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

एनटीपीसी समूह की स्थापित क्षमता 80,265 मेगावाट पर पहुंची

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी की अनुषंगी की अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 1,255 मेगावाट की खावड़ा सौर परियोजना से 110.25 मेगावाट की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी है। इसके साथ एनटीपीसी समूह की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 80,265 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की पूर्ण अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की 1,255 मेगावाट की खावड़ा–क्रसौर पीवी परियोजना के पहले चरण के तहत 110.25 मेगावाट की क्षमता छह जून को रात 12 बजे बजे वाणिज्यिक रूप से परिचालन में आ गयी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी एनटीपीसी लि. की एक अनुषंगी कंपनी है। इसके साथ ही एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 80,265 मेगावाट हो गई है।

टीम बैठकों में सिर्फ इसी पर चर्चा होती थी कि पुजारा को कैसे आउट किया जाए: रोहित शर्मा

एजेंसी

मुंबई। चेतेश्वर पुजारा को कैसे आउट किया जाए? यह एक ऐसा सवाल था जिस पर रोहित शर्मा और मुंबई के उनके साथी जूनियर क्रिकेट के दिनों में अक्सर चर्चा करते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि सौराष्ट्र का यह बल्लेबाज लगातार दो या तीन दिन बल्लेबाजी करके उनकी उम्मीदों पर सकता है। रोहित ने खुलासा किया कि पुजारा का विकेट अक्सर आयु वर्ग के मैचों में उनकी टीम के लिए जीत या हार का अंतर होता था। यह इस दिग्गज बल्लेबाज के शुरुआती लक्षण थे, जिन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत तथा 19 शतक और 35 अर्द्धशतक की मदद से 7,195 रन बनाए। रोहित ने गुरुवार को यहां पुजारा की पत्नी पूजा की किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ' के विमोचन के अवसर पर कहा, ''मुझे अब भी याद है कि टीम बैठकें सिर्फ इसी पर केंद्रित होती थीं कि उसे कैसे आउट किया जाए और अगर हम उसे आउट नहीं कर पाते हैं तो हम मैच हार सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने मजाक में कहा कि पुजारा के खिलाफ खेलने से उनका चेहरा इतना बदल जाता था कि उनकी मां भी थोड़ी परेशान हो जाती थीं। उन्होंने कहा, ''मुझे बस इतना याद है कि जब मैं 14 साल का था और मैदान से शाम को जब वापस आता था, तो मेरे चेहरे का रंग बिल्कुल बदल जाता था। रोहित ने कहा, ''क्योंकि वह पूरे दिन बल्लेबाजी करता था और हमें दो-तीन दिन तक धूप में फील्डिंग करनी पड़ती थी। मुझे अब भी याद है कि मेरी मां ने मुझसे कई बार पूछा था कि जब तुम घर से खेलने जाते हो, तो तुम अलग दिखते हो और जब तुम एक हफ्ते या 10 दिन बाद घर आते हो, तो तुम अलग दिखते हो। रोहित ने कहा, ''मैं कहता था, मां मैं क्या करूं। चेतेश्वर पुजारा नाम का एक बल्लेबाज है। वह तीन दिनों से बल्लेबाजी कर रहा है।' पुजारा को लेकर हमारी शुरुआती धारणा यही थी। रोहित ने कहा कि करियर की शुरुआत में दोनों घुटनों में एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) की चोट के बावजूद 100 से अधिक टेस्ट खेलने का श्रेय पुजारा को दिया। उन्होंने कहा, ''(यह) बहुत बड़ी और बहुत बुरी चोट थी। उसकी दोनों एसीएल चली गई थीं। किसी भी क्रिकेटर, एक खिलाड़ी के लिए यह बहुत मुश्किल होता है जब वह अपनी दोनों एसीएल गंवा देता है।

गुकेश ने वेई यी को हराया कार्लसन के साथ खिताब के दावेदार बने

स्टावेंजर (नॉर्वे)। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में चीन के वेई यी को हराकर तीन अंक हासिल किए और नॉर्वे के स्टार मैग्नस कार्लसन के साथ खिताब के लिए शीर्ष दावेदार बन गए। अब जब कि केवल एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है तब गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन छह खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में उनसे केवल आधा अंक आगे हैं। कार्लसन ने हारने की स्थिति से वापसी करते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया और पूरे अंक हासिल किए। अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारूआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा। दोनों ही खिताब और 69,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित करना चाहेंगे।

सेबी ने मेहुल चोकसी के बैंक खातों, शेयरों, म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का आदेश दिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने गीतांजलि जेम्स के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन मामले में 2.1 करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए फरार हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के बैंक खातों, शेयरों एवं म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का आदेश दिया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने यह कदम 15 मई को चोकसी को भेजे गए एक नोटिस के बाद उठाया गया है, जिसमें 15 दिन के भीतर भुगतान न करने पर संपत्ति के साथ बैंक खाते भी जब्त करने की चेतावनी दी गई थी। चोकसी ने गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन मामले में जनवरी, 2022 में सेबी द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं किया था जिसके बाद यह नोटिस जारी किया गया था। चोकसी गीतांजलि जेम्स का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक होने के साथ प्रवर्तक समूह का हिस्सा भी था। वह एक अन्य भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी का मामा है। दोनों पर सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। वर्ष 2018 की शुरुआत में पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद चोकसी और मोदी दोनों ही भारत से भाग गए थे। भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद अप्रैल में चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। वहीं मोदी को मार्च, 2019 में स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने गिरफ्तार किया था और वर्तमान में वह उस देश की जेल में है। सेबी ने चार जून, 2025 को जारी जब्ती नोटिस में कहा कि 2.1 करोड़ रुपये के लंबित बकाया में 1.5 करोड़ रुपये का शुरुआती जुर्माना और 60 लाख रुपये का ब्याज शामिल है। बकाया वसूलने के लिए सेबी ने सभी बैंकों, डिपॉजिटरी- सीडीएसएल एवं एनएसडीएल और म्यूचुअल फंड कंपनियों से कहा कि वे चोकसी के खातों से किसी भी तरह की निकासी की अनुमति न दें। हालांकि, इन खातों में जमा की अनुमति है। इसके अलावा, सेबी ने बैंकों को चूककर्ता के लॉकर समेत सभी खातों को कुर्क करने का निर्देश दिया है। सेबी ने जनवरी, 2022 में पारित अपने आदेश में चोकसी पर 1.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही उसे एक साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। सेबी ने अपनी जांच में पाया था कि चोकसी ने राकेश गिरधरलाल गजेरा को अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील जानकारी दी थी। गजेरा ने धोखाधड़ी का मामला उजागर होने के पहले ही दिसंबर, 2017 में गीतांजलि जेम्स में अपनी पूरी 5.75 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी थी।

मांग में नरमी से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री तीन प्रतिशत घटी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण कई राज्यों में ग्राहकों के खरीदारी में देरी करने तथा छोटी कारों की मांग में नरमी आने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार तीन प्रतिशत की गिरावट आई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, पिछले महीने यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,02,214 इकाई रहा, जबकि मई 2024 में यह 3,11,908 इकाई रहा था। इसमें कहा गया, छोटी कारों की मांग सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सीमित वित्तपोषण और कमजोर उपभोक्ता भावना इसकी मुख्य वजह रही। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में युद्ध संबंधी चिंताएं एवं सीमा पर तनाव बढ़ने से ग्राहकों ने खरीदारी में देरी की। हालांकि, बुकिंग काफी अच्छी रही, लेकिन स्थगित निर्णयों के कारण खुदरा बिक्री में कमी आई। वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार, मई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 16,52,637 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 15,40,077 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 75,615 इकाई रह गई, जिसकी वजह माल ढुलाई चक्र में नरमी, नकदी की तंगी और भू-राजनीतिक तनाव रहा। हालांकि, थोक बिक्री में तेजी आई क्योंकि मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) और डीलरों ने जून, 2025 के अनिवार्य 'एसी ड्राइवर-केबिन' विनियमन से पहले भंडार बनाए रखा था। तिपहिया वाहनों का पंजीकरण मई में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 1,04,448 इकाई हो गया।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.5 फीसदी पर रखा बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भी 6.50 फीसदी की विकास दर दर्ज की गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद इसका ऐएलान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश कर रही है। मलहोत्रा ने कहा कि एमपीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लिए अपने विकास दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है, जो हमारे पहले के पूर्वानुमान के अनुसार जारी रहेगी। मल्होत्रा ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया है। चालू वित्त वर्ष 2025-2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी की वृद्धि दर 6.50 फीसदी, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 6.7 फीसदी, तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 6.6 फीसदी और चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में 6.4 फीसदी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह अनुमान दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था हर तिमाही में मजबूत बनी रहेगी, हालांकि वित्त वर्ष के अंत में थोड़ी नरमी देखी जा सकती है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने घरेलू अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए महंगाई दर का अनुमान घटाकर 3.7 फीसदी किया

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने महंगाई दर के अनुमान को मौजूदा 4.0 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक ने उम्मीद जतायी है कि जिंसों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी के साथ मुख्य मुद्रास्फीति नरम बनी रहेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मुंबई में तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि सामान्य मानसून के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति यानी खुदरा महंगाई दर अब 3.7 फीसदी पर रहने का अनुमान है। इसके अप्रैल-जून तिमाही में 2.9 फीसदी, जुलाई-सितंबर तिमाही में 3.4 फीसदी, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 3.9 फीसदी और जनवरी-मार्च तिमाही में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है। मल?होत्रा ने कहा कि महंगाई दर का यह अनुमान सभी प्रमुख चीजों में कीमतों के अनुकूल रहने की ओर इशारा करता है। रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। मल्होत्रा ने कहा, ''अधिकतर अनुमान कच्चे तेल सहित प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में निरंतर नरमी की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा। दरअसल केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत ब?याज दर रेपो रेट को भी 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया है। उल?लेखनीय है कि खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 तक लगातार तीन महीने चार फीसदी की सीमा से नीचे रही है। खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 3.16 फीसदी पर आ गई है, जो इसका छह साल का निचला स्तर है। चार फीसदी से कम औसत खुदरा महंगाई दर का यह अनुमान हाल के वर्षों में सबसे कम है।

भारतीय भाषा अनुभाग प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना के साथ ही राजभाषा विभाग अब एक संपूर्ण विभाग बन गया है। उन्होंने कहा कि हमारी क्षमता का पूरा दोहन तभी हो सकता है जब हमारी सोच, विश्लेषण और निर्णय लेने की प्रक्रिया हमारी मातृभाषा में हो। देश की सभी स्थानीय भाषाओं को मजबूत करके ही हम भारत को उसके सनातन गौरवशाली स्थान पर ले जा सकते हैं।

शाह ने कहा कि हमारी हर भाषा दूसरी भाषाओं से पूरी तरह जुड़ी हुई है और सभी भाषाओं का विकास एक-दूसरे के बिना संभव नहीं है। हमारी सभी भाषा रूपी नदियां मिलकर भारतीय संस्कृति की गंगा बनती हैं। भारतीय भाषाएं हमारी संस्कृति की आत्मा हैं और हमारी संस्कृति भारत की आत्मा है। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच प्रदान करेगा। गृहमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग सभी भाषाओं की भावना, समृद्धि और संवेदनशीलता को कम किए बिना किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अंग्रेजी को अपने ऊपर थोपने के खिलाफ लड़ाई में अवश्य जीतेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह सचिव और राजभाषा सचिव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज की रिपोर्ट लेकर जनता के बीच जाएगी भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार के तीसरे कार्यकाल का 9 जून को एक साल पूरा होने जा रहा है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने का फैसला किया है। इसके तहत 10 जून से सरकार के मंत्रियों के दौरे शुरू होंगे और तमाम जगहों पर प्रेस कॉफ्रेंस होगी। मंत्री अपने-अपने मंत्रालयों में किए गए कामों को गिनवाएंगे। इसके साथ देशभर में गोष्ठी और सभा का भी आयोजन होगा। पार्टी स्तर पर भी इसे लेकर तैयारियां की गई हैं। शुक्रवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर संदेश साझा करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की आकांक्षाएं हमेशा से हमारी नीति निर्माण के केंद्र में रही हैं। मोदी सरकार के पिछले 11 वर्षों में, उन्हें पूरी तरह से सशक्त बनाने और उन्हें देश के विकास में सबसे आगे रखने के लिए बेहतर शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, अटल टिंकरिंग लैब्स और देशभर में विश्वविद्यालयों और एम्स जैसे संस्थानों के विस्तार जैसी पहलों के माध्यम से युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए परिवर्तनकारी कदम उठाए गए हैं। भारत के युवा न केवल परिवर्तन के लाभार्थी हैं बल्कि वे इसके पीछे प्रेरक शक्ति हैं।

मुख्यमंत्री साय ने की केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात, नक्सल ऑपरेशन की उपलब्धियों और बस्तर के विकास की दी जानकारी

रायपुर, । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नक्सल विरोधी अभियानों की अब तक की सफलताओं और बस्तर अंचल में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि राज्य सरकार की नई रणनीति और केंद्र के सहयोग से नक्सल उन्मूलन अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया गया है। विगत डेढ़ वर्ष में चलाए गए सघन अभियानों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। 1,428 नक्सलियों (माओवादियों) ने आत्मसमर्पण किया है, जो बीते पांच वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। मुख्यमंत्री ने अवगत कराया कि 205 मुठभेड़ों में 427 नक्सली मारे गए, जिनमें संगठन के शीर्ष नेता महासचिव बसवा राजू और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुधाकर जैसे कुख्यात माओवादी शामिल हैं। इसके साथ ही, राज्य में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है, जिससे सुरक्षा नेटवर्क मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि इन सुरक्षा कैंपों के आसपास बसे गांवों तक अब बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुँचाई जा रही हैं।

भारत-बांग्लादेश व्यापार ईद-उल-अजहा के अवसर पर कई दिनों तक रहेगा बंद

कोलकाता। भारत और बांग्लादेश के बीच ईद-उल-अजहा के मौके पर व्यापारिक गतिविधियां कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दी गई हैं। यह जानकारी दोनों देशों की सीमा पर मौजूद एकीकृत जांच चौकियों (आईसीपी) से जुड़े अधिकारियों ने दी है। भारत-अखौरा (बांग्लादेश) एकीकृत जांच चौकी के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार से इस व्यापारिक बिंदु से निर्यात और आयात की गतिविधियां बंद रहेंगी और नौ जून से पुनः शुरू होंगी। इसी तरह पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना, पेट्रापोल, बेनापोल, नदिया? समेत त्रिपुरा के श्रीमंतपुर, बेलोनिया, खोवाई, कैलाशहर और धर्मनगर के अन्य व्यापार बिंदुओं पर भी व्यापार कुछ दिनों के लिए बंद रहेगा, जिसकी पुनः शुरुआत व्यापारी समुदाय की सुविधा के अनुसार तय की जाएगी। अधिकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल (भारत)-बेनापोल (बांग्लादेश) आईसीपी के माध्यम से व्यापारिक गतिविधियां 14 जून तक पूरी तरह बंद रहेंगी। यह निर्णय बांग्लादेश सरकार के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है। हालांकि इस दौरान दोनों देशों के बीच आव्रजन सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहेंगी। इसी तरह मेघालय के डॉकी-तमाबिल और असम के सुतारकांडी-शिओला व्यापारिक बिंदु भी बांग्लादेश में ईद-उल-अजहा के त्योहार को देखते हुए अस्थायी रूप से बंद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अगरतला-अखौरा (त्रिपुरा) और श्रीमंतपुर (सेपाहिजाला जिला, त्रिपुरा) में दो आईसीपी स्थापित किए हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल-बेनापोल, मेघालय के डॉकी-तमाबिल और असम के सुतारकांडी-शिओला में भी मल्टीपर्पज आईसीपी स्थापित किए गए हैं।

वार्षिक व्यापार के मूल्य के आधार पर पश्चिम बंगाल स्थित पेट्रापोल-बेनापोल आईसीपी के बाद त्रिपुरा का अगरतला-अखौरा आईसीपी दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक बिंदु है। बावजूद इसके कि पिछले वर्ष से बांग्लादेश में अस्थिरता और हिंसा का माहौल बना हुआ है, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, असम और मेघालय के साथ व्यापारिक गतिविधियां अब तक प्रभावित नहीं हुई थीं।

पेज एक का शेष

ऑपरेशन...

अब कश्मीर घाटी भारत के विशाल रेलवे नेटवर्क से जुड़ चुकी है। अब हम 'कश्मीर से कन्याकुमारी' तक के सपने को साकार कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इस रेल संपर्क से न केवल यातायात सुलभ होगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और शिक्षा को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने एक स्थानीय छात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि अपनी बातचीत में उसने कहा कि पहले लोग ट्रेन वीडियो में देखते थे, अब वे अपने गांव के सामने से गुजरती देख सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने रियासी जिले में बनने वाले 'श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस' की नींव रखी। इसकी लागत 350 करोड़ रुपये से अधिक है। इस संस्थान में 500 बिस्तरों की सुविधा होगी। साथ ही पिछले 5 वर्षों में राज्य में 7 नए मेडिकल कॉलेज खुल चुके हैं और एमबीबीएस सीटें 500 से बढ़कर 1300 हो गई हैं। उन्होंने कहा कि श्रीनगर और जम्मू में अब एम्स, आईआईटी, आईआईएम और एनआईटी जैसे संस्थान मौजूद हैं। इससे इस क्षेत्र को शिक्षा और नवाचार का हब बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को 'राष्ट्र का पहला रक्षक' बताया। उन्होंने घोषणा की कि गोलीबारी से प्रभावित परिवारों को पूरी सहायता दी जाएगी। जिनके मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें 2 लाख रुपये और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों को 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। साथ ही सीमा क्षेत्र में 10 हजार बंकर बनाए जा रहे हैं और 2 नई बॉर्डर बटालियन तथा 2 महिला बटालियनों का गठन किया जाएगा। सीमा क्षेत्र के लिए 4,200 रुपये करोड़ की बुनियादी योजनाएं लागू की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन विकास परियोजनाओं से न केवल कनेक्टिविटी बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय उद्योगों जैसे सेब, ड्राई फ्रूट्स, पश्मीना शॉल, और हस्तशिल्पों को देशभर के बाजारों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। घाटी अब फिर से फिल्म शूटिंग और खेलों का केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री ने 'मेक इन इंडिया', 'मिशन मैन्युफैक्चरिंग' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को युवाओं से जोड़ते हुए कहा कि भारत अब रक्षा उत्पादों का निर्यातक बन चुका है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस बदलाव के भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, उत्पादक राष्ट्र बन रहा है। आने वाले समय में हम विश्व के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल होंगे और जम्मू-कश्मीर के युवा इस परिवर्तन में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान लोगों से एक संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमें भारत में बने सामानों को प्राथमिकता देनी है, उन वस्तुओं को जो हमारे देशवासियों के पसीने से बनी हैं। यही सच्ची देशभक्ति है, यही राष्ट्र की सेवा है। हमें सरहद पर अपनी सेना का सम्मान बढ़ाना है और बाजार में 'मेक इन इंडिया' के गौरव को नई ऊंचाई देनी है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत माता का मुकुट है और यहां के हर क्षेत्र में विकास की रोशनी फैल रही है। उन्होंने अमरनाथ यात्रा, खीर भवानी मेला, ईद, और धार्मिक उत्सवों का उल्लेख कर कहा कि ये सभी अब भय मुक्त और व्यवस्थित रूप में हो रहे हैं, जो जम्मू-कश्मीर की बदली तस्वीर को दर्शाते हैं।

उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि हर वो दीवार जो जम्मू-कश्मीर के युवा के सपनों के सामने आएगी, उसे पार करने के लिए मैं खुद खड़ा रहूंगा।

समारोह में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, डॉ. जितेंद्र सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले आज जम्मू-कश्मीर में चिनाब पुल का उद्घाटन किया और पुल के डेक का दौरा किया। इस दौरान उनके हाथ में तिरंगा था, जिसे उन्होंने लहराते हुए स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने अंजी पुल का दौरा किया और उसका उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने कटरा से श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद कटरा में 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास तथा उद्घाटन किया।

चिनाब और अंजी रेल पुल

नदी तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित वास्तुकला का चमत्कार चिनाब रेल पुल दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 1,315 मीटर लंबा स्टील आर्च ब्रिज है जिसे भूकंप और हवा की हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार किया गया है। इस पुल का एक प्रमुख प्रभाव जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क को बढ़ाना होगा। इस पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के ज़रिए कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में सिर्फ़ 3 घंटे लगेंगे, जिससे मौजूदा यात्रा समय में 2-3 घंटे की कमी आएगी। वहीं अंजी ब्रिज भारत का पहला केबल-स्टेड रेल ब्रिज है जो इस चुनौतीपूर्ण भूभाग में राष्ट्र की सेवा करेगा।

वंदे भारत ट्रेन

प्रधानमंत्री ने माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर और वापस जाने वाली दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। ये ट्रेनें निवासियों, पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और अन्य लोगों के लिए एक तेज़, आरामदायक और विश्वसनीय यात्रा विकल्प प्रदान करेंगी।

संपर्क परियोजनाएं और अन्य विकास पहल

प्रधानमंत्री ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। 272 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 36 सुरंगें (119 किलोमीटर तक फैली हुई) और 943 पुल शामिल हैं। इसका निर्माण लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह परियोजना कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से सभी मौसमों में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करने में मददगार है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता में तेजी लाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री ...

पीएमओ में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने कंथन चिनाब हॉल्ट पर परियोजना टीम और श्रमिकों के साथ भी बातचीत की। उन्होंने इस परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। चिनाब और अंजी रेल पुलनदी तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित वास्तुकला का चमत्कार चिनाब रेल पुल दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 1,315 मीटर लंबा स्टील आर्च ब्रिज है जिसे भूकंप और हवा की हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार किया गया है। इस पुल का एक प्रमुख प्रभाव जम्मू और श्रीनगर के बीच संपर्क को बढ़ाना है। इस पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के ज़रिए कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में सिर्फ़ 3 घंटे लगेंगे, जिससे मौजूदा यात्रा समय में 2-3 घंटे की कमी आएगी। वहीं अंजी ब्रिज भारत का पहला केबल-स्टेड रेल ब्रिज है।

वंदे भारत एक्सप्रेसप्रधानमंत्री ने माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर और वापस जाने वाली दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। ये ट्रेनें निवासियों, पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और अन्य लोगों के लिए एक तेज़, आरामदायक और विश्वसनीय यात्रा विकल्प प्रदान करेंगी।

सच हुआ...

चुनौतियों और इंजीनियरिंग की बेजोड़ मिसाल देखने को मिलेगी, जबकि तीसरी मंजिल पर व्यू प्वाइंट के साथ ही रेस्तरां की सुविधा भी होगी। यहां से पर्यटक खाने-पीने का आनंद उठाने के साथ ही इस पुल से गुजरते समय आसपास के प्राकृतिक सौंदर्य को निहार सकेंगे। संग्रहालय में पर्यटकों को कश्मीरी कला और कारीगरी की हैरान कर देने वाली बारीकियां और नमूने देखने को मिलेंगे। हाथों से लकड़ी पर उकेरी गई आकर्षक आकृतियों में देवदार और अखरोट की लकड़ी का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा कश्मीर के डल झील की हाउस बोट जैसे डिजाइन भी इस संग्रहालय की शान बढ़ाएंगे।

रेलवे के अनुसार पर्यटक जब इस संग्रहालय में आएंगे, तो यहां प्रदर्शित मॉडलों से वह जान सकेंगे कि इस परियोजना में कितनी विपरीत परिस्थितियां तथा चुनौतियां आईं और उनसे पार पाने में कैसे-कैसे इंजीनियरिंग के चमत्कार हुए। चिनाब और घाटी की गहराई से आकाश जैसी ऊंचाई तक इंजीनियरों ने विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च पुल बना दिया। इसकी तस्वीरें और आंकड़े भी पर्यटकों को इस संग्रहालय में देखने को मिलेंगे। अंजी नदी पर बने देश के पहले केबल स्टे पुल के निर्माण में आई चुनौतियां और निर्माण के बाद उसकी मजबूती तथा अन्य विशेषताएं भी पर्यटक जान सकेंगे।--

जीरो...

हुए इस पर ठोस कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया गया। सम्मेलन के अंत में यह घोषणा की गई कि अगला यानी 12वां ब्रिक्स संसदीय फोरम भारत में आयोजित होगा और उसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा उपसभापति हरिवंश, सांसद सुरेंद्र सिंह नागर, विजय बघेल, विवेक ठाकुर, डॉ. शबरी बैरेड्डी और वरिष्ठ संसदीय अधिकारी शामिल थे।

छत्रपति...

'केशव कुंज' में स्थित विचार विनिमय केन्द्र के सभागार में हुआ।

पुस्तक में वर्णित इतिहास को बहुत उपयोगी बताते हुए सिंधिया ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि उन्हें गर्व है कि उनके वंशज भी मराठा संघर्ष में शामिल हुए थे और देश के लिए अपना बलिदान दिया था। छत्रपति शिवाजी के गौरवशाली इतिहास के कुछ प्रसंगों को साझा करते हुए सिंधिया ने कहा कि उन्होंने गौरिल्ला युद्ध से लेकर विश्व की सबसे पहली नौसेना का गठन किया। शिवाजी महाराज का उद्देश्य केवल अपना साम्राज्य स्थापित करना नहीं था, बल्कि भारत को आत्मनिर्भर, एकजुट और स्वाभिमानी राष्ट्र बनाना था। 'हिन्दवी स्वराज' की स्थापना भी इसी उद्देश्य से की गई थी। उद्देश्य था कि निर्धन से निर्धन व्यक्ति की भी देश के सम्राट तक पहुंच बन सके और उसे भी न्याय मिल सके।

कार्यक्रम में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपस्थित जनों से 'जय शिवाजी, जय भवानी' का उद्घोष दोहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन नारों से बलिदान की प्रेरणा मिलती है और दुश्मनों के दिलों में दहशत पैदा होती है।

समारोह को संबोधित करते हुए संघ की अखिल भारतीय प्रचार टोली के सदस्य मुकुल कानिटकर ने कहा कि स्वाधीनता और स्वतंत्रता दो अलग शब्द हैं। किसी की अधीनता से मुक्ति स्वाधीनता है और अपने आदर्शों, परम्पराओं और जीवन मूल्यों के आधार पर अपना तंत्र विकसित करना स्वतंत्रता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने आज से साढ़े तीन सौ साल पहले 'हिन्दीवी स्वराज' की स्थापना कर भारत के स्वतंत्र होने की आधारशिला रख दी थी। हम अपने ऐसे पूर्वजों का स्मरण कर हमेशा याद रखें कि भारत का इतिहास सदैव संघर्ष का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, ल्लभले हम पर आक्रमण होते रहे हों, हम कभी आंशिक रूप से तो कभी अधिकांशतः पराधीन हुए हों, पर हमारे देश के वीर सपूतों ने किसी भी आक्रमणकारी को चैन से एक दिन भी बैठने नहीं दिया। हमने स्वतंत्रता के लिए निरंतर संघर्ष किया, बलिदान दिए और अंततः स्वाधीन हो गए और अब अपने स्व के साथ लोगों को खड़ा कर रहे हैं।

भक्तों...

कार्य पूर्ण हो जायेंगे। परकोटा में मंदिरों के दर्शन में रामभक्तों को अभी थोड़ा धैर्य रखना होगा। उन्होंने कहा कि 20 फीट ऊंचाई पर राम दरबार है। लगभग 40 सीढ़ियों को चढ़कर ऊपर जाना होगा। ऊपर जाने के लिए जो न्यूनतम आवश्यकता है। उसका अभी अभाव है। लिफ्ट बनने में समय लगेगा। लिफ्ट लगाए जाने का कार्य चल रहा है, जिसका हम इंतजार कर रहे हैं। अभी कुछ अन्य भी सुरक्षा के मानक हैं। अधूरे, मंदिर के चारों ओर लोहे की पाइप लगी है। फ्रेम स्ट्रक्चर खड़ा है। जिस पर मजदूर चढ़कर जाते हैं। ऊपर परकोटा और राम मंदिर में दर्शन की अभी समय अवधि निश्चित नहीं की जा सकती है। भक्तों को रामदरबार में जल्द दर्शन मिले, यही हमारा प्रयास है। वहीं चंपत राय ने पर्वतारोही नरेंद्र सिंह यादव को सम्मानित किया, जो रामकाज के लिए सोमनाथ गुजरात से 36 दिनों में 18 सौ किमी. की दूरी तय कर पैदल दौड़कर लगाकर अयोध्या पहुंचे हैं। उनके नाम कुल 28 विश्व रिकॉर्ड है। प्रेसवार्ता में विहिप प्रांतीय प्रवक्ता शरद शर्मा भी मौजूद रहे।

कई...

सुरागों का खुलासा किया है। अब तक गिरफ्तार किए गए 13 लोगों में से केतन कदम बिचौलिया और वोडर इंडिया एलएलपी का निदेशक है। जयेश जोशी विर्गो स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से जुड़ा है, जो ठेकेदारों को गाद निकालने वाली मशीनें और अन्य उपकरण आपूर्ति करती है। ईओडब्ल्यू इस बात की जांच कर रहा है कि क्या केतन कदम को इन ठेकेदारों से मिले पैसे बाद में डिनो मोरिया के बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे। जांच के हिस्से के रूप में 20 से 22 बैंक खातों का ऑडिट चल रहा है, जिसमें संदिग्ध घोटाले से जुड़े लेन-देन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

ईओडब्ल्यू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस मामले पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट का इंतजार है। आने वाले दिनों में अनियमितताओं से जुड़े और लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। करोड़ों के घोटाले को अंजाम देने के लिए आरोपितों ने कथित तौर पर डीसिल्टिंग कॉन्ट्रैक्ट देने में अनुकूल व्यवहार के बदले बीएमसी अधिकारियों और उनके परिवारों के लिए विदेश यात्राओं की व्यवस्था की। ईओडब्ल्यू के सूत्रों के अनुसार केतन कदम ने बीएमसी के सहायक अभियंता प्रशांत रामगुडे के लिए हवाई उड़ानों और लक्जरी होटल में ठहरने सहित अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रायोजित की। रामगुडे ने कथित तौर पर अपने परिवार के साथ सिंगापुर की एक दिन की यात्रा की, जिसमें कदम ने इंटरकॉन्टिनेंटल सिंगापुर में होटल की व्यवस्था की थी। दुबई की यात्रा के लिए भी इसी तरह की व्यवस्था की गई थी, जहां कदम ने फिर से होटल बुकिंग संभाली। पुलिस ने कदम से इन लेन-देन का विस्तृत रिकार्ड बरामद किया है । इसी आधार पर ईडी भी इस मामले में छापेमारी कर तथ्यों को तलाश रही है।

आयुष...

पुलिस और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने इस बात पर गहरी नाराजगी व्यक्त की कि कई बार चेतावनी देने के बाद भी निर्माण तय समय सीमा और विस्तारित समय पर भी पूरा नहीं किया गया। इसे लेकर उन्होंने लोक निर्माण विभाग और कार्यदायी संस्था के जिम्मेदारों को कड़ी फटकार भी लगाई। गौरतलब है कि 30 जून को राष्ट्रपति के हाथों प्रदेश के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण कराने की तैयारी है। लिहाजा इसे देखते हुए मुख्यमंत्री ने आज की बैठक में सभी कार्यों को पूर्ण करने की आखिरी समय सीमा 22 जून तय कर दी। उन्होंने चेतावनी दी कि इसमें कोई शिथिलता या लापरवाही बरती गई तो कड़ी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने प्रशासन के अफसरों से कहा कि एक टीम बनाकर कार्यों की रोज मॉनिटरिंग सुनिश्चित कराएं।

मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रपति के संभावित आगमन के मद्देनजर हेलिपैड बनाने की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ ही सघन साफ सफाई कराई जाए। कहीं भी गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। सभी भवन पर नाम लिखा हो। उन्होंने परिसर में सघन पौधरोपण कराने और आंतरिक सड़क के दोनों किनारे भी पौधे लगाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव आयुष और आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति को निर्देशित किया कि विश्वविद्यालय में दक्ष फैकल्टी की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए जरूरी कार्यवाही शीघ्र पूरा कर लें।

इस अवसर पर विधायक महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी, एडीजी जोन डॉ. केएस प्रताप, कमिश्नर अनिल ढींगरा, डीआईजी एस. चनप्पा, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, एसएसपी राजकरन नैयर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जनता की...

निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए।

अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं।

जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराएं। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। इस दौरान यह निर्देश भी दिया कि अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है, उन्हें इलाज में किसी तरह की दिक्कत न होने आए। साथ ही जो पात्र लोग किन्हीं कारणों से वंचित हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

मंदिर की गोशाला में गोवंश को दुलारकर खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुचकारा। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फ़ेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

सीएम से बोले नन्हें योद्धा, हैप्पी बर्थडे महाराज जी

मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने मार्शल आर्ट्स सीखने वाले नन्हें योद्धाओं का समूह भी पहुंचा। इनमें बालिकाओं की संख्या अधिक रही। इन नन्हें योद्धाओं ने मुख्यमंत्री को 'हैप्पी बर्थडे महाराज जी' कहते हुए गुलाब का फूल भेंट किया। मुख्यमंत्री का जन्मदिन कल 5 जून को था। बच्चों से मिली शुभकामना पर सीएम मुस्कराने लगे और उन्हें आशीर्वाद के साथ चॉकलेट गिफ्ट किए। बच्चों के साथ फोटो भी खिचवाई।

अरुणाचल...

यह मुठभेड़ सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और म्यांमार से हो रही घुसपैठ को रोकने की भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

उत्तराखंड को हार्टिकल्चर का हब बनाएंगे : शिवराज सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को एक दिन के प्रवास पर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून पहुंचे। केंद्रीय कृषि मंत्री ने यहां कहा कि उत्तराखंड की भूमि को खेती-किसानी की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। इस राज्य को हार्टिकल्चर का हब बनाएंगे। उन्होंने आज देहरादून के डोईवाला ब्लॉक अंतर्गत पाववाला सौड़ा गांव में आयोजित किसान चौपाल में भाग लिया। खेतों के मध्य खाट पर बैठकर केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों से आत्मीय संवाद किया और जमीनी स्तर की समस्याओं को समझा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार किसानों की आय को दोगुना करने और 'विकसित भारत' की परिकल्पना को

साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ्रमैं स्वयं किसान परिवार से हूं, किसान का दर्द जानता हूं। इसी कारण आज सीधे खेत में आकर खाट पर बैठा हूं, ताकि यह जान सकूं कि सरकार की योजनाओं का लाभ जमीन तक पहुंच रहा है या नहीं। किसानों से सीधा संवाद ही उनकी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करता है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की बताई समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तराखंड को हार्टिकल्चर (बागवानी) का राष्ट्रीय हब बनाएंगी। उत्तराखंड के फल, अनाज और सब्जियों की गुणवत्ता अद्वितीय है और उनमें वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की पूरी क्षमता है। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार के कृषि मंत्री गणेश जोशी सहित कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। चौपाल में किसानों ने बीज, सिंचाई, विपणन, फसल बीमा योजना और कृषि उत्पादों के उचित मूल्य से जुड़ी अपनी बातें रखीं। लीची, बासमती चावल, कटहल और सब्जी उत्पादकों ने भी अपनी समस्याएं साझा कीं और समाधान के सुझाव दिए। मीडिया से बातचीत में शिवराज सिंह ने कहा पवित्र देवभूमि में आकर मन, बुद्धि और आत्मा एक नई ऊर्जा से भर जाती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। भारत सरकार उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि यहां के किसानों को न केवल आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ मिले, बल्कि उनके उत्पादों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाज़ार भी उपलब्ध हो।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने किए भगवान बदरीविशाल के दर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। केंद्रीय लघु मध्यम उद्योग एवं उद्यमिता विकास मंत्री जीतन राम मांझी पारिवारिकजनों के साथ शुक्रवार को बदरीनाथ धाम पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान बदरीविशाल की पूजा अर्चना कर देश खुशहाली की कामना की।

केंद्रीय मंत्री जीतन के बदरीनाथ धाम पहुंचने पर बीकेटीसी, जिला प्रशासन और तीर्थ पुरोहित समाज ने उनका स्वागत कर मंदिर में वेद पाठ पूजा संपन्न करवाई। दर्शन के पश्चात बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया और उन्हें भगवान बदरीविशाल का प्रसाद भेंट किया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्य कार्याधिकारी से श्री बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा व्यवस्थाओं के बाबत जानकारी ली। मुख्य कार्याधिकारी ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि अभी तक 14 लाख से अधिक

तीर्थयात्रियों ने श्री बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के दर्शन कर चुके हैं। इसमें से छह लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने श्री बदरीनाथ धाम के दर्शन किये हैं। तीर्थयात्रियों के लिए सरल सुगम दर्शन व्यवस्था की गयी है। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने उत्तराखंड सरकार एवं मंदिर समिति की ओर से की गई यात्रा व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अवसर बदरीनाथ धाम प्रभारी अधिकारी विपिन तिवारी, डिमरी पंचायत उपाध्यक्ष भास्कर डिमरी, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, वेदपाठी रविन्द्र भट्ट, ईओ नगर पंचायत सुनील पुरोहित आदि मौजूद रहे।

गोहत्या पर दिल्ली में नहीं, सारे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए: मुख्तार अब्बास नकवी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीयमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि गोहत्या पर दिल्ली में ही नहीं, पूरे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए। गोहत्या महापाप है। यह इस्लामियत के भी विपरीत है। उन्होंने इस संबंध में बकरीद पर दिल्ली में लगाए गए गोहत्या पर प्रतिबंध की सराहना की है। पूर्व केंद्रीयमंत्री नकवी ने आज जारी वाडियो बयान में कहा कि दिल्ली सरकार ने बकरीद के मद्देनजर जो सख्त सलाह जारी की है, वह स्वागत योग्य कदम है। दिल्ली सरकार ने गाय, बछड़ा, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी पर पूरी तरह रोक लगाकर देश का मन जीत लिया है। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशों को भी ऐसे कदम उठाने चाहिए। नकवी ने कहा कि सलाह नहीं, बल्कि पूरे देश में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए। उन्होंने वक्फ

बोर्ड में किए गए प्रशासनिक सुधार का भी स्वागत किया। नकवी ने कहा कि इसका वक्फ में सक्रिय लूट की लंपट लॉबी ही विरोध कर रही है। इन सुधारों से इस लॉबी पर की गई नाकाबंदी और तालाबंदी जैसे कदमों का अधिकांश मुसलमानों ने स्वागत किया है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद तरह-तरह के सवाल उठाने पर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि सारे देश को सेना के शौर्य और पराक्रम पर गर्व है। मगर कांग्रेस के बकवास बहादुरों का बैंडबाजा बज रहा है। यह बकवास बहादुर इस पर सवाल उठाकर कांग्रेस की नैया को डुबोकर ही मानेंगे।

धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर सिख हों एकजुट: अकाल तख्त जत्थेदार

- आपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर एसजीपीसी ने भिंडरावाले के पुत्र समेत कई को किया सम्मानित
- जून 1984 में कांग्रेस का सिखों के प्रति किया गया व्यवहार कभी भुलाया नहीं जा सकेगा: एचएस धामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर सिख कौम को एक होना चाहिए। यह वर्ष 2002

में शुरू हुआ है। अपने लोगों को वापस लाना चाहिए। जो इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, वह उनसे मिले हैं। उम्मीद है कि हमारे किए जा रहे प्रयासों को सफलता मिलेगी। अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज शुक्रवार को यहां ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। गड़गज ने कहा कि आज कौम के सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। बंदी सिखों की बात होनी चाहिए। भाई बलवंत सिंह राजोआना की बात हो। कौम पिछले लंबे समय से लड़ाई लड़ रही है, लेकिन जब तक हम एक साथ होकर खालसा के झंडे के नीचे लड़ाई नहीं लड़ेंगे, उतनी देर तक हमारे प्रयास कामयाब नहीं होंगे। जत्थेदार ने कहा कि आज जब हम अपने शहीदों को याद कर रहे हैं, उन शहीदों ने कौम की रक्षा के लिए अपनी जानों की कुर्बानी दी है। हम भी मतभेद छोड़कर इकट्ठे हों। उन्होंने कहा कि आज मैंने अरदास में भी कौम की एकता का जिक्र किया। गुरु का संदेश क्या है, मैंने अरदास में लोगों को याद दिलाया है। हम एक साझा परिवार हैं, आनंदपुर के वासी हैं और सरबत के भले की सोच वाले हैं। इस बीच अकाल तख्त साहिब पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान हरिमंदिर साहिब के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी रघुबीर सिंह, एसजीपीसी के प्रधान हरजिंद्र सिंह धामी, दमदमी टकसाल के मुखी बाबा हरनाम सिंह, बुद्?ढा दल के मुखी बलबीर सिंह 96वें करोड़ी, बाबा निहाल सिंह हरियां वेलां समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने जरनैल सिंह भिंडरावाले के बेटे ईशर सिंह, अमरीक सिंह की बेटी बीबी सतवंत कौर, भाई मनजीत सिंह, नछत्र सिंह के पुत्र भूपिंद्र सिंह, जन.सुबेग सिंह के भाई बेअंत सिंह समेत कई शहीदों के परिवारों के सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसजीपीसी प्रधान एचएस धामी ने कहा कि कांग्रेस हकूमत की तरफ से जून 1984 में किए अत्याचारों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। जब यह दुनिया रहेगी, तब तक कांग्रेस का सिखों के प्रति किया गया व्यवहार याद किया जाएगा। हर साल जून माह के दौरान समूची सिख कौम को गहरी पीड़ा से होकर गुजरना पड़ता है।

अमृतसर में दो हथियार तस्कर गिरफ्तार, आठ पिस्टल बरामद

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से होने वाली हथियार तस्करी का पर्दा फाश करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार करके आठ पिस्टल बरामद की है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान सुखचैन सिंह और जुगराज सिंह के रूप में हुई है। डीजीपी ने बताया कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर अमृतसर की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने दोनों तस्करों को उस वक्त दबोचा, जब वे पाकिस्तानी तस्कर नूर से अवैध हथियारों की खेप लेकर आ रहे थे। पूछताछ में पता चला कि ये हथियार पाकिस्तान से आए थे और इसके पीछे विदेश में बैठे तस्कर हैं। डीजीपी के मुताबिक तस्करों से मिले मोबाइल की जब जांच की गई तो उससे पाकिस्तान में बैठे तस्कर नूर का नाम सामने आया है। इसी नूर ने ड्रोन के माध्यम से इन हथियारों की खेप को भारतीय सीमा में भेजा था। इस संबंध में एसएसओसी थाना, अमृतसर में एफआईआर दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है।

लड़की पर अभद्र टिप्पणी करने का विरोध करने पर युवक को मारा चाकू

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के गांधी नगर इलाके में एक 18 वर्षीय युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार घायल युवक की पहचान सीलमपुर निवासी अजीम के रूप में हुई है। घटना के बाद घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि गुरुवार सुबह पुलिस को चाकू मारने की सूचना मिली थी, जिसके बाद जांच अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने से पहले ही घायल को पीसीआर वाहन की सहायता से अस्पताल भेजा जा चुका था। अस्पताल में अजीम के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया। घायल युवक ने अपने बयान में बताया कि शादाब (25) और शाने आलम (21) दोनों लखीमपुर खीरी के रहने वाले है।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपित गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस अभियान में दो कुख्यात वाहन चोर और दो चोरी की गाड़ियों के खरीददारों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दिल्ली और कोलकाता से चार लग्ज़री गाड़ियां बरामद की हैं। गिरफ्तार सभी आरोपित पहले से 45 से अधिक मामलों में शामिल रह चुके हैं। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित अभिषेक उर्फ सत्यम बाजपेयी को शाहदरा के रोहताश नगर क्षेत्र से दबोचा गया। पूछताछ में उसने एक मारुति बलेनो कार की चोरी की बात कबूली, जो वसंत कुंज से चोरी हुई थी। इसके बाद कोर्ट से पुलिस रिमांड प्राप्त कर सख्ती से पूछताछ की गई। रिमांड के दौरान उसकी निशानदेही पर सेल्टॉस कार (मौर्य एनक्लेव), मारुति स्विफ्ट (मोती नगर) और कोलकाता से होंडा डब्लूआरवी कार भी बरामद की गई। इस कड़ी में आरोपित इरफ़ान उर्फ

पिंटू, जानी उर्फ तानी, और कोलकाता से नौशाद उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अभिषेक का पिता दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों की खरीद-फरोख्त का काम करता था। जहां उसकी मुलाकात जानी से हुई। दोनों ने मिलकर कार चोरी शुरू की। इरफान चोरी की गाड़ियां खरीदता था और उन्हें नौशाद को कोलकाता भेजता था। गिरोह एक गाड़ी बेचने पर 80,000 से 1,00,000 कमाता था। आरोपित चोरी के लिए कोडिंग टैब और नकली चाबियों का इस्तेमाल करते थे। डीसीपी के अनुसार जांच में पता चला है कि पकड़ा गया अभिषेक उर्फ सत्यम (23) उप्र का रहने वाला है। वह 12वीं तक पढ़ा। वह 20 से अधिक मामलों में शामिल रहा है। वह उप्र गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित है। इरफ़ान उर्फ पिंटू (35) 5 मामलों में शामिल है। इसी क्रम में जानी उर्फ तानी (45) 15 मामलों में शामिल रहा है। वहीं नौशाद उर्फ राजू (51) पहले बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का काम करता था। अब गाड़ियों की फाइनेंसिंग व चोरी की गाड़ियों की खरीद-फरोख्त में लिप्त था।

राजस्व भवन बिल्डिंग में लगी आग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आईटीओ में राजस्व भवन बिल्डिंग में शुक्रवार सुबह अचानक आग लग गई। खबर मिलते ही दमकल की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गईं। दमकल अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल कर्मियों ने एक आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। शुरुआती जांच में पता चला है कि आग एसी में लगी थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार सुबह 9.57 बजे बजे सूचना मिली कि आईटीओ स्थित राजस्व भवन में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी के अनुसार आग दूसरी मंजिल पर स्थित कमरा नंबर 238 में लगी थी। दमकलकर्मियों ने आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर दरबार साहिब में खालिस्तान के नारे गूंजे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। ऑपरेशन ब्लू स्टार की 41वीं बरसी पर कई अवरोधों के बावजूद दरबार साहिब परिसर में धार्मिक कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। इस बीच कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे कट्टरपंथियों ने हाथों में जरनैल सिंह भिंडरावाला के पोस्टर लेकर खालिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लगाए। विवाद से बचने के लिए अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज ने कौम के नाम सीधा संदेश देने की बजाए अरदास में ही संदेश दे दिया। यह पहला मौका है जब जत्थेदार ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के अवसर पर कौम के नाम संदेश नहीं दिया। वर्ष 1984 में एक जून को सेना ने दरबार साहिब परिसर की घेराबंदी शुरू की थी और छह जून 1984 को दमदमी टकसाल के 14वें प्रमुख जरनैल सिंह भिंडरावाला की मौत की

खबर बाहर आई थी। इसके बाद देशभर में तनाव बढ़ गया था। इस बार दमदमी टकसाल के वर्तमान बाबा हरनाम सिंह ने कहा था कि इस बार अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को कौम के नाम संदेश नहीं देने दिया जाएगा। इस मुद्दे पर एसजीपीसी अध्यक्ष एचएस धामी ने भी उनके साथ मुलाकात की लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। दरबार साहिब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आज यहां दो दिन से चल रहे अखंड पाठ का भोग डाला गया। इस बीच हंगामे से बचने के लिए जत्थेदार कुलदीप सिंह ने अरदास करवाई और अरदास में ही उन्होंने कौम के नाम संदेश जारी करते हुए 1984 की घटना का जिक्र किया। इसके बाद लोगों ने हाथों में जरनैल सिंह भिंडरांवाला के पोस्टर लेकर खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। इस बीच कट्टरपंथी नेता एवं पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान पहुंचे तो समर्थकों ने खालिस्तान की मांग को लेकर नारेबाजी की। फरीदकोट के सांसद सरबजीत सिंह खालसा तथा खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल के परिवारिक सदस्य भी यहां पहुंचे। सरबत खालसा के कार्यकारी जत्थेदार ध्यान सिंह मंड को अकाल तख्त पर जाने से रोक दिया गया। इसका उन्होंने विरोध किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग जुटे हैं। ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी को देखते हुए आज अमृतसर के अधिकतर बाजार बंद हैं और कई शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां हैं। गुरुनानक देव विश्वविद्यालय में आज परीक्षाओं को स्थगित किया गया है। दरबार साहिब के बाहर कुछ संगठनों ने भिंडरावाले के पोस्टरों के स्टॉल लगाए हैं। अकाल तख्त साहिब की सीढ़ियों पर टास्क फोर्स को तैनात किया गया है। दरबार साहिब परिसर के बाहर एक हजार से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

ड्रग्स तस्करी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने खजूरी चौक के पास से एक शातिर ड्रग तस्कर पवन कुमार (51) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1.896 किलोग्राम चरस बरामद की है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि यह कार्रवाई एसआई सोमाया कुल्हड़ की देखरेख में पुलिस टीम ने किया। क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली कि थी कि आरोपित पवन कुमार गांव पोचनपुर एक्सटेंशन-ए, द्वारका से एक सफ़ेद होंडा एक्टिवा स्कूटी पर सवार होकर ड्रग डिलीवरी के इरादे से खजूरी चौक पर जाने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। आरोपित के आते ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से भारी मात्रा में चरस बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर आरोपित गिरफ्तार किया। पूछताछ में पवन कुमार ने कबूला कि वह पिछले 15-20 वर्षों से चरस तस्करी के धंधे में सक्रिय है। वह हिमाचल प्रदेश से दिल्ली और आसपास के इलाकों में चरस सप्लाई करता था। इसके लिए वह अपनी स्कूटी का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया कि पवन पहले भी ड्रग्स के मामले में पकड़ा जा चुका है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063